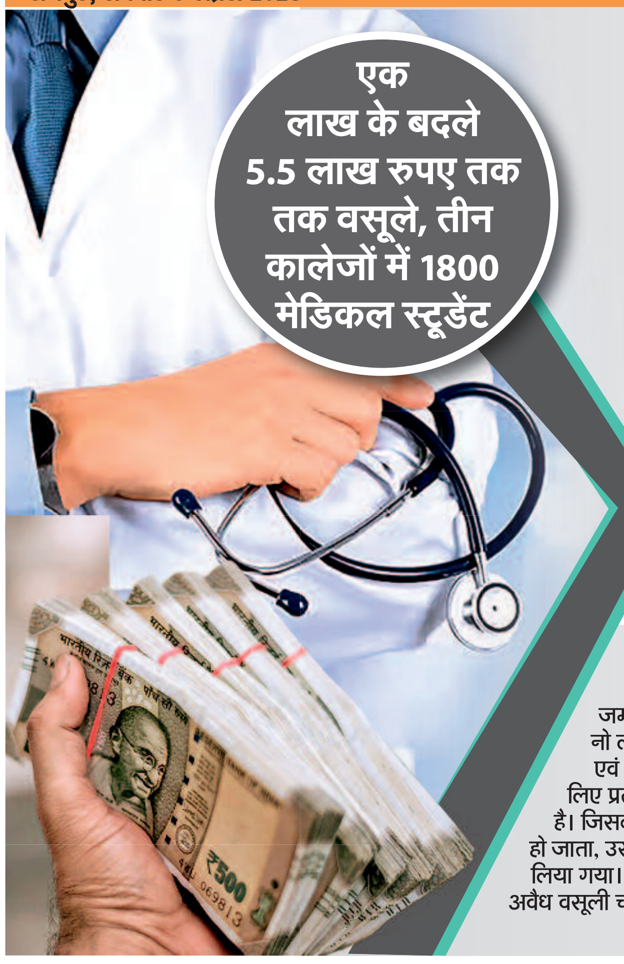

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

एनआरआई से ज्यादा फीस

इस बात की आशंका भी जताई गई है कि जिन छात्रों को एनआरआई कोटे से एमबीबीएस की सीटों पर एडमिशन दिया गया है, उनसे वसूली की राशि और ज्यादा हो सकती है।

▶▶| शेष पेज 7 पर

प्राइवेट मेडिकल कालेजों ने छात्रों से चार साल में वसूले 3 अरब 60 करोड़

एमबीबीएस की पढ़ाई की आड़ में प्रदेश के तीन निजी मेडिकल कॉलेजों ने जमकर लूट-खसोट मचाई है। ''नो प्रॉफिट नो लॉस'' के रूप में जिस ट्रांसपोर्ट, हॉस्टल एवं मेस का संचालन किया जाना था उसके लिए प्रत्येक छात्र से मनमानी राशि वसूली गई है। जिसका खर्च सालाना 1 लाख से कम में पूरा हो जाता, उसके लिए साढ़े 5 लाख रुपए तक शुल्क लिया गया। तीनों कॉलेजों में सालाना 90 करोड़ की अवैध वसूली चलती रही, जो पिछले चार सालों में कुल मिलाकर 360 करोड़ तक पहुंच गई।

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

वरिष्ठ सीए एवं फीस विनियामक समिति के सदस्य योगेश वल्यानी ने बताया कि शिकायत की जांच की गई तो निजी मेडिकल कॉलेजों द्वारा मनमानी वसूली का मामला सामने आया। कालेज में ''नो प्रॉफिट नो लॉस'' के आधार पर ट्रांसपोर्टिंग, हॉस्टल और मेस का संचालन कर सकते थे, मगर उनके द्वारा ▶▶| शेष पेज 7 पर

बस, हॉस्टल और मेस के लिए वसूला ज्यादा पैसा, तीन प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों पर दस-दस लाख का जुर्माना

छात्रों से ली गई अधिक राशि एक माह के भीतर 7% ब्याज सहित वापस देने निर्देश

25.20 करोड़ अतिरिक्त देने होंगे

फीस विनियामक समिति ने तीनों कॉलेजों को निर्देशित किया है कि छात्रों से वसूली गई अतिरिक्त राशि उन्हें 7 फीसदी ब्याज के साथ वापस की जाए। ▶▶| शेष पेज 7 पर

शिकायत सेल नैतिक जिम्मेदारी निभाए

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ फीस नियामक आयोग के निजी मेडिकल कॉलेज ▶▶| शेष पेज 7 पर

ऐसे समझें मनमानी वसूली का गणित

- ट्रांसपोर्टिंग, हॉस्टल, मेस का शुल्क लगभग 6 लाख, खर्च लाखभर नहीं, यानी 5 लाख एक्सट्रा
- एक कॉलेज में 6 सौ चिकित्सा छात्र, 5 लाख अतिरिक्त यानी 30 करोड़ सालाना की वसूली
- 3 कॉलेजों में हर साल 90 करोड़ का मनमानी फीस यानी 4 साल में 360 करोड़ का घपला

360 करोड़ की वसूली

शिकायत के आधार पर फीस का आडिट किया गया। जांच में पाया गया है कि कालेजों ने बहुत ज्यादा फीस ली है। ट्रांसपोर्ट और हॉस्टल के नाम पर पांच गुना तक जैसे लिए गए। कालेजों में औसतन 600 स्टूडेंट हैं। तीन कालेजों में करीब 1800। बीते चार साल में यह वसूली तीन अरब से ज्यादा होती है। आयोग ने छात्रों को पैसे लौटाने का आदेश दिया है।

- योगेश वल्यानी
सदस्य
फीस विनियामक आयोग

खबर संक्षेप

पीएम वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल का करेंगे उद्घाटन

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छह अप्रैल को रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कई अन्य परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। आधिकारिक कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर भारतीय रेलवे ने नये पंबन पुल का एक प्रचार वीडियो जारी किया।

भाजपा के स्थापना दिवस पर आज कई कार्यक्रम

नई दिल्ली। भाजपा के स्थापना दिवस पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा 6 अप्रैल को दिल्ली में आयोजित कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। वे रविवार को भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के झंडे का ध्वजारोहण करने के साथ-साथ कल दिल्ली में बूथ कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे।

मवेशियों को पानी पिलाने गए बच्चे डूबे

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मवेशियों को पानी पिलाने गए तीन बच्चे तालाब में डूब गए। इनमें दो बहनें व उनका रिश्ते का भाई शामिल है। घटना इसके अनुसार यह हादसा सल्लोपाट थाना इलाके के खूंटा गलिया गांव में शुक्रवार को हुई।

बस्तर पंडुम के कार्यक्रम में शामिल हुए अमित शाह, विष्णुदेव सरकार के प्रयास को शाह ने सराहा

शाह की दो टूक, सरेंडर करो नहीं तो सुरक्षा बल मोर्चा संभालेंगे, अगली चैत्र नवरात्रि तक 'आतंक' समाप्त

नन्हीं अक्षिता को मिला शाह का स्नेह

बस्तर पंडुम-2025 के संभागीय आयोजन में दंतेवाड़ा जिला के गामावाड़ा यायो दंतेश्वरी समूह ने जनजातीय वेशभूषा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिस बच्ची को शाह ने अपने हाथों से पकड़ा है उसका नाम अक्षिता भास्कर उम्र 6वर्ष है। वह दल प्रमुख ▶▶| शेष पेज 7 पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीधे नक्सलवाद पर प्रहार करते कहा कि आज मैं मां दंतेश्वरी से आशीर्वाद लेने आया हूं। अगले चैत्र नवरात्रि तक यहां से लाल आतंक समाप्त हो जाए और हमारा बस्तर खुशहाल हो जाए। कोई भी नक्सली मारा जाता है तो किसी को आनंद नहीं होता है, लेकिन इस क्षेत्र को विकास चाहिए। उन्होंने नक्सलियों से मुख्य धारा में जुड़ने का आह्वान किया और कहा कि आप हमारे अपने हैं। मेन स्ट्रीम में लौट आए तो ठीक, नहीं तो सुरक्षा बल मोर्चा संभालेंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

खास खबर

बस्तर पंडुम के संभागीय कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि पचास साल में जो विकास नहीं हुआ, वह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन पांच साल में इस बस्तर को सब कुछ देना चाहते हैं, लेकिन यह तभी हो सकता है, जब बस्तर के अंदर शांति हो, बच्चे स्कूल जाएं, माताओं की स्वास्थ्य की चिंता हो, आदिवासी युवा कुपोषण से पीड़ित न हो, पढ़ाई-लिखाई से वंचित न हो, तहसील में छोटा सा अस्पताल हो, जिला केंद्र में हर रोग का इलाज हो और हर घर तक सात किलो चावल मुफ्त में पहुंचे। शाह ने कहा कि किसी से डरने की जरूरत नहीं है। आपकी पूरी सुरक्षा भाजपा की डबल इंजन की सरकार करेगी। मोदी जी के राज में किसी को डरने की ▶▶| शेष पेज 7 पर

86 नक्सलियों ने छोड़ा हिंसा का रास्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/कोंटा

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के एक दिवसीय बस्तर प्रवास का असर पड़ोसी राज्य तेलगांना में दिखाई दिया। बीजापुर जिले के पामेड़, उसूर व पुजारी कांकेर इलाके में सक्रिय 66 पुरुष और 20 महिला माओवादियों ने तेलगांना स्टेट के भद्राद्री कोठागुडेम में आईजी के समक्ष हिंसा छोड़ते हुए मुख्यधारा में शामिल हो गए। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच नक्सल मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है।

बीजापुर जिले में सक्रिय सेण्ट्रल कमेटी मेंबर के प्रोटेक्शन कमाण्डर 5 लाख के ईनामी मुचाकी सोमदल उर्फ नरेश समेत 86 नक्सलियों ने तेलंगाना स्टेट के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में ▶▶| शेष पेज 7 पर

केंद्रीय गृहमंत्री ने राजधानी में ली बैठक

डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद के समूल नाश में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही : शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वामपंथी उग्रवाद की स्थिति पर विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद के समूल नाश में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च से पहले ही छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में नक्सलवाद एक इतिहास बन जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद के कारण कई पीढ़ियां बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद फिर से जड़ न जमा पाए इसलिए इसका समूल नाश आवश्यक है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि नक्सलियों के खिलाफ जारी लड़ाई को scattered नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि एक राज्य से दूसरे राज्य में भाग रहे नक्सलियों को पकड़ने के ▶▶| शेष पेज 7 पर

आरटीआई में जानकारी नहीं देने वाले 2493 अफसरों पर चार करोड़ का जुर्माना, वसूली केवल 42 लाख

हरिभूमि न्यूज:मनेन्द्रगढ़

राज्य सूचना आयोग ने 1 जनवरी 2020 से 21 फरवरी 2025 तक सूचना के अधिकार के तहत जानकारी नहीं देने वाले 2493 जन सूचना अधिकारियों पर 4 करोड़ से अधिक का जुर्माना किया है। इनमें से मात्र 286 अधिकारियों से 42 लाख की वसूली हो पाई है बाकी 2207 अधिकारियों से 5 वर्षों में 4.39 करोड़ रुपए की वसूली नहीं हो पाई है।

जानकारी के अनुसार मनेंद्रगढ़ निवासी आरटीआई कार्यकर्ता अशोक श्रीवास्तव ने सूचना के अधिकार के तहत राज्य सूचना ▶▶| शेष पेज 7 पर

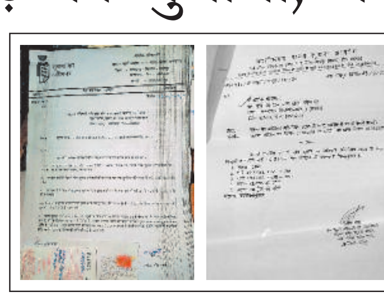

प्रशासन की विफलता

जिस कानून को भ्रष्टाचार के खिलाफ हथियार माना जाता है, उसे खुद अधिकारी मजाक बना रहे हैं। और सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि राज्य सूचना आयोग के आदेश की भी खुलेआम अवहेलना की जा रही है। इस मामले में सरकार की जवाबदेही सीधे-सीधे बनती है। जुर्माने की वसूली का आदेश राज्य सूचना आयोग ने पारित किया था और उसे लागू ▶▶| शेष पेज 7 पर

जिम्मेदार अफसरों ने नहीं ली जिम्मेदारी

राज्य सूचना आयोग ने बार-बार पत्र लिखकर जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों, विभाग प्रमुखों, और यहां तक कि सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव तक को इस संबंध में सूचित किया, लेकिन यह पत्र सिर्फ सरकारी फाइलों में धूल खाते रहा। जिन अफसरों पर वसूली की जिम्मेदारी थी, उन्होंने अपनी जवाबदेही से या तो मुंह मोड़ लिया या फिर जानबूझकर टालमटोल करते रहे। सूचना का अधिकार अधिनियम केवल जानकारी मांगने का नहीं, बल्कि "जवाबदेही तय करने" का कानून है। जब ▶▶| शेष पेज 7 पर

उठने लगे सवाल

- क्या सरकार जानबूझकर इन वसूली मामलों को टाल रही है?
- क्या राज्य सूचना आयोग के आदेश का कोई मतलब नहीं?
- क्या अफसरशाही इस कानून को अपनी मर्जी से चलाना चाहती है?

राज्य गठन के बाद खनिज राजस्व 30 गुना बढ़ा, इस वर्ष 11 फीसदी

देश में छत्तीसगढ़ की भागीदारी 16 फीसदी

खनिज प्रबंधन में ई-नीलामी और डिजिटल निगरानी का असर, रिकार्ड राजस्व मिला, दंतेवाड़ा रहा टॉप पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

ई-नीलामी, डिजिटल निगरानी और प्रशासनिक दक्षता से किए गए खनिज प्रबंधन में पारदर्शिता का नया दौर प्रारंभ हुआ है। उसी का नतीजा है कि खनिज राजस्व प्राप्ति में नया कीर्तिमान बना। प्रदेश को 14 हजार 195 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। यह बीते वित्तीय वर्ष की तुलना में 1400 करोड़ रुपए अधिक हैं। अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खनिज नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का निर्देश दिया था जिसे खनिज विभाग सचिव पी दयानंद ने अमलीजामा पहनाया। उल्लेखनीय है ▶▶| शेष पेज 7 पर

सीएम के दिशा-निर्देश का नतीजा

मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री के तौर विष्णु देव साय ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि खनिज क्षेत्र में भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी कार्य संस्कृति विकसित की जाए। इसी दिशा-निर्देश के अनुसार कार्य करने का ही नतीजा है कि खनिज राजस्व में रिकार्ड वृद्धि दर्ज हुई है।

-पी. दयानंद, मुख्यमंत्री के सचिव

देश में छत्तीसगढ़ की भागीदारी 16 फीसदी

देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की मात्र 4 प्रतिशत की हिस्सेदारी होते हुए भी छत्तीसगढ़ का देश के कुल खनिज उत्पादन मूल्य में 16 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है। यहां मुख्य रूप से लौह अयस्क, कोयला, चूना पत्थर और बाक्साइट के विशाल भंडार हैं, जो खनिज राजस्व के प्रमुख स्रोत हैं। अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी की जा चुकी है, जिसमें अब तक चूना पत्थर के 14, लौह अयस्क के 9, बॉक्साइट के 11, स्वर्ण के 3, ▶▶| शेष पेज 7 पर

लिथियम नीलामी में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक उपलब्धि

छत्तीसगढ़ ने देश में पहली बार लिथियम ब्लॉक की सफल नीलामी कर इतिहास रच दिया है। कोरबा जिले के कटघोरा लिथियम ब्लॉक की नीलामी में मेसर्स साउथ मायकी माइनिंग कंपनी द्वारा 76 प्रतिशत प्रीमियम राशि की बोली लगाकर इसे हासिल किया गया। इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ को लिथियम ब्लॉक का सफलता पूर्वक निलामी करने वाला देश का पहला राज्य बना दिया है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

पूजा-अर्चना

मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चन, खुशहाली की कामना

दंतेवाड़ा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ बस्तर अंचल की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण देव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

पिकअप पलटी, 20 घायल 3 की हालत गंभीर

नकुलनार। दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम के समापन समारोह में शामिल होने जा रहे ग्रामीणों की वाहन दुर्घटना का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि वे दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम के समापन में गृहमंत्री अमित शाह की सभा को सुनने कुआकोंडा थानाक्षेत्र के पोटाली और समेली गांव के ग्रामीण पिकअप में बैठकर दंतेवाड़ा जा रहे थे। पिकअप ड्राइवर की लापरवाही के चलते पालनार चौक में वाहन बीच सड़क में अनियंत्रित होकर पलट गई। जिस वक्त यह हादसा हुआ, वाहन में महिला, पुरुष और बच्चे मिलाकर लगभग 20 लोग सवार थे। हादसे की चपेट में आने से सभी लोग घायल हो गए। घायलों में 3 ग्रामीणों की हालत गंभीर है, जिनका इलाज दंतेवाड़ा जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज डिमरापाल हो रहा है।

किसान ने लगाया आरोप, अवैध कब्जा का विरोध करने पर राइस मिलर्स और साथियों ने जमकर पीटा

विवाद के बाद राइस मिल की जमीन नापने पहुंचे रेवेन्यू अफसर, गांव में तनाव का महौल

बलौदा बाजार के ग्राम खिलौरा में मौजूद एक राइस मिल की जमीन मापने के लिए राजस्व विभाग की टीम पहुंची। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले एक किसान ने शासकीय भूमि पर राइस मिल का कब्जा किए जाने के बात कही थी, जिसके बाद यहां विवाद और मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदा बाजार/ हथबंद

ग्राम खिलोरा में निर्माणाधीन राइस मिल संचालक व उसके कर्मचारियों द्वारा एक व्यक्ति की पिटाई किए जाने संबंधी घटना को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित सूचना को प्रशासन द्वारा गंभीरता से लिया गया है। जिसके आधार पर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर राइस मिल का निर्माण कराए जाने की जांच कराई जा रही है। इस बारे में सिमगा के अनुविभगीय अधिकारी राजस्व अंशुल वर्मा द्वारा बताया गया है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर राइस मिल संचालक के द्वारा निर्माण कार्य करने की जांच के लिए तहसीलदार अनिरुद्ध मिश्रा के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी को शामिल कर एक टीम गठित की गई है, जो शनिवार दोपहर करीब 3:00 बजे मौका स्थल पर पहुंचकर जांच कर रही है।

मामले की शिकायत

पुलिस जाने के बाद परिवार के लोगों ने पीड़ित को तिल्दा मिशन अस्पताल में भर्ती कर इलाज करवा कर अपने घर लौटे। इसके साथ ही थाना हथबंद को लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। वहीं पीड़ित परिवार से चोरी के इल्जाम पर पूछे जाने पर कहा कि रौनक अग्रवाल राइस मिल जहां बन रही है, उसमें शासकीय जमीन को कब्जा करने की बात को ग्राम वाले के सामने रखकर विरोध किया, जिसकी वजह से मारपीट हुई है।

चोरी का आरोप झूठा है

प्रार्थी पर लगाए चोरी का आरोप झूठा है। आरोपी जल्द ही पकड़े जाएंगे, उचित कार्रवाई कर पीड़ित को न्याय मिलेगा। आरोपी अभी फरार है।

- हरिप सोना, सहायक उप निरीक्षक, हथबंद थाना

ऐसा हुआ विवाद

विकासखंड सिमगा अंतर्गत ग्राम पंचायत खिलोरा में बीते दिनों सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि 55 वर्षीय बुजुर्ग खोरबाहरा जायसवाल को चोरी के इल्जाम में तीन से चार व्यक्तियों ने अमानवीय तरीके से लात घुसे, चप्पल एवं डंडा से मारपीट की। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वीडियो में फोन के माध्यम से रौनक अग्रवाल ने खुद ही हथबंद पुलिस को झूठी, जानकारी चोरी के साथ गुमराह करते हुए संबंधित हथबंद थाना को जानकारी दी। जहां हथबंद पुलिस तत्परता के साथ जानकारी लेने घटना स्थल पहुंची, किंतु चोरी करने घुसे खोरबाहरा जायसवाल को बिना कुछ पूछताछ किए वापस चले गए।

मुर्गे की बलि, कटे नीबू छोड़कर युवक हुए फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

मकान के बाहर देर रात अज्ञात बदमाशों ने मुर्गे की बलि देकर फेंकने का मामला सामने आया है। इसके अलावा कटे नींबू में सुई चुभोकर, सफेद कपड़े पर सिंदूर और काली चूड़ियां फेंककर जाते दो युवक सीसी कैमरे में कैद हो गए है। जानकारी के मुताबिक कैंप-1 सुंदर नगर निवासी एस नरेश के यहां 5 अप्रैल को घर के बहार तंत्र-मंत्र करना बताया जा रहा है। सुबह 4 बजे जब एस. नरेश ने अपने कमरे से बाहर निकलने को लेकर दरवाजा खोला तो सामने मुर्गे की बलि के साथ-साथ कटे नीबू पड़े हुए थे। जिसे देखकर परिवार सहम गया है। इस घटना को देखने के बाद घर का दरवाजा बंद कर लिया। साथ ही पूरा परिवार दहशत में आ गया। नरेश ने पत्नी रामलुमा को बाहर जाने से मना किया। बेटा एस बाला राजू को घटना की फोन कर जानकारी दी।

मकान में लगाई आग

छावनी पुलिस ने बताया कि सुंदर नगर केम्प 1 निवासी नंद कुमार यादव ने थाने में शिकायत की है कि शुक्रवार की रात 2 बजे अज्ञात युवकों द्वारा घर में आग लगाकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 326 (जी) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

जांच में जुटी पुलिस

मकान में आगजनी की घटना की शिकायत मिली थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीसी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। उसमें जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

चेतन चंद्राकर, प्रभारी, छावनी थाना

रायपुर
रविवार, 6 अप्रैल 2025
चैत्र शुक्ल पक्ष नवमीं
वर्ष : 23, अंक : 258
पृष्ठ : 14+8 = 22 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 40.0
न्यून. 24.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

भारतमाला में गड़बड़ी की हरिभूमि को मिली रिपोर्ट, जानिए कैसे हुआ अधिसूचना के बाद भी नामांतरण, रजिस्ट्री का खेल

गौरव शर्मा ▶▶| रायपुर

अलग खबर

भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरीडोर में गड़बड़ी की विस्तृत रिपोर्ट हरिभूमि को मिली है। राज्य सरकार द्वारा लगभग 500 पन्नों में तैयार की गई रिपोर्ट और जांच प्रतिवेदनों में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि जनवरी 2020 में अधिसूचना प्रकाशन के बाद भी नाम ट्रांसफर और रजिस्ट्री का खेल चला। पहले तो अफसरों ने प्रोजेक्ट की जद में आने वाली जमीनों की जानकारी भूमाफियाओं तक पहुंचाई। फिर बैक डेट में नामांतरण और रजिस्ट्री का खेल चला।

रिपोर्ट के अनुसार अभनपुर के जिन 6 गांवों में मुआवजा भुगतान में गड़बड़ी की गई, वहां खसरे में दर्ज भूमि का उपयोग परिवर्तित किए जाने की विस्तृत जानकारी रिपोर्ट में है। रिपोर्ट के अध्ययन से यह भी पता चलता है किस तरह भूमाफियाओं ने खसरों के टुकड़े कर करोड़ों रुपए के मुआवजा का खेल कर दिया। सिर्फ अभनपुर में ही 7 करोड़ 65 लाख 30 हजार 692 रुपए के स्थान पर 49 करोड़ 39 लाख 40 हजार 464 रुपए का मुआवजा वितरित कर दिया गया। इस संबंध में जांच प्रतिवेदन राज्य सरकार को ▶▶|शेष पेज 7 पर

500 पन्नों की रिपोर्ट में एक-एक खसरे के टूटने की जानकारी

भारतमाला...बड़ा घोटाला, विस में गूंजा
एसडीएम के बाद अब तहसीलदार सस्पेंड

- सर्वे शुरु होते ही भूमाफियाओं ने अफसरों के साथ रची साजिश
- बैक डेट में हुए नामांतरण, रजिस्ट्री से मुआवजे में लगाया चूना

जिन पर थी जिम्मेदारी वही बने जयचंद

हरिभूमि को मिले रिपोर्ट से पता चलता है मुआवजा घोटाला में तत्कालीन भू अर्जन अधिकारी से लेकर अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी की भी संलिप्तता रही। खास बात यह है कि जिन अफसरों पर भू अर्जन की जिम्मेदारी थी, वही जमीनों की डिटेल भूमाफियाओं तक पहुंचाने में मददगार बने। इस मामले में कुछ अफसरों को निलंबित कर दिया गया है। जबकि कई अफसरों पर जांच की आंच तेज हो गई है।

हर खसरे की डिटेल रिपोर्ट

हरिभूमि को मिली 500 पन्नों की रिपोर्ट में 6 गांवों में 246 करोड़ के मुआवजा राशि के तमाम खातेदारों की विस्तृत जानकारी है। इस बात का भी उल्लेख है कि किस तरह एक खसरे के 8 से 10 टुकड़े कर मुआवजा राशि को 5 से 8 गुणा तक बढ़ा दिया गया। इस तरह शासन को अरबों का चूना लगाया गया। एक खसरे को कई टुकड़ों में बांटने का सबसे ज्यादा खेल नायकबांधा में हुआ। यहां 13 मूल खातेदारों के खसरे के 54 टुकड़े कर करोड़ों का मुआवजा हासिल किया गया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

चारधाम यात्रा मार्ग पर होंगे 6000 जवान

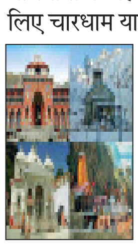

देहरादून। उत्तराखंड के चार प्रसिद्ध हिमालयी मंदिरों की वार्षिक तीर्थयात्रा के बेहतर प्रबंधन के लिए चारधाम यात्रा मार्ग को 15 सुपर जोन, 41 जोन और 137 सेक्टर में बांटा गया है। गढ़वाल के आईजी राजीव स्वरूप ने कहा कि सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था की निगरानी के लिए मार्ग पर 6,000 जवान तैनात किए जाएंगे।

1500 किग्रा चूरा पोस्त बरामद, चार गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब के बरनाला से 1,500 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस प्रमुख गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बरनाला पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 1,500 किग्रा चूरा पोस्त बरामद किया।

खड़े ट्रक से टकराई मिनी बस, पांच की मौत

कलबुर्गी। कर्नाटक में कलबुर्गी जिले के जेवर्गी तालुक में नेलोगी क्रॉस के पास मिनी बस के खड़े ट्रक से कथित तौर पर टकरा जाने से 13 वर्षीय एक किशोरी समेत पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई अन्य घायल हो गए। सभी यात्री बगलकोट के रहने वाले थे। वे कलबुर्गी जिले में एक दरगाह जा रहे थे।

कनाडा में भारतीय की चाकू घोंपकर हत्या

ओटावा। कनाडा के ओटावा शहर के निकट एक भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। उच्चायोग ने कहा ओटावा के निकट रॉकलैंड में चाकू घोंपकर एक भारतीय नागरिक की हत्या किए जाने की घटना से हम बहुत दुखी हैं।

हावड़ा स्टेशन से पकड़ा गया हथियारों का तस्कर

कोलकाता। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने हावड़ा रेलवे स्टेशन से एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया। वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले का रहने वाला है और चेन्नई भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने उसके पास से एक देसी पिस्टल, एक मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

लोकसभा-राज्यसभा के बाद राष्ट्रपति की मुहर, कई शहरों में जश्न

वक्फ बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) बिल-2025 को शनिवार को अपनी मंजूरी दे दी जिसे इसी सप्ताह संसद ने पारित किया था। मुर्मू ने मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक-2025 को भी अपनी मंजूरी दे दी। सरकार ने एक अधिसूचना में कहा, संसद के निम्नलिखित अधिनियम को पांच अप्रैल, 2025 को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई, तथा इसे सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है : वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025। संसद ने शुक्रवार तड़के इस विधेयक को मंजूरी दे दी, जब 13 घंटे से अधिक समय तक चली बहस के बाद राज्यसभा ने इस विवादास्पद विधेयक को मंजूरी दे दी। चर्चा में विपक्षी दलों की ओर से कड़ी आपत्तियां व्यक्त की गईं, जिन्होंने विधेयक को 'मुस्लिम विरोधी' और 'असंवैधानिक' करार दिया, जबकि सरकार ने जवाब दिया कि इस 'ऐतिहासिक सुधार' से अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ होगा। राज्यसभा ने वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधानों वाले वक्फ संशोधन विधेयक, 2025 को लंबी चर्चा के बाद 95 के मुकाबले 128 मतों से मंजूरी दे दी थी। इस विधेयक के बारे में सरकार ने दावा किया कि इसके कारण देश के गरीब एवं पसमांदा मुसलमानों एवं इस समुदाय की महिलाओं की स्थिति में सुधाार लाने में काफी मदद मिलेगी। इसे बृहस्पतिवार को लोकसभा में पारित कर दिया गया, जिसमें 288 सदस्यों ने इसका समर्थन किया तथा 232 सदस्यों ने इसका विरोध किया। संसद ने मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक को भी मंजूरी दे दी है, जिसे राज्यसभा ने भी मंजूरी दे दी है।

- सुप्रीम कोर्ट में अब तक चार याचिकाएं दायर की गईं
- देश के कई शहरों में खुशी, कुछ जगहों पर विरोध प्रदर्शन

वक्फ (संशोधन) बिल-2025 पर राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी। इसके साथ ही नया वक्फ कानून अस्तित्व में आ गया। इधर, वक्फ संशोधन बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का सिलसिला शुरू हो गया है। एआईएमआईएम और कांग्रेस के बाद अब आम आदमी पार्टी एवं राष्ट्रीय जनता दल ने भी वक्फ संशोधन बिल के विरोध में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इसके अलावा एक एनजीओ ने भी याचिका दायर की है।

वक्फ बोर्ड के खिलाफ अब तक चार अर्जी

- कांग्रेस नेता मोहम्मद जावेद
- एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी
- आप विधायक अमानतुल्लाह खान
- एसोसिएशन फॉर द प्रोटैक्शन ऑफ सिविल राइट्स

दोनों सदनों की मिल गई थी मंजूरी

राज्यसभा में 128 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में जबकि 95 ने विरोध में मतदान किया, जिसके बाद इसे पारित कर दिया गया। लोकसभा ने तीन अप्रैल को विधेयक को मंजूरी दे दी थी। लोकसभा में 288 सदस्यों ने विधेयक का समर्थन, जबकि 232 ने विरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट की शरण में आप

आप विधायक अमानतुल्लाह खान ने वक्फ (संशोधन) बिल, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। खान ने अपनी याचिका में अनुरोध किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद का उल्लंघन करने वाला घोषित किया जाए और इसे रद्द करने का निर्देश दिया जाए। खान ने अपनी याचिका में कहा, यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

एनजीओ ने भी दी चुनौती

एनजीओ एसोसिएशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स' ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। अदील अहमद के जरिए अपनी याचिका में इसने कहा, यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 25, 26 और 300ए का सीधे तौर पर उल्लंघन करता है, साथ ही प्रस्तावना के उन मूल्यों का भी उल्लंघन करता है जो हमारे लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष ढांचे का आधार हैं। प्रस्तावित व्यापक बदलाव न केवल अनावश्यक है।

तेजस्वी बोले- हमारी सरकार बनी तो कचरे में फेंक देंगे

पटना में तेजस्वी यादव ने वक्फ बोर्ड बिल मुद्दे पर प्रेस वार्ता की, जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर बिहार में हमारी सरकार बनी तो इस बिल को कचरे के डब्बे में फेंक देंगे। वक्फ की लड़ाई सदन, सड़क और न्यायालय तक जाएगी। आरजेडी ने लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ बोर्ड को लेकर कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने जिस तरह आरक्षण की लड़ाई के लिए सड़क से सदन तक आवाज उठाई कोर्ट तक गए, उसी तरह वक्फ बोर्ड को लेकर मुसलमान के साथ जो अन्याय हो रहा है, इसे लेकर आज शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीम कोर्ट गई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे सांसदों ने इस विधेयक के अगेंस्ट में वोट किया। हम लोगों का मानना है यह असंवैधानिक बिल है। आर्टिकल 26 जो हमारे संविधान में है, उसका यह उल्लंघन करता है। ध्रुवीकरण की राजनीति बीजेपी के लोग कर रहे हैं. ये लोग देश को बांटना चाहते हैं, जो असल मुद्दे हैं महंगाई का, पलायन का, देश की आर्थिक स्थिति का उससे भटका रहे हैं। यह लोग इस मुद्दे से भटकाकर अपनी राजनीतिक रोटी सेक रहे हैं।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

एएसआई को 10 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

- डीजल चोरी का आरोप लगाकर पीड़ित से 50 हजार की मांग की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

हरदीबाजार थाने में पदस्थ एक एएसआई को एसीबी की टीम ने 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एएसआई बोलेरो वाहन मालिक को डीजल चोरी के झूठे आरोप में फंसाने की धमकी देकर 50 हजार रुपए की मांग कर रहा था। जिसकी शिकायत वाहन स्वामी ने बिलासपुर एसीबी की टीम से की थी। जिसके बाद एसीबी की टीम ने एएसआई को रिश्वत लेते धरदबोचा।

सूत्रों के मुताबिक पंचराम चौहान निवासी केसला द्वारा एसीबी बिलासपुर में लिखित शिकायत की गई थी कि उसके पास एक बोलेरो वाहन है। कुछ दिन पहले थाना हरदीबाजार में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक मनोज मिश्रा रात करीब 1 बजे उनके केसला गांव स्थित घर पर आया था और बोला कि तुम्हारी बोलेरो गाड़ी से डीजल चोरी का कार्य होता है। गाड़ी को थाने ले चलो जिस पर वह गाड़ी को लेकर थाने के लिए निकला था जो बीच रास्ते में मनोज मिश्रा द्वारा गाड़ी को कार्यवाही से बचाने के एवज में 50 हजार रुपए की मांग की गई। पंचराम द्वारा उतना पैसा देने की क्षमता न होना बोलने ▶▶|शेष पेज 7 पर

थाना परिसर में पकड़ा गया एएसआई

शनिवार को पंचराम को मनोज मिश्रा सहायक उप निरीक्षक के पास मांगी गई रिश्वत रकम में से 10 हजार रुपए को देने के लिए भेजा गया। थाना कोतवाली के परिसर में पंचराम से रिश्वत की रकम 10 हजार रुपए को लेते हुए मनोज मिश्रा को एसीबी की टीम द्वारा रिश्वत रकम सहित पकड़ लिया। सहायक उप निरीक्षक मनोज मिश्रा के विरुद्ध धारा 7 पीसी एक्ट 1988 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

मनोज कुमार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

- तीन बंदूकों की दी गई सलामी
- बॉलीवुड सहित नामचीन हस्तियां रहीं मौजूद
- बेटे कुणाल गोस्वामी ने दी मुखाग्नि

मुंबई। 'उपकार' और 'क्रांति' जैसी फिल्मों में देशभक्त नायक की भूमिका निभाकर 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर हुए अभिनेता मनोज कुमार का शनिवार को यहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उपनगरीय जुहू स्थित पवन हंस श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के वक्त अमिताभ बच्चन और सलीम खान सहित मनोरंजन जगत की प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। अंतिम संस्कार के वक्त उन्हें तीन बंदूकों की सलामी भी दी गई। अंतिम संस्कार करीब 11:30 बजे शुरू हुआ।

'भारत कुमार' के रूप में पहचान

मनोज कुमार को शहीद, उपकार, पूरब और पश्चिम तथा रोटी, कपड़ा और मकान जैसी देशभक्ति फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए उन्हें 'भारत कुमार' के रूप में जाना जाता था।

पीएम मोदी को श्रीलंका का मित्र विभूषण सम्मान

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए एक ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को एक प्रमुख रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है और एक दूसरे पर निर्भर है। इससे पहले, श्रीलंका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'मित्र विभूषण' से सम्मानित भी किया। यह श्रीलंका का ऐसा सम्मान है जिसे उन देशों के राष्ट्रध्यक्ष को दिया जाता है, जिनके श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध हैं। प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के ▶▶|शेष पेज 7 पर

भारत और श्रीलंका के बीच हुए सात समझौते

इन पर हुए समझौते

- रक्षा सहयोग समझौता
- ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग
- डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन
- सोलर पावर प्रोजेक्ट
- स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग
- फार्मास्युटिकल सहयोग
- सांस्कृतिक और धार्मिक जीर्णोद्धार

मछुआरों की रिहाई की मांग

पीएम मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच द्विपक्षीय बातचीत हुई। इस दौरान मोदी ने भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी पर चर्चा की। मोदी ने कहा कि यह मछुआरों की आजीविका का मुद्दा है। हमने मछुआरों को तुरंत रिहा करने और उनकी नावों को छोड़ने पर बात की है। हम सहमत हैं कि हमें इस मामले में इंसानियत के साथ आगे बढ़ना चाहिए। तमिल मुद्दे पर मोदी ने कहा कि उन्हें यकीन है कि श्रीलंका सरकार तमिलों की उम्मीदों को पूरा करेगी और श्रीलंका के संविधान के तहत मिले पूरे अधिकारों को लागू करेगी।

खूंखार नक्सल लीडर प्रभाकर के दो सहयोगी पुलिस के हत्थे चढ़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

नक्सली को प्रश्रय देने और सहयोग करने वाले कोयलीबेड़ा क्षेत्र के 2 व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। डीएसपी डीआरजी अविनाश ठाकुर के नेतृत्व में थाना कोरर के अपराध 108/2015 धारा 147, 148, 149, 307, 212 के तहत 25, 27, आर्म्स एक्ट, 38 (2), 39 (2), 19 विधि विरुद्ध क्रिया कलाप निवारण अधिनियम के मामले के मुख्य नक्सली आरोपीगण प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के उत्तर बस्तर डिविजन के बड़े कैडर के नक्सली कमांडर प्रभाकर उर्फ बालमुरी नारायण राव, राजे कांगे उर्फ निर्मला उर्फ मालती व अन्य नक्सली आरोपियों को माह दिसंबर 2024 में अपने घर में छिपाकर रुकवाकर प्रश्रय देकर, आस-पास क्षेत्र में अपने वाहनों में बैठाकर छिपाकर शहर और गांव लाने ले जाने, दैनिक कार्य, खाने-पीने की सम्पूर्ण व्यवस्था करने वाले नक्सली सहयोगी रमेश कुमार कुमेटी पिता छत्तर सिंह (55), निवासी कड़में व चिन्तु ताम्रकार पिता हिरासिंह (36), निवासी कड़में को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया है। आरोपी कमांडर प्रभाकर के साथ डकैती व हत्या की घटनाओं में भी शामिल रहे हैं।

रमेश कुमेटी | चिंटू ताम्रकार

ट्रंप टैरिफ के बाद टाटा ने किया ऐलान

जगुआर लैंड रोवर अमेरिका में नहीं होगा एक्सपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 26फीसदी के रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर नाराजगी है। ऐसे में टाटा कंपनी ने बड़ा फैसला लिया है। टाटा मोटर्स लिमिटेड की लक्जरी व्हीकल सब्सिडियरी जगुआर लैंड रोवर ने विदेशी ऑटोमोबाइल पर नए अमेरिकी टैरिफ के जवाब में इस अप्रैल में अमेरिका के लिए शिपमेंट को अस्थायी रूप से रोक दिया है। टाटा मोटर्स लिमिटेड का यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 2 अप्रैल को सभी इंपोर्टेड फुली ▶▶|शेष पेज 7 पर

अमेरिका में जगुआर लैंड रोवर कार की भारी मांग

जगुआर लैंड रोवर की गाड़ियों की मांग अमेरिका में बहुत ज्यादा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले कुछ सालों में ब्रांड की बिक्री में काफी बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने अमेरिका में वित्त वर्ष 2024 में 22% की वृद्धि के साथ 4,31,733 गाड़ियां बेची हैं।

ट्रंप ने अपने ही लोगों को चेताया : अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ही लोगों को चेताया है। उन्होंने अमेरिका के लोगों को भविष्य में होने वाली परेशानियों को जिक्र करते हुए कहा कि हम पहले बहुत मजबूर थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। ट्रंप ने कहा कि यह आसान नहीं होगा, लेकिन इसके अंतिम परिणाम ऐतिहासिक होंगे।

एक्सपोर्ट 8.9 मिलियन डॉलर

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, 2024 में अमेरिका को भारत का कार एक्सपोर्ट सिर्फ 8.9 मिलियन डॉलर था, जो देश के कुल ऑटोमोबाइल एक्सपोर्ट का मात्र 0.13 फीसदी था, जो 6.98 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। हालांकि वित्त वर्ष 2024 में जेएलआर ने अपने रेवेन्यू का 23 फीसदी और होलसेल वॉल्यूम का 26 फीसदी अमेरिका से प्राप्त किया। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त नौ महीनों में यह हिस्सा बढ़कर 33 फीसदी हो गया है। शुक्रवार को टाटा मोटर्स का शेयर 5.94 फीसदी की गिरावट के साथ 615.10 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 38.92 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है।

ऐसा रहस्यमयी किला जहां सूर्यास्त के बाद जो भी गया वो वापस नहीं लौटा वापस

नई दिल्ली। राजस्थान की धरती पर कई ऐतिहासिक किले और महल स्थित हैं, जो अपनी भव्यता और रहस्य से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं लेकिन इनमें से एक किला ऐसा भी है जो अपने ऐतिहासिक महत्व के साथ-साथ अपनी भूतिया कहानियों के लिए प्रसिद्ध है। यह किला है भानगढ़ किला, जिसे भारत का सबसे डरावना और प्रेतवाधित किला माना जाता है। भानगढ़ किला अपनी रहस्यमयी घटनाओं और अतीत की दिलचस्प कहानियों के कारण रोमांच प्रेमियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है।

भानगढ़ किले का इतिहास

भानगढ़ किला राजस्थान के अलवर जिले में स्थित है। इसका निर्माण 16वीं शताब्दी में आमेर के राजा भगवंत दास ने अपने पुत्र माधो सिंह के लिए करवाया था। यह किला कभी एक समृद्ध नगर था, जहाँ राजा-महाराजाओं का वास था। लेकिन समय के साथ इस नगर का पतन हो गया और अब यह एक खंडहर में तब्दील हो चुका है। इस किले के इतिहास से जुड़ी कई रहस्यमयी कहानियाँ हैं, जिनकी वजह से इसे एक भूतिया किले के रूप में जाना जाता है।

भानगढ़ किले से जुड़ी रहस्यमयी कहानियाँ

भानगढ़ किले से जुड़ी सबसे प्रसिद्ध कहानी राजकुमारी रत्नावती और एक तांत्रिक की है। कहा जाता है कि राजकुमारी रत्नावती अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध थीं। एक तांत्रिक उनसे प्रेम करता था और उसने एक जादुई तेल बनाकर राजकुमारी को वश में करने की कोशिश की। राजकुमारी को उसकी चाल समझ आ गई और उन्होंने उस जादुई तेल को एक पत्थर पर डाल दिया। कहा जाता है कि वह पत्थर लुढ़कता हुआ तांत्रिक के पास जा पहुँचा और उसकी मृत्यु हो गई।

रहस्यमयी आवाज़ें और परछाइयाँ

कई पर्यटक और स्थानीय लोग बताते हैं कि किले के अंदर अजीबोगरीब आवाज़ें सुनाई देती हैं। कभी किसी महिला की चीखने की आवाज़ आती है, तो कभी किसी के चलने की आहट महसूस होती है। कई बार यहाँ लोगों ने रहस्यमयी परछाइयाँ भी देखी हैं।

रात में प्रवेश निषेध : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा इस किले को रात में बंद कर दिया जाता है और सूरज ढलने के बाद यहाँ किसी को भी रुकने की अनुमति नहीं होती। कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति रात के समय इस किले में गया, वह कभी लौटकर नहीं आया।

रोचक खबरें

पुलिस स्टेशन में अफसर के कंधे पर बैठकर जुएं बीनते नजर आया बंदर

नई दिल्ली। आए दिन सोशल मीडिया पर बंदरों से जुड़े एक से बढ़कर एक अनोखे वीडियो शेयर किए जा रहे हैं, जिन्हें देखकर कई बार पेट पकड़कर हंसने को मजबूर हो जाते हैं। हाल ही में एक ऐसा ही वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है, जिसमें एक नटखट बंद पुलिस स्टेशन में इंस्पेक्टर के सिर से जूं निकालता नजर आ रहा है। वीडियो में बंदर इतनी तेजी से जूं निकाल रहा है, जिसे देखकर लोग मौज लेते हुए कह रहे हैं कि, ऐसा लग रहा है जैसे ये मार्च एंड का टारगेट पूरा कर रहा है। बता दें कि, सरकारी नौकरी हो या प्राइवेट नौकरी, दोनों में साल की शुरुआत में जिस टारगेट के साथ कार्य शुरू किए जाते हैं उन्हें मार्च में खत्म करने होते हैं, जिसे मार्च एंड के नाम से जाना जाता है। नौकरी करने वाले लोग जानते हैं, कि इस समय का कितना प्रेशर होता है। इस वीडियो को देखकर उन्हें यही टारगेट टाइम याद आ रहा है। वायरल हो रहे इस वीडियो में देख सकते हैं कि एक इंस्पेक्टर कुर्सी पर बैठ-बैठे कुछ जरूरी पेपर वर्क कर रहे हैं। उनके सिर के ऊपर बैठकर बंदर उनके सिर से जूं निकाल रहा है, वो भी काफी तेजी से। सोशल मीडिया पर जिसने भी ये वीडियो शेयर किया है, उस पर लिखा है कि, 'मार्च क्लोजिंग चल रहा है', जिसका मतलब ये है कि मार्च के महीने का काम खत्म किया जा रहा है।

दशकों तक महिला ने दुर्लभ पत्थर को बना रखा था डोर स्टापर, जब पता चली असली कीमत, उड़ गए होश

रोमानिया। यहां एक महिला ने अनजाने में 3.5 किलोग्राम (7.7 पाउंड) के एम्बर के टुकड़े को दशकों तक दरवाज़े के स्टॉप के रूप में इस्तेमाल किया। दक्षिण-पूर्वी रोमानिया में एक नदी के तल में उसे जो पत्थर मिला था। सालों बाद इस पत्थर को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। ये अब तक मिले सबसे बड़े अखंड एम्बर के टुकड़ों में से एक निकला, जिसकी कीमत लगभग 1.1 मिलियन डॉलर बताई जा रही है यानी कि लगभग 10 करोड़ से ज्यादा। बता दें कि 1991 में महिला के निधन के बाद, उसके रिश्तेदार ने इसके संभावित मूल्य को पहचाना और इसे रोमानियाई राज्य को बेच दिया. क्राको में इतिहास के संग्रहालय के विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि एम्बर की उम्र 38 से 70 मिलियन वर्ष के बीच है. एम्बर, एक जीवाश्म वृक्ष राल है, जो बेशकीमती है और आमतौर पर कोल्टी गांव के आसपास पाया जाता है, जहां 1920 के दशक से खनन होता रहा है। महिला द्वारा खोजे गए एम्बर की पहचान रूमानाइट के रूप में की गई, जो अपने समृद्ध लाल स्वरों के लिए जानी जाने वाली एक किस्म है। एल पैस की एक रिपोर्ट के अनुसार, रोमानियाई अधिकारियों ने इस डली को क्राको (पोलैंड) में इतिहास संग्रहालय के विशेषज्ञों को सौंप दिया, जिसमें अर्ध-कीमती पत्थरों के अध्ययन के लिए समर्पित एक खंड है। पोलिश विशेषज्ञों ने तुरंत एम्बर पत्थर की प्रामाणिकता की पुष्टि की और अनुमान लगाया कि यह 38.5 से 70 मिलियन वर्ष पुराना हो सकता है।

माथे पर 'पीला तिलक', चोंच में भर लेता है 11 लीटर पानी इस देसी पक्षी की खूबियां जानकर रह जाएंगे दंग

नई दिल्ली। झारखंड के साहिबगंज जिले में स्थित उधवा झील में पहली बार दुर्लभ स्पॉट बिल्ड पेलिकन पक्षी देखा गया है। यह दुर्लभ पक्षी वन विभाग के अधिकारियों को उस वक्त नजर आया, जब वे झील का जायजा ले रहे थे। हजारीबाग के पक्षी विशेषज्ञ सत्य प्रकाश के मुताबिक, यह पक्षी विलुप्त होने के कगार पर है और भारत में गुजरात, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में देखा जाता है। सत्य प्रकाश ने इसपर कहा कि उधवा झील दुर्लभ पक्षियों के लिए एक उपयुक्त प्राकृतिक वास बनता जा रहा है। ऐसा पहली बार है, जब उधवा झील में स्पॉट बिल्ड पेलिकन को देखा गया है। इससे पहले यह पक्षी झारखंड में सिर्फ जादूगोड़ा, सिंहभूम में कुछ साल पहले देखा गया था। स्पॉट बिल्ड पेलिकन बत्तख की प्रजाति का है और इसकी चोंच के नीचे एक थैली होती है, जिसकी मदद से यह मछली और दूसरा भोजन खाता है। पेलिकन की गिनती बड़े पक्षियों में होती है। इनकी लंबाई 125 से 150 सेमी (लगभग 49-59 इंच) और पंखों का फैलाव 2.5 मीटर (8.2 फीट) तक होता है। वजन में ये 4 से 6 किलोग्राम तक पाए जाते हैं। इनके पंख ज्यादातर सफेद होते हैं और सिर पर भूरे-काले रंग का मुकुट जैसा बना होता है। साथ ही माथे पर एक अलग पीले रंग का निशान भी होता है। स्पॉट बिल्ड पेलिकन एक मांसाहारी पक्षी है, जो मछली, क्रस्टेशियंस और छोटे जलीय जानवरों को खाता है। मछली पकड़ने के लिए यह अपनी थैलीनुमा चोंच का इस्तेमाल करता है। पेलिकन की चोंच के नीचे बनी थैली में लगभग 11 लीटर (3.4 गैलन) तक पानी समा सकता है।

डॉल्फिन पानी के अंदर लेती है पोटेशियम साइनाइड से भी खतरनाक नशे की डोज और फिर करती है उत्पात

नई दिल्ली। डॉल्फिन... चटकीले रंग और पानी के ऊपर उछलकर कलाबाजी करने वाली इस खास मछली को आपने भी जरूर देखा होगा। करीब 2 मीटर तक लंबी और 20 किलो तक वजनी इस मछली की रफ्तार इतनी तेज होती है कि पलक झपकते ही आंखों के सामने से गायब हो जाती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पानी के अंदर डॉल्फिन नशा भी करती है। चौंकिए मत, लेकिन ये सच है। दरअसल, पानी के अंदर एक विशेष मछली से डॉल्फिन को नशे की डोज मिल जाती है।

डॉल्फिन की डाक्यूमेंट्री से खुलासा

डॉल्फिन मछलियों को लेकर बीबीसी वन की एक डॉक्यूमेंट्री 'डॉल्फिनः स्पाय इन द पॉड' में इस बात का खुलासा हुआ था। इस डॉक्यूमेंट्री में बताया गया था कि समुंद्र के अंदर डॉल्फिन, पफर फिश को धीरे से चबाती है। ऐसा करने से पफर फिश के अंदर मौजूद जहर का थोड़ा सा अंश डॉल्फिन को मिल जाता है और वह नशे में हो जाती है।

खुल गया डॉल्फिन का बड़ा सीक्रेट, छिपे हुए कैमरों ने पकड़ी सारी हरकत

नशा निकालने के लिए दिमाग का इस्तेमाल

डॉल्फिन की गिनती बुद्धिमान जीवों में होती है और ये नशे के लिए अपने दिमाग का भरपूर इस्तेमाल करती हैं। पफर फिश ऐसी मछली है, जो गुस्से में आने पर अपने अंदर मौजूद जहर को छोड़ती है। डॉल्फिन जानती है कि इस मछली से सही मात्रा में जहर को कैसे निकाला जाए, जिससे उसे नशे के लिए एक डोज मिल जाए।

छिपे हुए कैमरों से हुई थी रिसर्च

डॉल्फिन पफर मछली को हल्के से चबाते हैं और आपस में एक-दूसरे को देते हैं। इसके बाद ये एक नशे जैसी अवस्था में चली जाती हैं। इस खोज को साल 2013 में अंजाम दिया गया था। डॉक्यूमेंट्री में छिपे हुए ऐसे कैमरों का इस्तेमाल किया गया था, जो नकली कछुओं, मछलियों और स्क्विड में छिपाए गए थे। इस तकनीक से पानी के अंदर डॉल्फिन की 900 घंटे से ज्यादा की

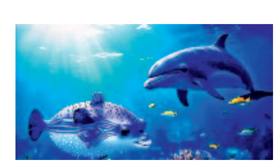

डॉल्फिन पर चौंकाने वाली रिपोर्ट

हालांकि, कुछ डॉल्फिन शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने जंगली डॉल्फिन को ऐसा करते नहीं देखा है। डॉक्यूमेंट्री में शामिल वैज्ञानिकों ने इस बात को माना कि युवा उम्र की डॉल्फिन जानबूझकर नशीली चीजों के साथ प्रयोग करती हैं। यह देखना भी दिलचस्प था कि कैसे डॉल्फिन पफर मछली के साथ खेल रही थीं और बाद में अजीब व्यवहार कर रही थीं।

पानी के भीतर अजीबोगरीब हरकतें

वैज्ञानिकों ने पाया कि पफर मछली को धीरे से चबाने और उसे इधर-उधर करने के बाद, डॉल्फिन ने अजीबोगरीब हरकतें करना शुरू कर दिया। इसके अलावा भी डॉल्फिन कई तरह के व्यवहार करती हैं, जिन्हें इंसान क्रूर मान सकते हैं। इनमें युवा डॉल्फिन की हत्या, मादा डॉल्फिन के साथ जबरन संबंध बनाना और ऐसे समुद्री जीवों को प्रताड़ित करना शामिल है, जिन्हें वे खाती नहीं हैं।

पोटेशियम साइनाइड से कहीं ज्यादा शक्तिशाली जहर

पफर फिश में पोटेशियम साइनाइड से भी 1,000 गुना ज्यादा शक्तिशाली जहर होता है और इसे टेट्रोडोटॉक्सिन या टीटीएक्स कहा जाता है। बैक्टीरिया से पैदा होने वाला यह जहर पफर फिश के लिवर में जमा होता है। कुछ ऑक्टोपस में भी ऐसे बैक्टीरिया मिलते हैं जो इस जहर को बनाते हैं। पफर फिश का जहर किसी इंसान को लकवाग्रस्त भी बना सकता है।

राजा की 9 प्रेमिकाओं के लिए बनाया गया था जयपुर नाहरगढ़ किला, बहुत ही है रहस्यमयी इतिहास

जयपुर। अरावली पर्वतमाला के बीच में स्थित विशाल नाहरगढ़ किला जयपुर शहर की शान का प्रतीक है। किसी समय नाहरगढ़ किला, आमेर और जयगढ़ किलों के साथ जयपुर शहर की सुरक्षा घेरे का काम करता था। महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने जयपुर शहर के निर्माण के सात साल बाद यानी 1734 में नाहरगढ़ किले का निर्माण करवाया था। मूल रूप से इसका निर्माण मराठों के हमले से बचने के लिए किया गया था, लेकिन बाद में इस किले का इस्तेमाल राजाओं के ग्रीष्मकालीन निवास के रूप में होने लगा।

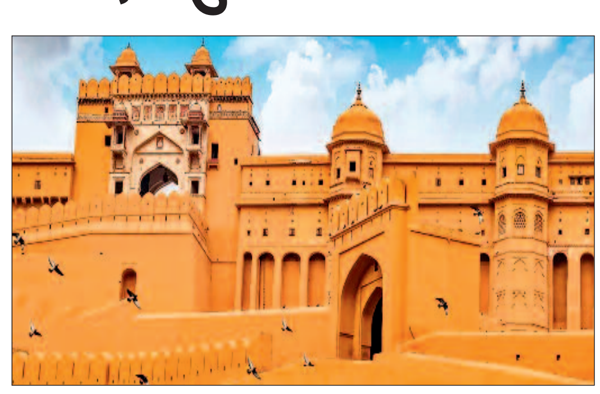

कई नामः नाहरगढ़ के थे 7 नाम

इस किले का मूल नाम सुदर्शनगढ़ था जिसे बाद में बदलकर नाहरगढ़ कर दिया गया जिसका मतलब होता है 'बाघों का निवास'। लेकिन इतिहासकारों का कहना है कि जयपुर के लोगों ने इस किले को कई नामों से पुकारा है। जानकारी मांगने पर कुल सात और नाम सामने आए। ये हैं सुलक्षण किला, सुदर्शन किला, बाघ किला, जयपुर ध्वजगढ़, जयपुर का ताज, महलों का किला और मिथरी किला। 1868 में महाराजा सवाई राम सिंह ने नाहरगढ़ किले का विस्तार किया। बाद में 1880 में महाराजा सवाई माधो सिंह ने इस किले को मानसून रिट्रीट में बदलने की जिम्मेदारी राज इमारत को दी, जो शाही निर्माण परियोजनाओं को संभालती है।

किले के अंदर ही है एक छोटा महल

उन्होंने उन्हें किले के अंदर ही एक छोटा महल डिजाइन करने के लिए कहा जो एक हॉलिडे रिसॉर्ट होगा। नाहरगढ़ किले का मुख्य आकर्षण माधवेंद्र भवन है जिसे विद्याधर भट्टाचार्य ने डिजाइन किया था। माधवेंद्र भवन 12 समान कमरों वाली एक शानदार संरचना है। ये कमरे महाराजा की नौ पत्नियों के लिए बनाए गए थे।

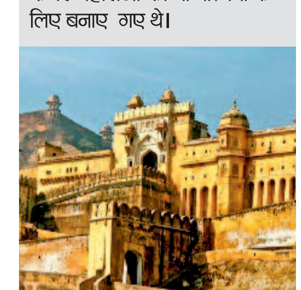

राजा के नौ महलों के नाम भी अलग-अलग

इतिहासकार बताते हैं कि सवाई माधो सिंह ने अपनी नौ पसवनों (प्रेमिकाओं) के नाम पर यहां नौ एक मंजिला और दो मंजिला महल बनवाए थे। ये सभी महल एक जैसे हैं। इन्हें विक्टोरियन शैली में बनाया गया है। नौ महलों के नाम इस प्रकार हैं: सूरज प्रकाश, खुशाल प्रकाश, जवाहर प्रकाश, ललित प्रकाश, आनंद प्रकाश, लक्ष्मी प्रकाश, चांद प्रकाश, फूल प्रकाश और बसंत प्रकाश।

सभी महल जुड़े थे राजा के महल से : रानियों के सभी महल छत पर बने एक गलियारे से जुड़े हुए हैं। यह गलियारा राजा के कक्ष के दोनों ओर से रानियों के महलों से जुड़ा हुआ है। इसके जरिए राजा किसी भी रानी के कक्ष में जा सकते थे। नाहरगढ़ वाले हिस्से में एक जगह है जिसे नाहरगढ़ का स्टॉप कहते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा है ये गांव, पहुंचने के लिए पार करना पड़ता है एशिया का सबसे ऊंचा ब्रिज

नई दिल्ली। अगर आप नेचर लवर हैं तो आपको एक बार लाहौल स्पीति जरूर जाना चाहिए। ये बेहद खूबसूरत जगह है। यहां आसपास आप रोहतांग, चंद्रताल झील, ताबो मठ, गंधोला किला, और त्रिलोकनाथ मंदिर जैसी जगहों पर घूम सकते हैं। यहीं पर एक ऐसा गांव भी है जो प्रकृति की गोद में बसा है। गांव का नाम है चिचम। इस गांव तक पहुंचने के लिए आपको चिचम ब्रिज से होकर गुजरना पड़ता है। चिचम ब्रिज भारत का ही नहीं, बल्कि एशिया का सबसे ऊंचाई पर बना रोड ब्रिज है। यहां से गुजरने से पहले इंसान को काफी हिम्मत जुटानी पड़ती है।

14000 फीट ऊंचाई पर बना है पुल

चिचम ब्रिज करीब 14000 फीट ऊंचाई पर बना है। ये पुल 120 मीटर लंबा और 150 मीटर ऊंचा है। इसे बनाने में ही करीब 16 साल का समय लगा। ये ब्रिज एक गहरी खाई को पार करता है और चिचम गांव को किब्बर से जोड़ता है, जिससे यात्रा का समय काफी कम हो जाता है।

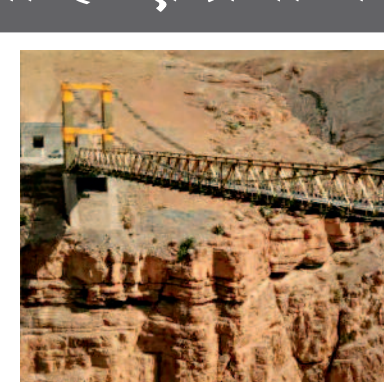

अच्छे-अच्छों का दिल कांप जाता है

ऊंचे आसमान को छूते पहाड़ों के बीच बने इस पुल से गुजरना ही अपने आप में एक चैलेंज जैसा है। बड़े बड़े हिम्मती लोगों के भी हाथ-पांव फूल जाते हैं. ब्रिज के ऊपर खड़े होकर नीचे देखने पर दिल और दिमाग को हिला देने वाले अनुभव जैसा है। फिर भी यहां आने वाले सैलानियों की कमी नहीं है। बाइकर्स खासतौर पर यहां आते हैं।

बेहद खूबसूरत है किब्बर गांव, कहलाता है छोटा तिब्बत

अगर आप यहां घूमने आएं तो चिचम के साथ आप किब्बर भी जरूर जाएं. ये बेहद खूबसूरत गांव है। यहां का कल्चर आपको तिब्बत और लद्दाख से काफी मिलता हुए लगेगा, इस कारण इसे छोटा तिब्बत भी कहा जाता है। यहां की शानदार लोकेशन और प्रदूषण मुक्त वातावरण पर्यटकों को आकर्षित करती है।

एशिया का सबसे ऊंचा रोड ब्रिज

चिचम ब्रिज पूरे एशिया में सबसे ऊंचाई पर बना रोड ब्रिज है। इससे पहले ये खिताब चीन के पास था क्योंकि चीन में सिंधु नदी के ऊपर एशिया के सबसे ऊंचे पुल का निर्माण किया गया था लेकिन चिचम ब्रिज बनने के बाद ये खिताब भारत को मिल गया। इस पुल के बनने से लोगों को काफी राहत भी मिली है।

टूरिस्ट और ट्रैकर्स का स्वर्ग

एडवेंचर पसंद करने वाले लोगों के लिए ये जगह बहुत सही है। इसे टूरिस्ट और ट्रैकर्स का स्वर्ग कहा जाता है। अगर आप भी घूमने के शौकीन हैं तो एक बार चिचम ब्रिज को देखने जरूर जाएं। स्पीति वैली के चिचम ब्रिज पर लाइन से लगे रंगबिरंगे झंडे जब हवा में उड़ते हैं तो नज़ारा देखने लायक होता है। सैलानी यहां से पुल को पार करने के बाद चंद्रताल झील की ओर बढ़ सकते हैं। ये बेहद खूबसूरत झील है।

ये है सबसे इंटेलिजेंट सांप... जान देकर भी करता है बॉर्डर की हिफाजत

हैंडलर को तुरंत लेता है पहचान

नई दिल्ली। सांपों की रहस्यमय दुनिया... जिसके बारे में आप जितना जानेंगे, उतनी ही दिलचस्पी बढ़ती चली जाएगी। जहरीले सांप, बिना जहर वाले सांप, शर्मीले सांप और हवा में उछलकर वार करने वाले सांप। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि सांपों की दुनिया में भी इनका एक बादशाह होता है, जो न सिर्फ जहरीला होता है, बल्कि दिमाग से बहुत तेज भी होता है। ये इतना दिमागदार है कि कई लोगों की भीड़ में भी अपने हैंडलर, यानी उस आदमी को पहचान सकता है, जो उसकी देखभाल करता है।

किंग कोबरा है बुद्धिमान प्रजाति का सांप : सांपों की इस बुद्धिमान प्रजाति का नाम है किंग कोबरा। दुनिया के सबसे जहरीले सांपों में से एक किंग कोबरा को अपनी कुछ खास बातों के लिए बाकी सांपों से कहीं ज्यादा दिमागदार माना जाता है। इनके अंदर घोंसला बनाने की एक अनोखी कला होती है।

भीड़ में भी पहचान लेता है अपने हैंडलर को

किंग कोबरा को दुनिया का सबसे बुद्धिमान सांप माना जाता है क्योंकि इसके कुछ व्यवहार ऐसे हैं जो दूसरे सांपों में नहीं देखे जाते। सबसे पहला यह है कि अगर यह कैद में है, तो अपने हैंडलर को बाकी लोगों की भीड़ से पहचान सकता है। दूसरा, जंगल में नर किंग कोबरा अपने इलाके की सीमाओं को पहचान सकते हैं। वे इस इलाके की रक्षा दूसरे सभी नर किंग कोबरा से अपनी जान देकर भी करते हैं।

खबर संक्षेप

हो रहा झूठा प्रचार लागू नहीं होगा 'एक देश, एक चुनाव'

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'एक देश, एक चुनाव' अवधारणा को लेकर किए जा रहे झूठे प्रचार को खारिज करते हुए शनिवार को स्पष्ट किया कि आगामी चुनावों में इसे लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान लगभग एक लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए और एक साथ चुनाव कराकर इतने बड़े खर्च को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''यदि संसद और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो देश के सकल घरेलू उत्पाद में करीब 1.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। मूल्य के संदर्भ में अर्थव्यवस्था में 4.50 लाख करोड़ रुपये जुड़ेंगे। यह 'एक देश एक चुनाव' अवधारणा का स्पष्ट उदाहरण है।'' सीतारमण ने कुछ पार्टियों पर 'एक देश एक चुनाव' पहल पर ''झूठा अभियान चलाने'' और इसका आंख मूंदकर विरोध करने का आरोप लगाया।

पाकिस्तान का पासपोर्ट दुनिया के सबसे कमजोर पासपोर्ट में से एक बना हुआ है

नोमैड कैपिटलिस्ट पासपोर्ट इंडेक्स 2025 ने जारी की रिपोर्ट

आयरलैंड बना दुनिया का सबसे ताकतवर पासपोर्ट, भारत की रैंकिंग में गिरावट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हाल ही में दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट की रैंकिंग जारी की है, जिसमें आयरलैंड का पासपोर्ट पहले स्थान पर रहा है। यह पहली बार है जब आयरलैंड ने इस रैंकिंग में टॉप किया है। वहीं, भारत की रैंकिंग में गिरावट आई है, जबकि पाकिस्तान का पासपोर्ट दुनिया के सबसे कमजोर पासपोर्ट में से एक बना हुआ है।

नोमैड कैपिटलिस्ट पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के मुताबिक, आयरलैंड का पासपोर्ट 109 के स्कोर के साथ दुनिया का सबसे ताकतवर पासपोर्ट है। पिछले साल आयरलैंड स्विट्जरलैंड से पीछे था, लेकिन इस साल वह फिर से नंबर 1 पर आ गया है। 2020 में आयरलैंड ने लक्ज़मबर्ग और स्वीडन के साथ मिलकर पहला स्थान हासिल किया था।

2025 के सबसे ताकतवर और सबसे कमजोर पासपोर्ट

नोमैड कैपिटलिस्ट पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के अनुसार, सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देशों की सूची में आयरलैंड पहले स्थान पर है, इसके बाद स्विट्जरलैंड और ग्रीस दूसरे स्थान पर हैं। टॉप 10 पासपोर्ट की सूची में यह देश शामिल हैं- आयरलैंड, स्विट्जरलैंड, ग्रीस, पुर्तगाल, माल्टा, इटली, लक्जमबर्ग, फिनलैंड, नॉर्वे, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), न्यूजीलैंड, और आइसलैंड (तीनों 10वें स्थान पर)।

आयरलैंड की बेहतर टैक्स नीतियां

आयरलैंड जैसे देश पासपोर्ट की ताकत के मामले में सबसे ऊपर हैं, क्योंकि इन देशों के नागरिकों को अधिक स्वतंत्रता, वीजा-मुक्त यात्रा और बेहतर टैक्स नीतियां मिलती हैं। वहीं, पाकिस्तान का पासपोर्ट हमेशा की तरह दुनिया के सबसे कमजोर पासपोर्ट में गिना गया है। पाकिस्तान का पासपोर्ट रैंकिंग के हिसाब से सबसे नीचे के स्थानों पर है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान के नागरिकों को विदेश यात्रा करने में कई कठिनाइयाँ होती हैं।

भारत की आई है 148वीं रैंकिंग

भारत का पासपोर्ट इस बार 148वें स्थान पर आया है, जो कि कोमोरोस के साथ साझा किया गया है। भारत को कुल 47.5 अंक मिले, जिनमें से: कर प्रणाली (टैक्स): 20 अंक, वैश्विक प्रतिष्ठा (इमेज): 20 अंक, दोहरी नागरिकता की सुविधा: 20 अंक, निजी स्वतंत्रता: 20 अंक। भारत की रैंकिंग में गिरावट देखी गई है, क्योंकि पिछले साल यह मोज़ाम्बिक के साथ 147वें स्थान पर था। इसके अलावा, हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भी भारत की रैंकिंग गिरकर 85वीं हो गई है। यह इंडेक्स आईएटीए (अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ) के डेटा पर आधारित है, जो केवल वीजा-मुक्त यात्रा को ही प्राथमिकता देता है।

भारत की गिरती पासपोर्ट रैंकिंग के कारण

भारत की गिरती पासपोर्ट रैंकिंग को लेकर कई कारक जिम्मेदार हैं। इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं:

वीजा संबंधी कड़े नियम: *भारत के नागरिकों को बहुत से देशों में वीजा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, जिससे उनकी यात्रा की स्वतंत्रता सीमित हो जाती है।*

निवासी और नागरिक अधिकार: *भारत में नागरिकता और दोहरी नागरिकता की नीतियों में कड़े नियम हैं, जो अन्य देशों के नागरिकों की तुलना में अधिक प्रतिबंधित हैं।*

वैश्विक छवि: *भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में कुछ सुधार की आवश्यकता है, क्योंकि इसके प्रभाव के कारण भारतीय पासपोर्ट की ताकत में कमी आई है।*

युवती से दुष्कर्म मामला : जैन मुनि को 10 साल की सजा

सूरत। गुजरात के सूरत शहर की एक सत्र अदालत ने जैन दिगंबर संप्रदाय के एक मुनि को 19 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के मामले में शनिवार को दस साल जेल की सजा सुनाई। यह मामला सात वर्ष पुराना है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ए.के. शाह ने कॉलेज छात्रा से दुष्कर्म का दोषी पाए जाने के एक दिन बाद शांतिसागरजी महाराज (56) को 10 साल की सजा सुनाई और उन पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। सरकारी वकील नयन सुखदवाला ने बताया कि अदालत ने शांतिसागरजी महाराज को दोषी ठहराते हुए युवती और अन्य अभियोजन पक्ष के गवाहों के अलावा मेडिकल रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज पर भी विचार किया। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, यह घटना अक्टूबर 2017 में जैन धर्मशाला में हुई थी। महिला ने पुलिस को बताया कि इससे पहले जैन मुनि ने उसके पिता से उसका मोबाइल नंबर प्राप्त कर उससे फोन पर संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया था।

पाकिस्तानी घुसपैठिया एलओसी पर ढेर

बीएसएफ ने भारत में घुसने से रोका नहीं माना तो जवानों ने मारी गोली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बड़ी कामयाबी मिली है। शुक्रवार रात भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी घुसपैठिए को जवानों ने ढेर कर दिया। नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर जवानों ने पहले घुसपैठिए को रुकने की चेतावनी दी।

चेतावनी के बाद भी घुसपैठिया नहीं रुका। आगे बढ़ता रहा। खतरे को भांपते हुए जवानों ने उसे गोली मार दी। मौके पर ही मौत हो गई। अब्दुलियां सीमा चौकी पर तैनात जवानों ने एक व्यक्ति को सीमा पार करते देखा। बीएसएफ जवानों ने उसे रुकने की चेतावनी दी। घुसपैठिया नहीं रुका और भारतीय सीमा

में घुसने की कोशिश करता रहा। जवानों ने उसे गोली मार दी। घुसपैठिए के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घुसपैठिया कौन है? किस मकसद से भारत में घुसना चाह रहा था? उसे किसने भेजा था? तमाम सवालों के जवाब का पता लगाया जा रहा है। जांच के बाद ही तस्वीर साफ होगी।

पठानकोट में पाकिस्तानी घुसपैठिया को मारा था

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार (26 फरवरी) को पठानकोट सीमा में पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। बीओपी ताशपतन में इंटरनेशनल बॉर्डर पर घुसपैठिया भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। जवानों ने उसे चेतावनी दी लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ता रहा। बीएसएफ के जवानों ने खतरे को भांपते हुए घुसपैठिए को मार गिराया था।

बेंगलुरु कोर्ट का बड़ा फैसला

यौन उत्पीड़न के मामले में औपचारिक आरोप तय किए

कई धाराओं में पूर्व जेडीएस सांसद रेवन्ना के खिलाफ आरोप हुए तय

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शनिवार को जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ रेप और यौन उत्पीड़न के मामले में औपचारिक आरोप तय किए। अदालत ने भारतीय दंड संहिता (IPC) की कई गंभीर धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं।

अदालत ने जेडीएस के पूर्व सांसद पर धारा 376(2)(k) (प्रभावशाली पद का दुरुपयोग कर बलात्कार), धारा 376(2)(n) (एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार), और धारा 354 (यौन उत्पीड़न) के तहत आरोप तय किए हैं।

इसके अलावा, IT अधिनियम की धारा 66(e) के तहत भी प्रज्वल रेवन्ना पर आरोप तय किए गए हैं, जो प्राइवेसी के उल्लंघन से संबंधित है।

यह है मामला

28 अप्रैल से 10 जून 2024 के बीच प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ होलेनरसीपुरा पुलिस स्टेशन में कुल 4 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके अलावा बेंगलुरु के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज किए गए, और दूसरा बेंगलुरु में सीआईडी के तहत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। केआर नगर पुलिस स्टेशन में प्रज्वल के पिता, होलेनरसीपुरा के विधायक एच.डी. रेवन्ना और अन्य के खिलाफ एक अलग मामला भी दर्ज किया गया। इन सभी मामलों को आगे की जांच के लिए सीआईडी के अंतर्गत विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंप दिया गया है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर देश में हंगामा मचा हुआ है। विधेयक के दोनों सदनों में पास हो जाने के बाद से विपक्ष हायतौबा मचा रहा है, तो कई मुस्लिम संगठन सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। जबकि, वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। वक्फ संशोधन को लेकर पेश है आजकल का यह अंक...

वक्फ विधेयक बदले भारत का प्रमाण

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है। एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। इन पार्टियों ने दोनों सदनों में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया है।

वक्फ संशोधन के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिकाओं की प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। दोनों सदनों में पारित होने के अगले दिन से ही उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं जाने लगीं और आप देख सकते हैं कि इस बात की होड़ लगी है कि कौन इसमें किसको पीछे छोड़ रहा है। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने उच्चतम न्यायालय में जाने की घोषणा कर दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पहले ऐलान कर चुका था। संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय किसी तरह जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है।

एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। दूसरी ओर बिहार में जदयू, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल आदि के विरुद्ध दबाव डालने की कोशिश हो रही है।

दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति

मुसलमानों का एक बड़ा समूह सड़कों पर उतर रहा है, पार्टियों में दबाव डालकर कुछ इस्तीफा करवा रहा है और बयान दे रहा है कि चुनाव में सबक सिखा देंगे। संसद में बहस और मतदान के पूर्व नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू आदि के इफ्तार के बहिष्कार का भी आह्वान किया गया। यह भी दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति थी। बावजूद इन पार्टियों ने दोनों सदनों में खुलकर वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया और उसके पक्ष में विपक्ष के आरोपों का आक्रामक खंडन करते हुए तथ्य और तर्क प्रस्तुत किया। हमारे सामने दो दृश्य दूसरे भी हैं। लोकसभा में बहस के पूर्व सभी पार्टियों ने ह्वीप जारी कर दिया था। किंतु राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट घोषणा की कि हमारे सांसद स्वतंत्र हैं, ह्वीप नहीं है, वे जैसे चाहें मतदान करें। इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संख्या बल से ज्यादा मत विधेयक के समर्थन में प्राप्त हुए। आखिर इसके कोई निहितार्थ है या नहीं? इसके साथ हमने यह भी देखा कि दोनों सदनों में बहस और मतदान के दौरान देश में समर्थन और विरोध दोनों में मुसलमान उतरे। निष्पक्ष आकलन यही है कि उन दो दिनों में समर्थकों की संख्या भी काफी ज्यादा थी। कई जगह तो विरोध करने वालों से ज्यादा समर्थक सड़क पर थे। अलग-अलग धार्मिक संस्थाओं और संगठनों ने खुलकर विधेयक का समर्थन किया। इनमें वे मुस्लिम मजहबी नेता और संस्थाओं के प्रमुख शामिल थे जो पहले वक्फ में किसी

प्रकार के संशोधन का घोर विरोध करते थे, तो इसके भी मायने हैं। तो यही बदले हुए भारत का प्रमाण है। यानी आप न्याय करने की दिशा में संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं तो भ्रम और विरोध कमजोर होते-होते समर्थन बढ़ता है। वास्तव में अभी जो विरोध दिख रहा है वह बिल्कुल अनपेक्षित नहीं है। जब भी आप ऐसे विषयों पर सुधार और परिवर्तन के संवैधानिक कानूनी कदम उठाते हैं तो भारत जैसे देश में इसके विरुद्ध प्रचार और रोकने की कोशिश पहली बार नहीं है। वक्फ कानून, उससे संबंधित बोर्ड और न्यायाधिकरण को मुस्लिम वोट पाने की नीति के तहत जिस तरह सुपर सरकार, सुपर प्रशासन और सुपर न्यायपालिका की भूमिका दे दी गई थी, उस ढांचे में लाभान्वित सम्मानित होने वाले तथा उसका आनंद सुख भोगने वालों के अंदर छटपटाहट स्वाभाविक है।

वक्फ कानून में संशोधन क्यों जरूरी था

सच यह है कि वक्फ कानून में संशोधन क्यों नहीं होना चाहिए था या संशोधन में क्या असंवैधानिक, इस्लाम विरोधी, मुस्लिम विरोधी है, इसका कोई एक तथात्मक उत्तर विपक्ष के किसी भी नेता द्वारा संसद में नहीं मिला। जब राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह कानून उच्चतम न्यायालय में समाप्त हो जाएगा तो सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सदन के अंदर इस प्रकार की भाषा संसद का अपमान है। इसी तरह जब एक सदस्य ने कहा कि मुसलमान इस कानून को नहीं मानेगा, तब केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह संसद द्वारा बनाया गया कानून है, सबको मानना पड़ेगा। वास्तव में संसद अगर प्रक्रिया के तहत कोई कानून पारित करती है तो यह भारत के सभी क्षेत्रों और व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होता है। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने लोकसभा में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को बहुमत के द्वारा संविधान का अतिक्रमण और लोकतंत्र के गला घोंटने के समान बता दिया। यह समझ से परे है। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रिकॉर्ड रखते हुए बताया कि संप्रग सरकार ने 2013 में सिर्फ चार घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन विधेयक पास कर दिया था, जबकि इस बार दोनों सदनों में करीब 27 घंटे से ज्यादा का समय लगा। 3 अप्रैल को 11 बजे से आरंभ राज्यसभा की कार्यवाही अगले दिन सुबह 4 बजे तक चली। संयुक्त संसदीय समिति ने 113 घंटे की चर्चा, 25 वक्फ बोर्डों से संवाद, 15 राज्यों के प्रतिनिधियों से संवाद, विभिन्न समुदायों के राज्य धारकों के कुल 284 प्रतिनिधिमंडलों ने समिति के समक्ष अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए एवं 92 लाख से ज्यादा सुझाव पर विचार के बाद विधेयक तैयार हुआ। जरा सोचिए, यह प्रक्रिया लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने वाला हो गया और संप्रग के चार घंटे में पारित कानून लोकतंत्र और संविधान का पालन करने वाला था?

वक्फ संपत्तियों का दावा बेमानी

पुराने वक्फ कानून और उसके ढांचे पर इतना कुछ कहा जा चुका है कि उसको दोहराने की आवश्यकता नहीं। वक्फ ने जिस तरह पूरे देश में संपत्तियों का दावा कर उन्हें कब्जे में लिया, उसकी बहुत सारी कथाएं रिकॉर्ड में सामने हैं। यह कैसी संवैधानिक व्यवस्था थी जिसमें वक्फ किसी संपत्ति पर दावा कर दे तो वक्फ ट्रिब्यूनल के अलावा आप कहीं नहीं जा सकते। वहां भी संपत्ति आपकी है, यह आपको ही साबित करना होगा। ट्रिब्यूनल बरसों लगा देगा और उसके फैसले को आप सिविल न्यायालय में चुनौती नहीं दे सकते। यानी आपकी संपत्ति गई। इसमें हिंदू और मुसलमान दोनों के साथ सार्वजनिक सरकारी संपत्तियां भी शामिल हैं।

दूसरे की संपत्ति पर दावा कैसे संभव है

गृह मंत्री ने सदन में रिकॉर्ड पर कहा कि कोई गांव या शहर से बाहर नौकरी करने चला गया और उसकी संपत्ति वक्फ कर दी गई। वह जितना भी छटपटाये, वापसी के रास्ते नहीं। वक्फ एक अरबी शब्द है। इस्लाम किसी को दीन और बेसहारा के लिए अपनी संपत्ति के वक्फ करने की इजाजत देता है। इस पर न रोक है, न हो सकती है। वक्फ में कोई बदलाव नहीं है। किंतु हम अपनी संपत्ति वक्फ में रजिस्ट्री करा सकते हैं, दूसरे की संपत्ति पर कैसे दावा कर सकते हैं? फिर सरकार कैसे संपत्ति वक्फ कर सकती है। आप देखेंगे कि यूपीए सरकार के सत्ता में आने के बाद सच्चर आयोग की नियुक्ति और उसकी रिपोर्ट के बाद पूरे देश में अलग से इस्लामी ढांचा स्थापित करने की प्रक्रिया में केंद्र और राज्य सरकारों ने अनेक संपत्ति वक्फ बोर्डों को दे दी। निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय में सारे मामले जाएंगे।

हमारी आपकी या किसी मंदिर की जमीनों के कागजात, राजस्व आदि का विषय तो जिला कलेक्टर के अधीन होगा किंतु वक्फ का नहीं हो यह कैसे कानून का पालन माना जाएगा? आज भी यही मांग है। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन भारत के संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। उसे हमारे संविधान और कानून के अंतर्गत ही काम करना होगा। बोर्ड में महिला सदस्य होने की अनिवार्यता के विरोध के पीछे वही सोच है जिसके तहत तीन तलाक मामले पर पर्सनल लॉ बोर्ड में उच्चतम न्यायालय में दायर शपथ पत्र में महिलाओं को कम अक्ल वाला लिखा था। कोई संपत्ति जिस उद्देश्य के लिए दान हुई है वह उसी उद्देश्य में जा रहा है या नहीं तथा वाकई वक्फकर्ता स्वेच्छा से ऐसा किया है या दबाव डालकर कराया गया, इसकी देखरेख की जिम्मेवारी तो प्रशासन की ही है। जिस संस्था में लगभग 41 हजार विवाद हों और उनमें 10 हजार मुसलमानों द्वारा किए गए हो, उस ढांचे को कायम नहीं रखा जा सकता था।

विधेयक ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम

वास्तव में वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ की संपत्ति का उपयोग करने वाले मस्जिदों और मजारशरीफों का नियंत्रण करते हैं जबकि ऐसे लोगों में से कुछ बाहर भीख मांगते हैं। अब इस दौर का अंत होगा तथा गरीब, वंचित, पसमांदा , महिलाएं सब इस्लाम की धारणा के अनुसार वक्फ के सही उपयोग में भूमिका निभा सकेंगे। वक्फ ने पुराने मामलों के संदर्भ में बदलाव नहीं किया है लेकिन जिन पर विवाद है वे कायम रहेंगे। रिकॉर्ड में और ऑनलाइन आते ही सब कुछ पारदर्शी होगा। वक्फ के नाम पर हुए अन्याय के निराकरण का रास्ता प्रशस्त होगा और पीड़ितों को न्याय प्राप्त होने की ठोस संभावना बनेगी। ऐसे मामलों का सच देश के सामने होगा और इस समय इस्लाम के नाम पर हंगामा खड़ा करने वालों के चेहरे भी बेनकाब होंगे। दोनों सदनों में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रखे गए तथ्य, विचार और तेवर की गंभीरता को देखते हुए किसी को मुगालता नहीं होना चाहिए कि इस कानून का उल्लंघन करने का कोई साहस करेगा। यद्यपि भूमि या ऐसे मामले राज्यों के विषय हैं तो अलग-अलग राज्यों का तंत्र सरकारों की राजनीतिक नीति के अनुसार काम करेगा और इनमें समस्याएं आएंगी। किंतु कोई वक्फ के दावों के विरुद्ध किसी पीड़ित व्यक्ति को न्यायालय जाने से नहीं रोक सकता। सिविल न्यायालय में व्यक्ति की सही पहचान और कानून के अनुसार ही फैसला होगा।

मुस्लिम समुदाय के लिए ऐतिहासिक कदम

वक्फ विधेयक

प्रो. निरंजन कुमार

सीनियर प्रोफेसर, हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

वक्फ संशोधन विधेयक, जो हाल ही में संसद में पारित किया गया, आम भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ सम्पत्तियों के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, जिससे आम मुस्लिम आदमी और पूरे समाज को सीधे लाभ हो सके। निश्चित रूप से यह विधेयक वक्फ सम्पत्तियों के दुरुपयोग और इनके प्रबंधन में सुधार के लिए एक सार्थक और दूरगामी प्रयास है, जो न केवल गरीब मुसलमानों के लिए, बल्कि पूरे देश के हित में भी है। दुर्भाग्य से पिछले कई दिनों से वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर आम मुस्लिम समुदाय के बीच एक नकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है।

वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसका अर्थ है किसी संपत्ति को अल्लाह के नाम पर स्थायी रूप से दान करना। इस संपत्ति का उपयोग विशेष उद्देश्यों के लिए किया जाता है- जैसे मस्जिदों की देखरेख, गरीबों की मदद, शिक्षा और चिकित्सा आदि सुविधाओं के लिए। लेकिन ऑडिट और पारदर्शिता के अभाव में वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग होता रहा है। वक्फ बोर्ड के अधिकारी और मुस्लिम समुदाय के कुछ स्वयंभू नेता इन सम्पत्तियों का अनैतिक और अनुचित इस्तेमाल करते रहे हैं। इस दुरुपयोग के कारण वक्फ की भावना के विपरीत आम मुस्लिमों को वह लाभ नहीं मिल पाता, जो वक्फ का उद्देश्य है। वर्तमान में वक्फ सम्पत्तियों का प्रशासन और प्रबंधन वक्फ बोर्ड के द्वारा किया जाता है. लेकिन यह बोर्ड अक्सर पारदर्शी नहीं होता, और भ्रष्टाचार की खबरें आती रही हैं। इसके परिणामस्वरूप, जो धन और संसाधन धार्मिक और समाजसेवी कार्यों के लिए होना चाहिए था, वह गलत हाथों में चला जाता है। भारत में वक्फ संपत्तियों की संख्या को देखें तो यह बहुत अधिक है। हालिया सर्वेक्षण के अनुसार वक्फ संपत्तियों की संख्या 8.72 लाख से अभी अधिक है। यहां प्रश्न उठता है कि क्या वास्तव में इस्लाम की इस उदात्त अवधारणा के अनुसार ही वक्फ सम्पत्तियों का उपयोग सामाजिक कल्याण हेतु हो पा रहा है? क्या आम मुस्लिम समुदाय के लोगों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मौजूदा व्यवस्था के तहत कोई लाभ मिल रहा है? वास्तव में इन प्रश्नों का उत्तर न में ही है। संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक पर लंबी चर्चाओं के बाद इस विधेयक को समर्थन भी मिल गया किन्तु देशभर में एक खास तरह का माहौल इस विधेयक के खिलाफ बनाया जा रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ राजनीतिक दल और मुस्लिम नेताओं ने इसे मुस्लिम समुदाय के खिलाफ एक साजिश बताया, लेकिन यदि गहराई से पड़ताल करें तो यह बात तथ्यात्मक रूप से गलत है।

समाज में भ्रम फैला रहे कुछ लोग

वास्तव में, यह विधेयक तो व्यापक मुस्लिम समुदाय को उनके अधिकारों और सम्पत्तियों का सही लाभ दिलाने के लिए है। याद कीजिए, नागरिकता संशोधन कानून और तीन तलाक से सम्बंधित कानून के मामलों को। राजनीतिक स्वार्थ के कारण विभिन्न नेताओं ने इन दोनों

कानूनों का विरोध किया और समाज में भ्रम फैलाया। नागरिकता कानून के समय मुसलमानों के मन में यह भय बिठाया गया कि इस कानून से उनकी नागरिकता छिन जाएगी। जबकि वास्तव में यह कानून कुछ पड़ोसी देशों के पीड़ित लोगों को नागरिकता देने के लिए था। भारत के नागरिकों पर इसका कोई नकारात्मक परिणाम नहीं पड़ना था। उसी तरह तीन तलाक कानून के समय भी तथाकथित सेक्युलर दलों और मठाधीश नेताओं ने इसका खूब विरोध किया जबकि वास्तव में यह कानून मुस्लिम महिलाओं के हक में, उन्हें शोषण से मुक्त करने के लिए था।

ठीक उसी प्रकार वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वर्तमान वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के स्वयम्भू नेताओं के लिए निश्चित रूप से एक झटका है क्योंकि इस कानून के लागू होते ही वक्फ़ सम्पत्ति पर इनके अनैतिक स्वामित्व पर चोट पड़ेगी और वक्फ़ की आड़ में हुए भ्रष्टाचार की कलई लोगों के समक्ष आ जाएगी। पूर्व के प्रावधानों में इस तरह विसंगतियां हैं कि सरेआम दुरुपयोग किये जाने पर भी राहत की कोई गुंजाइश नहीं है। अनेक ऐसे उदाहरण मौजूद हैं जिनमें व्यक्तिगत संपत्ति से लेकर सरकारी जमीन के साथ-साथ मंदिरों, गुरुद्वारों, चर्च या बौद्ध विहारों तक की संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड कब्जा करता रहा है। प्रयागराज में हजारों सालों से मनाए जा रहे कुंभमेला की जमीन पर दावा ठोंकने का उदाहरण हो, या केरल के एर्नाकुलम जिले में मुनंबम और चेराई क्षेत्रों में 404 एकड़ की ईसाई और चर्च संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड के दावे की बात हो, देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस तरह के विवाद होते रहे हैं। खतरनाक बात यह थी कि वक्फ के अनुचित दावे को न्यायालय में चुनौती भी नहीं दी जा सकती थी, जो कि संविधान की भावनाओं का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन था। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र या जनहित में जब कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के किसी भी क्रिया-कलाप तक पर प्रश्न किये जा सकते हैं। ऐसे में वक्फ जमीन पर प्रश्न ही न कर पाना वास्तव में मौजूदा प्रावधान की सबसे बड़ी खामी रही है।

किसी की सम्पति पर दावा गलत

इसका दुरुपयोग कर किसी भी जमीन पर दावा ठोंकना हो या वक्फ संपत्ति का कुछ गिने चुने लोगों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु उपयोग किया जाना हो, ऐसी घटनाएं मीडिया में आती रहती हैं। यह न सिर्फ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है बल्कि उस व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार का भी हनन है जिसकी सम्पति पर वक्फ का दावा ठोंक दिया गया हो। याद रहे कि राजद नेता लालू यादव ने भी एक समय अवैध वक्फ दावों पर चिंता जताई थी। प्रश्न उठाया जा सकता है कि भारत जैसे पंथनिरपेक्ष राष्ट्र में वक्फ़ बोर्ड या वक्फ़ जैसी सम्पत्तियों का प्रविधान है, जबकि विभिन्न इस्लामिक देशों में वक्फ़ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। कई देशों में वक्फ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। फिर भी यदि भारत में वक्फ़ सम्पत्ति का प्रावधान कर ही दिया गया है, तो इन सम्पत्तियों का प्रयोग सामाजिक कल्याण में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए यदि कानून में कोई संशोधन हो तो निश्चित रूप से इसका स्वागत करना चाहिए। यह संतोषजनक है कि आल इंडिया मुस्लिम जमात के मौलाना या पसमांदा मुसलमान से लेकर सिख, ईसाई एवं बौद्ध समाज के लोगों ने इस विधेयक का स्वागत किया है। यह विधेयक न केवल वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन में सुधार करेगा, बल्कि आम मुसलमानों के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों को उनके अधिकार दिलाएगा। संकीर्ण स्वार्थों के लिए इसका विरोध आम जनहित में तो नहीं ही है, विरोध कर रहे उन राजनेताओं के हित में भी नहीं है क्योंकि पब्लिक सब जानती है।

वक्फ एक्ट में संशोधन पर घमासान क्यों

दो टूक

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

देशभर में वक्फ को लेकर इस समय खासी चर्चा है। तमाम विरोध के बावजूद वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो गया है। सत्ता पक्ष जहां इस विधेयक के फायदे गिना रहे हैं, वहीं विपक्ष वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान विरोधी बता रहा है। कांग्रेस ने तो यहां तक कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। हालांकि, मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों ने इस विधेयक का स्वागत भी किया है। उनका मानना है कि यह वक्फ संपत्तियों की लूट को रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद करेगा।

पारदर्शिता लाना मुख्य मकसद

मालूम हो, सरकार वक्फ बोर्ड के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक लेकर आई है। यह वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्ति को कम करने के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों को हटाने का प्रयास करता है, जो वर्तमान में उन्हें आवश्यक जांच के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की अनुमति देता है। साथ ही, इस बिल का मकसद वक्फ बोर्ड्स के काम करने के तरीके में पारदर्शिता, जवाबदेही लाना और इन निकायों में महिलाओं की अनिवार्य रूप से भागीदारी को यकीनी बनाना है। सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों,टाइटल विवादों और वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे के विनियमन से संबंधित खामियां हैं। सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों में वक्फ बोर्डों के गठन में सीमित विविधता, मुतवल्लियों द्वारा शक्ति का दुरुपयोग, स्थानीय राजस्व अधिकारियों के साथ प्रभावी कोर्डिनेशन की कमी और वक्फ बोर्ड को संपत्तियों पर दावा करने के लिए व्यापक शक्ति देना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप विवाद और मुकदमेबाजी होती है। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को बढ़ाना, टेक्नोलॉजी से संचालित मैनेजमेंट को शामिल करना, मौजूदा जटिलताओं को दूर करना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। माना जा रहा है कि एनडीए के सहयोगी दलों टीडीपी और जेडीयू के सुझावों के साथ ही जेपीसी में हुए विचार विमर्श से निकले सुझावों के चलते वक्फ संशोधन विधेयक में कई अहम परिवर्तन किए गए। लेकिन सरकार ने अपने मूल विचारों को शामिल करने में कोई समझौता नहीं किया है। दूसरी तरफ बिल के आलोचकों को मुख्य रूप से इस बात की चिंता है कि यह सरकार को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करने और यह निर्धारित करने की अनुमति देता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। इसका उद्देश्य वक्फ शासन की नींव को कमजोर करना और मुसलमानों के अधिकारों को कम करना है। जो लोग इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे सवाल उठा रहे हैं कि ऐसा नया कानून क्यों लाया जा रहा है,जो वक्फ के प्रबंधन के तरीके को बदल रहा है। आलोचकों के बीच मुख्य चिंता यह है कि सरकार वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करके उन पर कंट्रोल हासिल करना चाहती है

और नए विधेयक के माध्यम से उसे यह निर्धारित करने का अधिकार मिल गया है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। वक्फ ऐसी संपत्तियों को संदर्भित करता है जो विशेष रूप से मुस्लिम धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए समर्पित की जाती हैं। इस संपत्ति को बेचना या अन्य किसी उपयोग में लाना प्रतिबंधित होता है। इसका स्वामित्व 'अल्लाह' को सौंपा जाता है जिसका अर्थ है कि इसे दान करने वाला व्यक्ति इसे वापस नहीं ले सकता। भारत में वक्फ की परंपरा 12वीं शताब्दी में दिल्ली सल्तनत के दौरान शुरू हुई थी। मोहम्मद गौरी ने मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांवों को वक्फ संपत्ति के रूप में समर्पित किया था। समय के साथ वक्फ संपत्तियों की संख्या बढ़ती गई।

1954 में वक्फ बोर्ड का गठन

भारत में 1913 में एक नया कानून पारित कर वक्फ को वैध बना दिया गया। 1954 में वक्फ बोर्ड का गठन हुआ। हालांकि, 1995 के संशोधन से वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां मिलीं। पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने वक्फ एक्ट 1954 में संशोधन किया और नए-नए प्रावधान जोड़कर वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दे दीं। वक्फ एक्ट 1995 का सेक्शन 3 (आर) के मुताबिक, अगर कोई संपत्ति, किसी भी उद्देश्य के लिए मुस्लिम कानून के मुताबिक पाक (पवित्र), मजहबी (धार्मिक) या (चेरिटेबल) परोपकारी मान लिया जाए तो वह वक्फ की संपत्ति हो जाएगी। वक्फ एक्ट 1995 का आर्टिकल 40 कहता है कि यह जमीन किसकी है, यह वक्फ का सर्वेयर और वक्फ बोर्ड तय करेगा। बाद में वर्ष 2013 में संशोधन पेश किए गए, जिससे वक्फ को इससे संबंधित मामलों में असीमित और पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त हुई। अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दी गई तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। आपको वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगानी होगी। वक्फ बोर्ड का फैसला आपके खिलाफ आया, तब भी आप कोर्ट नहीं जा सकते। वक्फ एक्ट का सेक्शन 85 कहता है कि ट्राइब्यूनल के फैसले को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

अधिनियम में बदलाव जरूरी

भारत में कई संपत्तियां वक्फ के अंतर्गत आती हैं, जिनमें मस्जिद, ईदगाह, दरगाह, खानकाह, इमामबाड़े और कब्रिस्तान शामिल हैं। वक्फ संपत्तियां इस्लाम को मानने वाले लोग दान करते हैं और इन्हें समुदाय के सदस्य ही मैनेज करते हैं। प्रत्येक राज्य में एक वक्फ बोर्ड होता है,जो एक कानूनी इकाई है जो संपत्ति का अधिग्रहण,धारण और हस्तांतरण कर सकती है। वक्फ संपत्तियों को स्थायी रूप से बेचा या पट्टे पर नहीं दिया जा सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वक्फ बोर्ड वर्तमान में भारत भर में 9.4 लाख एकड़ में फैली 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करता है, जिसका अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। बता दें, वक़्फ को बनाने वाले को वाकिफ़ कहा जाता है, जिसका प्रबंधन प्रशासक यानी मुतवल्ली प्रबंधन करता है। वक़्फ़ की संपत्ति को स्थायी तौर पर लीज पर नहीं दिया जा सकता, ना ही बेचा जा सकता है। बहरहाल, वक्फ को लेकर लोगों के अलग-अलग दावे होते रहते हैं। जिसके बाद सरकार के लिए ये बड़ी चुनौती हो जाती है कि वो लोगों को कैसे भरोसा दिलाए कि वो जो दलील दे रही है वो सही है।इसके बाद कई विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार इस पर नियंत्रण करना चाहती है। सरकार ने इसमें कई बदलाव की बात कही है। बहरहाल, वक्फ संशोधन विधेयक भारत में धार्मिक संपत्तियों से जुड़े कानूनों में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह विधेयक कानून बनने के बाद किस तरह लागू किया जाता है और इसका अल्पसंख्यकों, सरकार और समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है।

विकसित भारत की ओर सशक्त संरचनाएँ

नया पांबन पुल – भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल

नए पांबन पुल

- हर साल रामनाथस्वामी मंदिर आने वाले 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं को होगा लाभ
- उन्नत सामग्री और अत्याधुनिक जंग-रोधी तकनीक का उपयोग
- 72.5 मीटर का लिफ्ट स्पैन, समुद्री यातायात को निर्बाध बनाते हुए रेल संचालन को भी और अधिक प्रभावी बनाता है
- भारत की प्रगति, नवाचार और विरासत का प्रतीक

विलुप्पुरम–पुडुचेरी खंड (NH-332) का चार लेन चौड़ीकरण
पूंडीयानकुप्पम–सत्तानाथपुरम खंड (NH-32) का चार लेन चौड़ीकरण
चोलापुरम–तंजावुर खंड (NH-36) का चार लेन चौड़ीकरण

- चौड़ी सड़कें बेहतर यातायात, कम यात्रा समय और ईंधन की बचत सुनिश्चित करेंगी
- मुख्य बंदरगाहों और तटीय जिलों के बीच संपर्क और मजबूत होगा

का राष्ट्र को समर्पण

रामेश्वरम – तांबरम (चेन्नै) नई ट्रेन

- तमिलनाडु के डेल्टा क्षेत्र में बेहतर सड़क और रेल संपर्क से स्थानीय विकास को गति
- धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुँच सुगम बनेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा

का हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ

वालाजापेट/रानीपेट–तमिलनाडु/आंध्र प्रदेश सीमा खंड के एनएच-40 का चार लेन चौड़ीकरण

- आध्यात्मिक स्थलों और महानगरों के बीच रेल संपर्क होगा और भी तेज
- श्रद्धालुओं, पर्यटकों और दैनिक यात्रियों को मिलेगा सीधे और सुविधाजनक सफर का लाभ

का शिलान्यास

₹ 8500 करोड़ की परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण एवं शिलान्यास

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

आर. एन. रवि
राज्यपाल, तमिलनाडु

एम. के. स्टालिन
मुख्यमंत्री, तमिलनाडु

नितिन जयराम गडकरी
केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

डॉ. एल. मुरुगन
केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण व संसदीय कार्य राज्य मंत्री

तंगम तेन्नरसु
वित्त एवं पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन मंत्री तमिलनाडु सरकार

आर. एस. राजकण्णप्पन
दुग्ध व डेयरी विकास मंत्री तमिलनाडु सरकार

बंगाल में रामनवमी के आयोजन पर कोहराम

पश्चिम बंगाल में राम नवमी के कार्यक्रम पर गरमाई राज्य की सियासत

ममता भी निकालेंगी जुलूस भाजपा-टीएमसी आमने-सामने

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में राम नवमी के जुलूस को लेकर राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। टीएमसी और भाजपा आमने-सामने हैं। अदालत ने 6 अप्रैल को जुलूस निकालने की इजाजत दे दी है। भाजपा समेत कई हिंदू संगठन जुलूस निकालने के लिए तैयार हैं। अब टीएमसी भी जुलूस निकालने जा रही है। हालांकि बंगाल सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा है। विधायक शौकत मोल्लाह ने दावा किया कि टीएमसी कैनिंग में होने वाली रामनवमी की विशाल रैली में शामिल होगी। जुलूस के आयोजक ने उनको भी न्योता दिया है। उन्होंने भड़काऊ माहौल बनाने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाया। मोल्लाह ने कहा कि भाजपा नेता सुकांत मजूमदार, सुवेंदु अधिकारी और दिलीप घोष धर्म का राजनीतिकरण कर रहे हैं।

41 शोभायात्राओं को मिली अनुमति

बंगाल में इस बार राम नवमी का जुलूस कितना भव्य होगा इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि शोभायात्रा के लिए ढाई हजार से ज्यादा आवेदन दिए गए हैं। 60 शोभायात्राएं तो अकेले कोलकाता में ही निकालने की तैयारी हो रही है, जिनमें 41 को इजाजत मिल गई है।

केवल हिंदू त्योहारों पर समस्याएं क्यों हो रहीं: घोष

भाजपा नेता दिलीप घोष ने सवाल उठाया कि पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में हिंदू त्योहारों के दौरान समस्याएं क्यों पैदा होती हैं? ममता सरकार और पुलिस हिंदू त्योहारों को रोकने के लिए तरह-तरह के बहाने बनाती है। कहते हैं कि अगर कोई गड़बड़ी होती है, तो जुलूस की इजाजत नहीं दी जाएगी, लेकिन गड़बड़ी आप ही पैदा करते हैं। वे बहाने लेकर कोर्ट में जाते हैं। उन्हें बहाना बंद कर देना चाहिए, क्यों कि हिंदू समाज कानून के दायरे में रहकर ही अपने कार्यक्रम का आयोजन करता है।

बंगाल में हाई अलर्ट भारी पुलिस बल तैनात

कोलकाता हाई कोर्ट का जुलूस को परमिशन देना ममता सरकार के लिए किसी झटके से कम नहीं है। हालांकि अब जब जुलूस निकलेगा ही तो कोई अप्रिय घटना न घटे ये देखना सरकार की जिम्मेदारी होगी। यही वजह है कि पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था सख्त की जा रही है। संवेदनशील इलाकों में 29 अफसरों की तैनाती की गई है। अकेले कोलकाता में 5 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

जादवपुर विश्वविद्यालय मामला

रामनवमी के लिए अनुमति नहीं दी, छात्रों ने प्रशासन पर लगाए पक्षपात के आरोप

कोलकाता स्थित जादवपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुलपति के नहीं होने का हवाला देते हुए विश्वविद्यालय परिसर में रामनवमी मनाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। हालांकि प्रशासन के इस कदम के बाद छात्रों में काफी निराशा है। कई छात्रों ने इसे कॉलेज प्रशासन के द्वारा दिया जा रहा बहाना करार दिया। इन्हीं में से ए छात्र सोमसूर्या बनर्जी ने अपनी नाराजगी व्यक्त की। सोमसूर्या ने बताया कि जब उन्होंने विश्वविद्यालय से अनुमति प्राप्त करने के लिए संपर्क किया, तो उन्हें बताया गया कि कुलपति की अनुपस्थिति के कारण अनुमति नहीं दी जा सकती है।

आप ने भाजपा को घेरा, 'दिल्ली में 'शिक्षा माफिया' वापस आ गया'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ सिसोदिया बोले- कई प्राइवेट स्कूलों ने 82 फीसदी तक फीस वृद्धि की

आम आदमी पार्टी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली की रेखा सरकार पर तीखा हमला किया और निजी स्कूलों को मनमानी फीस वृद्धि लागू करने की अनुमति देने के लिए उसकी निंदा की। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आप के वरिष्ठ नेता और पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने दिल्ली के शैक्षिक ढांचे को 'शिक्षा माफिया" के हवाले कर दिया है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि जब से दिल्ली में भाजपा सरकार सत्ता में आई है, लोग परेशान हैं। अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं, लंबे समय तक बिजली कटौती होती है और अब निजी स्कूल फीस बढ़ाकर अभिभावकों को लूट रहे हैं। सिसोदिया ने आरोप लगाया कि कई निजी स्कूलों ने अपनी फीस में 20 से 82 प्रतिशत तक की वृद्धि की है।

हिंद महासागर में भारत की तैनाती मित्र देशों के लिए भी : राजनाथ

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने करवार, कर्नाटक में कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मुक्त नौवहन, नियम आधारित व्यवस्था और शांति सुनिश्चित करना भारत का सबसे बड़ा उद्देश्य है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण करवार नौसैनिक अड्डे पर लोगों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, 'हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की तैनाती सिर्फ हमारे लिए नहीं बल्कि मित्र देशों के लिए भी है।'रक्षा मंत्री सिंह ने शनिवार को कर्नाटक के करवार नौसैनिक अड्डे से हिंद महासागर पोत 'सागर' को हरी झंडी दिखाई। आईएनएस सुनयना से जुड़े इस जहाज में नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार हैं। इस दौरान, सिंह ने नौसैनिक अड्डे पर नौसेना की तमाम परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। यहां हुए औपचारिक कार्यक्रम में राजनाथ ने कहा कि भारत का प्रयास हिंद महासागर क्षेत्र को और अधिक शांतिपूर्ण एवं समृद्ध बनाना है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

शुद्धिपत्र /सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– BCD/EE/HAZARIBAG/77/2024-25 ,PR संख्या– 349525 Building (24-25).D द्वारा प्रकाशित निविदा कार्य का नाम - Proposed Construction Of 50 Bedded Hostel for Madarsa Hussania Education and Welfare Trust at Block - Katkamsandi, Vill-Pelawal, Hazaribagh For The Year 2024-2025 का Estimated Cost-28921205/- एवं Earnest Money-289200/- पढा जाय।

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

PR 349808 (Building) 25-26 (D)

'कौन बनेगा करोड़पति' के 17वें सीजन का ऐलान

एजेंसी ▶▶ मुंबई

टीवी का मशहूर क्विज रिएलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' एक बार फिर नए अंदाज में लौट रहा है। 11 मार्च 2025 को पिछले केबीसी 16 खत्म होने के ठीक 24 दिन बाद, मेकर्स ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के 17वें सीजन का अनाउंसमेंट कर दिया है। शो का लेटेस्ट प्रोमो जारी हुआ है जिसमें कोई और नहीं बल्कि दिग्गज अभिनेता और शो की जान होस्ट अमिताभ बच्चन हैं दर्शकों को केबीसी 17 के बारे में बता रहे हैं। इसी के साथ इस सीजन के लिए रजिस्ट्रेशन भी जल्द शुरू हो रहे हैं। प्रोमो में अमिताभ बच्चन को सोफे पर दर्द से कराहते हुए दिखाया गया है, इसके बाद एक डॉक्टर के साथ उनकी मजेदाप बातचीत होती है। आगे बिग बी बताते हैं कि केबीसी 17 के बार में बताते हैं और इसी रजिस्ट्रेशन डेट अनाउंस करते हैं। आपको बता दें, 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के लिए रजिस्ट्रेशन लाइनें 14 अप्रैल 2025 से खुलेंगी।

KAUN BANEGA CROREPATI KAUN BANEGA

रजिस्ट्रेशन लाइनें खुलेंगी 14 अप्रैल 2025 से

बिगबी ही करेंगे 17वें सीजन का आगाज

आपको बता दें, रजिस्ट्रेशन के लिए होस्ट अमिताभ बच्चन दर्शकों से सवाल करते हैं। ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए लोग इसमें पार्टिसिपेट करते हैं। 14 अप्रैल से होस्ट बिग बी के सवाल शुरू हो जाएंगे। वहीं नए सीजन के अनाउंसमेंट के बाद से ही फैंस एक्साइटेड हो उठे हैं। एक बार फिर बिग बी अपनी बुलंद आवाज से कौन बनेगा करोड़पति के 17वें सीजन का आगाज करेंगे। हालांकि केबीसी 17 कब से शुरू होगा इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी होने के कुछ महीनो बाद शो की मेकिंग शुरू होती है।

छत्तीसगढ़ बनेगी भारत की निकेल राजधानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ भारत का सबसे रणनीतिक स्वच्छ-तकनीक खनिज केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है, क्योंकि भालुकोना-जामनीडीह निकेल-क्रोमियम-पीजीई ब्लॉक अब अपने विकास चरण में प्रवेश कर चुका है। डेक्कन गोल्ड माइंस लिमिटेड को संयुक्त लाइसेंस जारी किया गया है, जो भारत की पहली निकेल वैली की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है- एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड पारिस्थितिकी तंत्र जो देश की इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी निर्माण क्रांति को ऊर्जा प्रदान करेगा। यह ब्लॉक, जिसे मूल रूप से जीएसआई द्वारा भूभौतिकीय और भू-रासायनिक सर्वेक्षणों के माध्यम से पहचाना गया था, अब संभावना से उत्पादन की ओर बढ़ रहा है और छत्तीसगढ़ भारत की निकेल राजधानी बनने को तैयार है। भूविज्ञान, अवसंरचना और राजनीतिक इच्छाशक्ति के सही संगम के साथ, छत्तीसगढ़ एक राष्ट्रीय स्तर के स्वच्छ ऊर्जा औद्योगिक गलियारे के लिए आदर्श स्थल बन रहा है।

■ भालुकोना-जामनीडीह ब्लॉक राष्ट्रीय निकेल वैली के दृष्टिकोण का केंद्र

छत्तीसगढ़ सरकार की प्रशंसनीय भूमिका : नौशाद

डेक्कन गोल्ड माइंस लिमिटेड के उपाध्यक्ष नौशाद अहमद ने छत्तीसगढ़ सरकार की पारदर्शिता, नीतिगत स्थिरता और उद्योग-अनुकूल दृष्टिकोण की सराहना की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जिस तरह से सुशासन और पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है, उससे उद्योगों के लिए कार्य करना सरल और प्रभावी बन गया है। हम राज्य सरकार के इस सहयोगात्मक दृष्टिकोण की सराहना करते हैं जो संभावित कंपनियों को भरोसे और गति के साथ कार्य करने में सक्षम बनाता है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

कुक/घरेलु कार्य

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आगे वी.आई.पी. चौक के पास, रायपुर में शाकाहारी खाना एवं अन्य घरेलू कार्य करने के लिए पुरुषो की आवश्यकता है। ग्रामीणों को प्राथमिकता। पान, गुटखा, तंबाकू या किसी प्रकार का नशा न करने वाले व्यक्ति संपर्क करें। संपर्क करें: 9300593000.(RO-1243)

पेट्रोल पम्प कर्मी

आवश्यकता है- उरला कन्हेरा स्थित पेट्रोल पंप हेतु लड़को की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति - आवेदन Bio-data एवं समस्त दस्तावेज सहित सम्पर्क करे- डागा पेट्रोल पंप, कन्हेरा 94242-25533.(RO-272)

मैकेनिकल कार्य

आवश्यकता है- भिलाई चरोदा रेल्वे क्षेत्र में मैकेनिकल कार्य हेतु किसी भी ट्रेड में आईटीआई पास लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है ईएसआईसी, पीएफ के साथ आकर्षक वेतन संपर्क:- 9691561188 (आरो नं.-717)

ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित रियल स्टेट कंपनी में भिलाई लोकेशन हेतु, ऑफिस बॉय की आवश्यकता है, 10 वी पास एवं अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार। संपर्क- 8898306907 (आरो नं.-704)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी शोरूम हेतु सेल्समेन, सेल्सगर्ल, हेल्पर कम्प्यूटर ऑपरेटर सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, संपर्क समय सुबह 10.30 से रात 9.30 तक Mob. 9425216364, 9340477419.(RO-3411)

हरिभूमि क्लासीफाईड

नर्सिंग स्टाफ

REQUIRED
B.Sc. Nursing (Experience 5-10 Years):20000/-
B.Sc. Nursing (Experience 1-3 Years): 15000/-
B.Sc. Nursing (Fresher): 11000/-
GNM (Experience 1-3 Years):13000/-
GNM (Fresher) : 9000/-
TPA Operator/Receptionist
All Nursing Staff
Accommodations available
Agrawal Hospital DEVOTED TO LIFE
Contact No. 9827488000 / 9302761188
Address: Agrawal Hospital, Infront of Maruti Business Park, G.E. Road, Raipur (C.G.)

मार्केटिंग/सेल्समैन

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्स गर्ल एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। कृपया संपर्क करें :- नाहर मेडिकल स्टोर्स सिविक सेंटर, भिलाई (आरो नं.-715)

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, RAIPUR) मे काम करने के लिए मेहनती स्टाफ लड़का / लड़की की आवश्यकता एवं सेल्समेन की आवश्यकता है मो.7067048454. (RO-D)

आवश्यकता है- डिटॉल कंपनी के प्रोडक्ट की रायपुर में मार्केटिंग हेतु अनुभवी सेल्समैन की जो जनरल व मेडिकल मार्केट के बारे में जानकारी रखता हो, संपर्क करे:- अग्रवाल एजेंसी रायपुर Mob. 98264-16557.(RO-om)

हेमाल

आवश्यकता है- उरला मेटल पार्क में काम करने के लिए हेमाल की आवश्यकता है। रहने की सुविधा उपलब्ध है। संपर्क करें- जय गोपाल सोसायटी, फाफाडीह चौक BSNL ऑफिस के सामने रायपुर (छ.ग.) फोन 0771-4095884.(RO-379)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

टाइपिस्ट

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर घर में लेपटॉप में अंग्रेजी टाइपिस्ट की आवश्यकता, काम का समय शाम 4-5.30 तक, वेतन योग्यता अनुसार संपर्क 9300201654, 07714907983 (RO-7084)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- सदर बाजार रायपुर किताब दुकान मे कार्य हेतु युवको व नवयुवको की अवश्यकता है। संपर्क करें - अजंता बुक डिपो रायपुर मो. 9302566690 (RO-7083)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क करें:- रॉयल इमीटेशन फौवारा चौक, नयापारा रायपुर मोबाइल 93035-07722. (RO-M)

आवश्यकता है- सेनेटरी हार्डवेयर दुकान में कार्य करने लड़कों की आवश्यकता है। एवं एक कार ड्राइवर की आवश्यकता है संपर्क :- जय श्री इंटरप्राइजेज नेहरू भवन के सामने सुपेला भिलाई- 98271-06108, 96302-95106 (आरो नं.-714)

खेती कार्य

आवश्यकता है- केंशो ऍग्रो फार्म उमरेड नागपुर में पशुपालन और खेती काम के लिए पती-पत्नी-जोड़ा चाहिए. निवास बिजली मुफ्त. रोड टच फार्म. आकर्षक वेतन. संपर्क भीमराव ढोके 9869823811(RO-7079)

शोरूम

आवश्यकता है- इंटीरियर प्रोडक्ट शोरूम में माल दिखाने हेतु एक नवयुवक- एक नवयुवती की आवश्यकता है। संपर्क करें-श्री ट्रेडर्स इंटीरियर वर्ल्ड भाटागांव जलगृह मार्ग 7879311110 (RO-7080)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

सिविल इंजीनियर

Urgent Requirement
Civil Engineer,
Site Supervisor
Accountant
Office Boy
Driver...
Nalini Associates
Mob. 8349993093,9300112093

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ बी.एस.सी नर्सिंग, जी.एन.एम व कंप्यूटर ऑपरेटर एवं डायलिसिस टेक्निशियन एवं वार्ड बाय एवं स्वीपर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें- श्री कृष्ण हॉस्पिटल न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल नंबर - 9691631006, 9617952445. (RO-7075)

कुक/घरेलु कार्य

आवश्यकता है- खाना बनाने एवं घरेलू कार्य करने हेतु ईमानदार लड़की/ महिला की आवश्यकता है । रहने खाने की सुविधा फ्री , वेतन योग्यतानुसार , परित्यक्ता ,विधवा, बेसहारा को प्राथमिकता । संपर्क करें- 88393-04037, 74890-17986 (आरो नं.-7171)

आवश्यकता है- आदर्श गर्ल्स हॉस्टल नेहरूनगर पूर्व भिलाई में खाना बनाने महिला या पुरुष कुक एवम गर्ल्स की देखरेख करने पूरे समय के लिए सिंगल विडो महिला वार्डन की आवश्यकता है आवास एवं भोजन सुविधा उपलब्ध संपर्क:- 9424119112. (आरो -716)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में पैकींग कार्य हेतु लडको की आवश्यकता है। पता-लीला मेडिकल एजेंसी Shop No- 165 औषधि वाटिका डूमरतराई रायपुर छ.ग.mo-9827405123.(RO-590)

छोटा विज्ञापन

ड्रायवर

ड्राईवर चाहिये- जो ऑफिस कार्य कर सके। अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क समय 12 से 5, गणेश राम नगर, मालवीय रोड रायपुर 6268524045, 7974603435.(RO-166)

आवश्यकता है- हॉस्टल में आवश्यकता है ड्राइवर गार्ड नशा मुक्त एकल व्यक्ति रहने खाने की सुविधा Drivering Licence जरूरी अनुभवी एवं शाकाहारी को प्राथमिकता जैन गर्ल्स हॉस्टल लक्ष्मी नगर पचपेड़ी नाका रायपुर 9425206595 (RO-7370)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- टेलीकॉलर ऑफिस में काम करने के लिए लड़को के जरूरत है 20 वर्ष से 28 वर्ष वाले सम्पर्क करे ऑल इंडिया प्लेसमेंट शुरुआती वेतन 10000 रहना फ्री संपर्क करें, 7310671995, 6387630593.(RO-313)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो कटनी ग्वालियर में काम कर सके वेतन- 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना खाना फ्री, ट्रेनिंग बाद 15,000 से 20000 महीने। संपर्क करें- 8982690021, 9340613449.(RO-312)

आवश्यकता

आवश्यकता है- लोन रिकवरी एजेंसी में विभिन्न कंपनियों के कार्य हेतु टेलीकॉलर (महिला) रायपुर ऑफिस के लिए एवं फील्ड कलेक्शन के कार्य हेतु (पुरुष) संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में आवश्यकता है । नोटः- टेलिकॉलर के लिए कम से कम 12 वी पास एवं कंप्यूटर में एक्सेल का ज्ञान आवश्यक है । फील्ड कलेक्शन कार्य हेतु 10th -12th की न्यूनतम योग्यता , खुद की दोपहिया वाहन के साथ ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है । आकर्षक सैलरी एवं इंसेंटिव संपर्क - 7223099331 , 9826179609 (RO-7081)

क्लासीफाईड

सेल्स मैनेजर/सुपरवाइजर

ATHER
REQUIRED
• Sales Manager - 01
• Service Advisor - 01
• Sales Executives - 03
• CRE - 02
• Supervisor - 01
• Technicians - 02
Ather Space Bhilai
7000087820
ather.bhilai@gmail.com

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग एवं हेल्पर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध अशोक एंटरप्राइजेज आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 9:00 से 9:00 तक मोबाइल नंबर- 8770676924. (RO-589)

अन्य

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 9202613238. (RO-749)

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- राजपूत 33 वर्षीय डॉ.एमबीबीएस कन्या के लिये समकक्ष (डा. लेक्चरार) वर चाहिये छत्तीसगढ़ निवासी को प्राथमिकता दिया जाएगा मो. 9425283952 (7082)

वधु चाहिए

वधु चाहिए- अग्रवाल युवक उम्र 25 वर्ष रंग गोरा इकलौता स्वंय का घर ऊंचाई 5फीट 5" शुद्ध शाकाहारी हेतु शाकाहारी वधु चाहिए। व्यवसाय स्वयं का व्यवसाय है। जाति बंधन नही शादी मन्दिर में करना है दहेज नही चाहिए मों. 7049784336 (7067)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

गुप्त रोगो का सफल ईलाज
- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड,सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 35 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
GST 5% For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय [illegible]

जैकेट के शेष

प्राइवेट मेडिकल कालेजों ....

इसके शुल्क के नाम पर करीब पांच लाख रुपए प्रत्येक छात्र से अतिरिक्त वसूले गए। एक कॉलेज में हर साल करीब 600 छात्रों के पालकों को 30 करोड़ रुपए के शुल्क का अतिरिक्त भुगतान करना पड़ा, यानी पिछले चार साल में श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस जुनवानी भिलाई, श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, मोवा और रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस भानसोज ने मिलकर 360 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वसूली कर डाली। फीस विनियामक समिति ने मामले की जांच के बाद शिकायत सही पाने पर तीनों कॉलेजों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया और 10-10 लाख जुर्माना लगाने के साथ पिछले चार साल में हुई अतिरिक्त वसूली की वापसी 7 फीसदी ब्याज के साथ करने के निर्देश दिए। कॉलेजों को यह भी चेताया गया है कि एक माह के भीतर छात्रों के खाते में यह राशि जमा कराई जाए। जुर्माना राशि एक माह के भीतर जमा नहीं कराई जाती है तो तीनों मेडिकल कॉलेजों की मान्यता निरस्त कर दी जाएगी।

25.20 करोड़ अतिरिक्त ....

आंकड़ों के अनुसार, तीनों कॉलेजों ने मिलकर चार साल में करीब 360 करोड़ रुपए वसूले हैं। 7 प्रतिशत ब्याज यानी 25 करोड़ 20 लाख रुपए अतिरिक्त राशि के साथ प्रभावित छात्रों को वापस करने होंगे। मनमानी वसूली के शिकार चिकित्सा छात्र शुल्क के रूप में जमा राशि की रिसिप्ट के आधार पर शुल्क प्राप्त करने के हकदार होंगे।

एनआरआई से ...

एनआरआई कोटे की सीट के लिए एक से सवा करोड़ रुपए तक लिए जाते हैं। यूजी के साथ पीजी यानी एमडी-एमएस की पढ़ाई करने वाले डॉक्टरों से भी अनिवार्य रूप से इस फीस की वसूली की जाती है, फिर चाहे में हॉस्टल में रहे अथवा न रहे। कॉलेज आने के लिए उपलब्ध वाहन का उपयोग करे या न करे और मेस में खाना खाए अथवा न खाए।

शिकायत सेल नैतिक ....

से फीस वापसी के फैसले का स्वागत किया है। पिछले कुछ समय से पालकों की तरफ से शिकायतें मिलती रही हैं, लेकिन बच्चों के संभावित अहित के कारण कोई सामने नहीं आ पाता है। बेहतर होगा कि भविष्य में चिकित्सा शिक्षा विभाग की शिकायत सेल अपनी नैतिक जिम्मेदारी ठीक से निभाए और सभी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा शिक्षा विभाग के ऑफिस तथा फीस नियामक समिति के दफ्तर में शिकायत अथवा सुझाव पेटी का प्रावधान करे।

नन्हीं अक्षिता को ....

राधा भाकर और अर्जुन भास्कर की पुत्री है। इनका मुख्य व्यावसाय खेती किसानी है। हरिभूमि से चर्चा में राधा भास्कर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था। इस खुशी को हम जाहिर नहीं कर सकते। हम इसे गांव में जाकर साझा करेंगे। गौरतलब है कि समूह को 50000/-की राशि के अलावा प्रशस्ति पत्र केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से हाईस्कूल मैदान दंतेवाड़ा में प्राप्त किया।

शाह की दो टूक, सरेंडर ....

जरूरत नहीं है, मेरा पुनः निवेदन है कि हर गांव को नक्सलमुक्त करने का काम करें।

2025 में 521 नक्सली सरेंडर कर चुके : गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ आज हम दोनों तरह से आगे बढ़ रहे हैं। जो समझ गए हैं कि अब विकास के लिए हाथ में बंदूक की जरूरत नहीं है, अब कंप्यूटर की जरूरत है। विकास के लिए हाथ में आईईडी और हथगोला नहीं चाहिए, कलम चाहिए, वे सभी सरेंडर हो गए। 2025 के चौथे महीने के दौरान 521 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। वहीं 2024 में 881 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। शाह ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाया हूं, जो सरेंडर होंगे वे मेन स्ट्रीम में आएंगे और जो हथियार उठाएंगे उनके खिलाफ सुरक्षाकर्मी मोर्चा संभालेंगे। चाहे जो भी होगा।

ग्राम सभा कर नक्सलियों का सरेंडर कराएं : केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि विकास, विश्वास और विजय की लौ के साथ हमारा बस्तर आगे बढ़ रहा है। आज मैं सभी से अपील कर रहा हूं एक गांव के विकास के लिए एक करोड़ रुपए मिलेगा। गांव में सबके आधार कार्ड बनेंगे, सबके राशन कार्ड बनेंगे। हर गांव में छोटा दवाखाना होगा, स्कूल होगी। मेरी विनती है कि जितने भी नक्सली आपके गांव में हैं। गांव में सभा कर सरेंडर की प्रक्रिया में डाल दीजिए, हमारे गांव विकास का रास्ता खुल जाएगा।

बस्तर प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत का संगम : मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, यहां अनेक जलप्रपात और अबूझमाड़ के घने जंगल हैं। यहां फिर से देश-दुनिया के पर्यटक आएंगे और बस्तर को उसका गौरवमय स्थान मिलेगा। बस्तर पंडुम में 47 हजार कलाकारों और बस्तर ओलंपिक में 1.65 लाख युवाओं की भागीदारी इस परिवर्तन की सबसे बड़ी गवाही है।

डबल इंजन सरकार की योजनाएं बदल रही हैं जिंदगी : मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 15 महीनों से राज्य में डबल इंजन की सरकार है। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों से जुड़ी योजनाएं और 70 लाख माताओं और बहनों को हर महीने 1000 रुपए देने वाली महतारी वंदन जैसी योजनाओं के माध्यम से मोदी की गारंटी को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 100 से अधिक गांवों में सुरक्षा कैंप खोले जा चुके हैं। इन कैंपों के माध्यम से सड़क, बिजली, पानी, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, और स्कूल-अस्पताल जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। जहां पहले गोलियों की आवाज आती थी, अब वहां स्कूल की घंटी बज रही है।

नक्सल मुक्त गांव को मिलेगा एक करोड़ : केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि बस्तर में तभी शांति आ सकती है, जब बस्तर के लोग तय करें कि हर गांव को नक्सल मुक्त कराएं। मुख्यमंत्री विष्णु देव और विजय शर्मा ने घोषणा किया है कि जो गांव नक्सली को सरेंडर कराएगा, उस गांव को नक्सलमुक्त घोषित कर एक करोड़ रुपये देंगे। यह बहुत बड़ी राशि है। इससे गांव का विकास होगा। अगले साल मार्च तक पूरे देश को इस लाल आतंक से मुक्त करने का काम भाजपा की सरकार करेगी।

लौटेंगे बस्तर के सुनहरे दिन : साय : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर अब बदल रहा है, और यह बदलाव स्थायी होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बस्तर के लोग अब नक्सलवाद से मुक्ति चाहते हैं और विकास की मुख्यधारा से जुड़कर आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन इस जनभावना के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बल के जवानों की मजबूत कार्रवाई के कारण निरंतर सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री ने आशा जताई कि मां दंतेश्वरी की कृपा से यह संकल्प अवश्य पूरा होगा।

86 नक्सलियों ने छोड़ा ....

आईजी चंद्रशेखर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। छग के बस्तर में सक्रिय सभी नक्सलियों ने कोठागुडेम के हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय पहुंचकर मल्टी जोन 1 के आईजी चंद्रशेखर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण किया। समर्पित नक्सली लंबे समय से नक्सल संगठन में सक्रिया रहकर आईईडी ब्लास्ट, फायरिंग, हत्या व ठेकेदारों से वसूली जैसी गंभीर मामलों में शामिल रहे हैं। आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने बताया कि इन सभी ने तेलंगाना सरकार द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन चेयुथा से प्रभावित होकर छग के दक्षिण बस्तर एरिया में सक्रिय सभी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। तेलगांना सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास योजना के तहत तत्काल 25-25 हजार रुपए की सहायता राशि भी प्रदान की है। यह समर्पण ऐसे समय में हुआ, जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर में नक्सल विरोधी गतिविधियों की समीक्षा कर रहे हैं। यह घटनाक्रम सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, जिससे क्षेत्र में शांति बहाली की उम्मीद और भी मजबूत हो गई है। दो दिन पूर्व सुकमा जिले में भी एसपी किरण चव्हाण के समक्ष नक्सली कमाण्डर बारसे देवा के भाई समेत 20 लाख के ईनामी 3 पुरुष व 1 महिला नक्सली ने आत्मसमर्पण किया था।

समर्पित नक्सलियों में यह शामिल : तेलगांना स्टेट में समर्पण करने वाले नक्सलियों में 5 लाख का ईनामी सेण्ट्रल कमेटी मेंबर के प्रोटेक्शन कमाण्डर एसीएम एरिया कमेटी मेंबर 30 वर्ष निवासी रामपुर थाना उसूर जिला बीजापुर के अलावा पार्टी मेंबर माड़वी लक्के, कुजांम वनिता, हुर्रे सोढी, माड़वी नंदा, कड़ती देवा, वेट्टी हुंगा, कलमू देवा, कवासी बुधरा, मुसाकी रसा, कमलू सुक्का, केकडी देवा, वट्टी हुंगा, पोडियाम कोसा, कवासी आयता, मिड़ियम जोगा, वट्टी मडा, कुजांम देवा, कवासी मड्डा, वेको हड़मा, वेको भीमा, सोड़ी गंगी, सोड़ी भीमा, सुन्नम सर्वेश्वर, सोड़ी लक्ष्मैया, मड़कम गंगा, सुन्नम रमेश, माड़वी हिड़मा, माड़वी गंगा, सोड़ी हुर्रा, कट्टम गोविंद, पोयाम विराजु, माड़वी मड्डा, माड़वी पिके, माड़वी पोज्जे, मुचाकी पली, नुपो लिंगे, कुंजाम भीमा, माड़वी मड्डा, करका शंकर, पोयोम बुचीराजू, सुन्नम बाबूराव, सोड़ी मुक्के, माड़वी जोगा, मुचाकी भीमा, वाचेम दिलीप, लक्का कलमू, मड़कम जोगा, कलमू लक्के, कलमू गंगा, वेंजाम मुक्का, कलमा मोया, मड़कम आसमति, कट्टम हिड़मा, मड़कम गंगी, कुंजाम आयते, पदाम हिड़मा, कयमु काड़ा, सोड़ी बुद्रा, माड़वी भीमा, माड़वी देवा, माड़वी जोगा, माड़वी उरा, माड़वी भीमा, माड़वी रमेश, माड़वी सुभाष, सोड़ी सुकमति व अन्य शामिल है।

डबल इंजन की सरकार ....

लिए राज्य पुलिस और केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियाँ में समन्वय और बेहतर होना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास और सुरक्षा दोनों ही मोर्चों पर प्रगति संतोषजनक हुई है। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रशासन से नक्सल प्रभावित इलाकों में सरकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंचाने के लिए बनाई गई 'नियद नेल्लानार' को सुरक्षा बलों के शिविरों के 5 किलोमीटर के दायरे से बढ़ाकर 10 किलोमीटर करने को कहा। श्री शाह ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता को विकास के समान अवसर मिले। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान का **Momentum** किसी भी सूरत में कम नहीं होना चाहिए। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, आईबी के निदेशक, केंद्रीय गृह मंत्रालय में विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल और भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के महानिदेशक, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

आरटीआई में जानकारी ....

आयोग से वर्ष 2020 से लेकर फरवरी 2025 तक की जानकारी मांगी। इसके तहत उन्हें राज्य सूचना आयोग ने बताया कि 1 जनवरी 2020 से 21 फरवरी 2025 तक 2493 जन सूचना अधिकारियों पर सूचना नहीं देने, जानबूझकर देरी करने या अधिनियम की अवहेलना करने के कारण 4 करोड़ 81 लाख 77 हजार 188 रुपए का अर्थदंड (जुर्माना) लगाया गया। आयोग ने स्पष्ट आदेश दिया था कि इन अधिकारियों से वसूली कर राज्य सरकार के राजकोष में राशि जमा कराई जाए, लेकिन इनमें से मात्र 286 अधिकारियों से 42 लाख 31 हजार 250 रुपए की वसूली की गई है। बाकी 2207 अधिकारी अब तक बचे हुए हैं, जिनसे 4 करोड़ 39 लाख 45 हजार 938 रुपए की वसूली नहीं की गई है। यह राशि सीधा-सीधा सरकार के राजस्व को नुकसान है।

प्रशासन की विफलता .....

करना प्रशासन का कार्य है। यदि अधिकारी आदेश के बावजूद वसूली नहीं कर रहे हैं, तो यह सरकार की प्रशासनिक विफलता और राजस्व संरक्षण में लापरवाही को दर्शाता है।

जिम्मेदार अफसरों ने ....

सूचना अधिकारी लापरवाही करते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जाता है और वसूली की जिम्मेदारी उनके वरिष्ठ अधिकारियों की होती है।

खनिज प्रबंधन में ....

कि खनिज राजस्व संग्रहण में जिला दंतेवाड़ा ने सर्वाधिक 6 हजार 580 करोड़ रुपये का योगदान दिया है जो प्रदेश में सबसे अधिक है। इसके अलावा कोरबा से 2 हजार 148 करोड़, रायगढ़ से 2027 करोड़, बालोद से 1 हजार 313 करोड़, सरगुजा से 585 करोड़, बलौदाबाजार से 354 करोड़, कांकेर से 328 करोड़, तथा सूरजपुर से 155 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्त हुआ है।

देश में छत्तीसगढ़ की भागीदारी 16 फीसदी : देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की मात्र 4 प्रतिशत की हिस्सेदारी होते हुए भी छत्तीसगढ़ का देश के कुल खनिज उत्पादन मूल्य में 16 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है। यहां मुख्य रूप से लौह अयस्क, कोयला, चूना पत्थर और बाक्साइट के विशाल भंडार हैं, जो खनिज राजस्व के प्रमुख स्रोत हैं। अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी की जा चुकी है, जिसमें अब तक चूना पत्थर के 14, लौह अयस्क के 9, बॉक्साइट के 11, स्वर्ण के 3, निकल, क्रोमियम के 2, ग्रेफाइट के 2, ग्लूकोनाइट के 2 और लिथियम के 1 खनिज ब्लाक की निलामी की गई है।

खनिज अन्वेषण कार्यों का विस्तार : राज्य सरकार ने चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क और ग्रेफाइट सहित कुल 13 खनिज परियोजनाओं में अन्वेषण कार्य शुरू किया है। प्रारंभिक सर्वेक्षणों में चूना पत्थर के 283 मिलियन टन, लौह अयस्क के 67 मिलियन टन और बॉक्साइट के 3 लाख टन भंडार का अनुमान लगाया गया है। स्वर्ण, ग्रेफाइट और ग्लूकोनाइट जैसे खनिजों की खोज भी की जा रही है, जिससे राज्य के खनन क्षेत्र को और मजबूती मिलेगी।

देश में छत्तीसगढ़ ....

निकल, क्रोमियम के 2, ग्रेफाइट के 2, ग्लूकोनाइट के 2 और लिथियम के 1 खनिज ब्लाक की निलामी की गई है।

लिथियम नीलामी में ....

संभावना है कि भविष्य में छत्तीसगढ़ भारत का प्रमुख लिथियम उत्पादन केंद्र बन सकता है।

पेज एक के शेष

भारतमाला में गड़बड़ी की...

सितंबर 2023 में प्राप्त हो गई थी। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने विधानसभा में अपने वक्तव्य में भी स्वीकार किया कि 43 करोड़ 18 लाख रुपए अधिक मुआवजा भुगतान कर शासन को करोड़ों की क्षति पहुंचाई गई।

चार शिकायतों की जांच में ही 48 करोड़ का खेल : भारतमाला प्रोजेक्ट में गड़बड़ी के संबंध में जिला प्रशासन के माध्यम से राज्य शासन को चार शिकायतें मिली। इन सभी शिकायतों की जांच कराई गई। शिकायतें जांच में न सिर्फ सही पाई गई, बल्कि पहली ही शिकायत में 43.18 करोड़ की गड़बड़ी का खुलासा हुआ। अन्य तीन शिकायतों में भी लगभग पांच करोड़ की गड़बड़ी पाई गई। इस तरह चारों शिकायतों की जांच में 48 करोड़ का खेल सामने आया।

एएसआई को 10 हजार...

पर अनावेदक द्वारा गाड़ी को अपने पास रखवा लिया गया। दूसरे दिन सुबह मनोज मिश्रा द्वारा पंचराम के वाहन को वापस कर दिया गया और कहा गया कि पैसे की व्यवस्था जल्द कर लेना। पंचराम मनोज मिश्रा को रिश्वत की रकम नहीं देना चाहता था बल्कि रिश्वत लेते हुए मनोज मिश्रा को पकड़वाना चाहता था, जिस पर शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही पाए जाने से मनोज मिश्रा को पकड़ने की योजना एसीबी द्वारा बनाई गई।

पीएम मोदी को श्रीलंका...

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने तथा पावर ग्रिड कनेक्टिविटी पर एक समझौता शामिल है। इससे पहले बैठक में प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच मछुआरों के विवादास्पद मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से सुलझाने की वकालत की और उम्मीद जताई कि श्रीलंका तमिल लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा और प्रांतीय परिषद के चुनाव कराएगा।

जगुआर लैंड रोवर...

असेंबल्ड व्हीकल्स पर 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद आया है। यह ऑर्डर ऑटो कंपोनेंट पर भी लागू होता है और उन आइटम्स पर टैरिफ 3 मई से लागू होगा। हालांकि भारत के कार मैन्युफैक्चरर को अमेरिका को सीमित एक्सपोर्ट के कारण कम डायरेक्ट इंपैक्ट का सामना करना पड़ेगा, फिर भी टाटा मोटर्स को अपनी ब्रिटिश सब्सिडियरी जेएलआर के जरिए नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

नाम परिवर्तन

मै अंशु कुमार प्रजापति पिता स्व. नंद कुमार प्रजापति उम्र 33 वर्ष निवासी मकान नं. 68, वार्ड नं. 05, प्रजापति पारा मुढ़ीपार, गड़बेड़ा, महासमुन्द (छ.ग.) 493551 का निवासी हूं जो निम्नानुसार कथन करता हूं :-

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।
2. यह कि, मेरे बारहवीं के मार्कशीट में मेरी माता का नाम सुनीता प्रजापति (SUNITA PRAJAPATI) लिखा हुआ है जो कि मेरे दसवीं के मार्कशीट में त्रुटिवश सुनीत प्रजापति (SUNIT PRAJAPATI) लिखा हुआ है। जिसे सुधार कर बारहवीं के मार्कशीट के अनुसार दसवीं के मार्कशीट में सुधार करने की कृपा करें।
3. यह कि, मेरी माता का नाम सुनीता प्रजापति के नाम से पढ़ा एवं जाना जाए।

सत्यापन

मै शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूं कि इस शपथ पत्र की कंडिका 1 से 3 में लिखे कथन मेरी जानकारी अनुसार सत्य एवं सही है। जिसे पढ़कर, समझकर आज दिनांक को अपने हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

शपथकर्ता
अंशु कुमार प्रजापति

तरकश

-संजय के. दीक्षित

चाल, चरित्र और लाल बत्ती

आखिरकार, सत्ताधारी पार्टी के 36 नेताओं को निगम-मंडलों में पोस्टिंग मिल गई। इनमें जमीन की दलाली और चापलूसी के लिए ख्यात कुछ गुरूघंटाल अच्छी पोस्टिंग पाने में कामयाब हो गए। बावजूद इसके पार्टी ने चाल-चलन और चरित्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सरकार बनने के बाद छह महीने तक जिन नेताओं ने मौके का फायदा उठाकर जमकर तोड़ी की, पार्टी ने उन्हें लाल बत्ती से आंखें फेर लिया। शौकीन मिजाजी को लेकर चर्चित कुछ नेताओं को झटका देकर बड़ा संदेश देने की कोशिश की गई है। लाल बत्ती के लिए सरकार और संगठन ने जो पैरामीटर सेट किया था, उनमें पार्टी के लिए परिश्रम के साथ छबि और आचरण मुख्य था। यही वजह रही कि काली कमाई वाले कुछ कारोबारी नेता अटैची लेकर घूमते रहे...मगर उनकी दाल नहीं गल पाई।

एक निगम, दो पार्टनर

रमन सरकार की तीसरी पारी में बीजेपी नेता छगन मूंदड़ा सीएसआईडीसी के चेयरमैन रहे। कांग्रेस गवर्नमेंट में यह पद खाली रहा। सरकार ने इसमें पोस्टिंग की जरूरत नहीं समझी। मगर विष्णुदेव सरकार ने राजीव अग्रवाल को सीएसआईडीसी का चेयरमैन बनाया है। राजीव रायपुर बीजेपी के शहर अध्यक्ष रहे हैं। वे छगन मूंदड़ा के बिजनेस पार्टनर हैं। छगन और राजीव ने मिलकर रायपुर रियल इस्टेट कंपनी बनाई थी। चलिये, सीएसआईडीसी में छगन के अनुभवों का लाभ राजीव को मिलेगा। दूसरा, सबसे महत्वपूर्ण यह कि वैश्य समुदाय को अब रंज नहीं रहेगा कि नई सरकार में उन्हें वेटेज नहीं दिया जा रहा।

सबसे बड़ा बोर्ड

ऐसे तो कहा जाए तो साल में 25 हजार करोड़ से अधिक का कारोबार करने वाला मार्केटिंग फेडरेशन याने मार्कफेड छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा बोर्ड (फेडरेशन) होगा। मगर नेताओं की नोटिस में न होने से सबसे अधिक आकर्षण सीएसआईडीसी, क्रेडा, माईनिंग कारपोरेशन, पाठ्य पुस्तक निगम, नागरिक आपूर्ति निगम, ब्रेवरेज कारपोरेशन जैसे बोर्ड-निगमों का रहता है। अलबत्ता, बिना मगजमारी के झोली भरने वाली निगम है तो वह है पाठ्य पुस्तक निगम की। एकदम साफ-सुथरा काम। साल में एक बार 50 लाख पुस्तकों के लिए पेपर और प्रिंटिंग का टेंडर होता है, और गिरे हालत में चार-पांच खोखा का इंतजाम। ब्रेवरेज कारपोरेशन में भी बिना मेहनत का सब कुछ आता है। ब्रेवरेज में प्रबल प्रताप की दावेदारी प्रबल होने के बाद भी पता नहीं वे कैसे चूक गए।

लाल बत्ती के बाद फुल स्टॉफ

मोतीलाल वोरा को छोड़ दें तो अविभाजित मध्यप्रदेश और पृथक छत्तीसगढ़ में कोई ऐसा चेहरा नहीं, जो निगम-मंडल अध्यक्ष की कुर्सी के बाद सियासत में शिखर पर जा पाया या नाम कमाया हो। अपवाद के तौर पर मोतीलाल वोरा राज्य परिवहन संघ के अध्यक्ष रहे, उसके बाद मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री तक पहुंचे। उनके अलावा कनक तिवारी हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन रहे और रामानुजलाल यादव माईनिंग कारपोरेशन के। दोनों का सियासी कैरियर इसी के साथ खतम हो गया। छत्तीसगढ़ बनने के बाद 25 सालों में कोई ऐसा निगम-मंडल के अध्यक्ष का नाम आपके ध्यान में नहीं होगा, जो उसके बाद राजनीतिक कैरियर आगे बढ़ा हो। गौरीशंकर अग्रवाल जरूर माईनिंग कारपोरेशन के चेयरमैन रहने के बाद विधानसभा अध्यक्ष बनें। मगर उन्हें अगले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। उनका भी सियासी कैरियर अब खतम ही समझिए। छत्तीसगढ़ बनने के बाद चार मुख्यमंत्री बनें और चारों सरकारों में 65 से अधिक मंत्री रहे, मगर किसी का भी बैकग्राउंड निगम और मंडल वाला नहीं रहा। बहरहाल, अभी जिन 36 नेताओं को पोस्टिंग मिली है, उनमें कई अच्छे और बढ़ियां काम करने वाले चेहरे हैं, उन्हें किसी अच्छे पंडित से 'ग्रह-दशा' ठीक करा लेनी चाहिए। नहीं हो तो अटल श्रीवास्तव से मशिवरा कर लें। अपवादस्वरूप पर्यटन बोर्ड के चेयरमैन रहने के बाद वे विधायक बनने में कामयाब रहे, वो भी मोदी गांरटी की लहर में।

हाईटेक लोक सुराज

लोक सुराज अभियान को इस बार गुड गवर्नेंस से जोड़ा जा रहा है। नाम भी रखा गया है सुशासन तिहार। इस बार शिकायत नहीं, सरकार समाधान पर जोर दे रही है। इसलिए शिकायत पेटी नहीं, समाधान पेटी और समाधान शिविर की बातें हो रही। इस बार टेक्नॉलाजी का भरपूर इस्तेमाल किया जाएगा। शिकायतों के लिए पंचायत मुख्यालयों में समाधान पेटी रखी जाएगी, तो लोग चलते-फिरते मोबाइल से भी अपने प्राब्लम पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे। साफ्टवेयर ऐसा तैयार किया जा रहा कि मोबाइल नंबर टाईप कर आवेदन की स्थिति का पता चल जाएगा। किस जिले में कितने आवेदन आए और उसका कैसे निबटारा हुआ...सीएम सचिवालय से इसकी सत्त मानिटरिंग की व्यवस्था बनाई जा रही है। पूरा सीएम सचिवालय पखवाड़े भर से इस काम में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों और प्रभारी सचिवों का महीने भर का दौरा कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

ईओडब्लू जांच और ब्रेकर!

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार शुरू से गुड गवर्नेंस को प्रायरिटी दे रही है। जाहिर है, सरकार बनते ही मंत्रियों को आईआईएम में क्लास कराई गई थी। सुशासन की दिशा में सरकार ने कई फैसले भी किए हैं। मुख्यमंत्री ने कई मौकों पर कहा है...करप्शन में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। अभनपुर भारतमाला परियोजना में 324 करोड़ के घोटाले में उन्होंने ईओडब्लू जांच का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। मगर यह भी सही है कि सिस्टम में बैठे कुछ लोग सरकार के गुड गवर्नेंस लाने की कोशिशों में रोड़े अटका रहे हैं। आलम यह है कि अभनपुर मुआवजा घोटाले की जांच की 12 मार्च को घोषणा हुई और उसकी नोटशीट सामान्य प्रशासन विभाग की फाइलों की ढेर से बाहर निकल नहीं पा रही है। सिस्टम को गुड गवर्नेंस के ऐसे 'ब्रेकरों ' पर नजर रखनी चाहिए।

कलेक्टरों का ट्रांसफर

सुशासन तिहार से पहले कलेक्टरों के ट्रांफसर की चर्चाएं बड़ी गर्म है। पिछले बुधवार को लिस्ट निकलने की अटकलें ब्यूरोक्रेसी में बड़ी तेज थी। हालांकि, सस्पेंस इस पर भी है कि लोक सुराज से पहले ट्रांसफर होंगे या बाद में। इसमें ताजा अपडेट है...लोक सुराज से पहले कलेक्टरों की एक लिस्ट निकलेगी। अमित शाह के दौरे के बाद इस पर मंत्रणा होगी कि किन-किन जिलों में बदलाव किया जाए। वैसे लिस्ट बहुत बड़ी नहीं होगी। पांच-सात जिले इसकी चपेट में आ सकते हैं। 8 अप्रैल से सुशासन तिहार शुरू होने वाला है। ऐसे में लगता है कि दो-एक दिन में सरकार को इस पर फैसला लेना होगा।

नए सीआईसी और परसेप्शन

मुख्य सूचना आयुक्त का इंटरव्यू देने चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन और निर्वतमान डीजीपी अशोक जुनेजा एक साथ हंसते-मुस्कराते सर्किट हाउस पहुंचे थे...उसको लेकर प्रशासनिक हल्को में तरह-तरह की बातें हो रही हैं। लोग जुनेजा को लेकर दावे कर रहे हैं...वे ऐसे ही दिल्ली से फ्लाइट पकड़कर सीआईसी का इंटरव्यू देने थोड़े आए होंगे। मगर सवाल है, जुनेजा अगर सीआईसी तो फिर चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन का क्या? अमिताभ को लोग बिजली कंपनियों का चेयरमैन बना दे रहे हैं। दलील भी कि एसके मिश्रा और शिवराज सिंह सीएस से रिटायरमेंट के बाद इस पद को संभाल चुके हैं। मगर ये बातें हैं...बातें का क्या। फैसला मुख्यमंत्री को लेना है। कई बार परसेप्शन कुछ और बनता है और होता कुछ और है।

चीफ सिकरेट्री की विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के ढाई दशक में 11 मुख्य सचिव हुए हैं। अमिताभ जैन 12वें हैं। इन 11 में से आठ की विदाई सामान्य रही। सुनिल कुमार के लिए तो कैबिनेट की बैठक बुलाई गई थी। मगर तीन मुख्य सचिवों की किस्मत वैसी नहीं रही। एक तरह से कहें तो बेआबरु होकर तेरे कूचे...सरीखी स्थिति रही। पी. जॉय उम्मेन को रमन सिंह सरकार ने हटाया तो खफा होकर उन्होंने वीआरएस ले लिया। यद्यपि, सरकार ने उन्हें सरकारी बिजली कंपनी का चेयरमैन पद पर कंटिन्यू करने का ऑफर दिया था। मगर छुट्टी में रहने के दौरान हटा देना उन्हें अपमानजनक लगा और केरल से ही वीआरएस के लिए अप्लाई कर दिया। उनसे पहले आरपी बगाई से भी राज्य सरकार के रिश्ते अत्यधिक खराब हो गए थे। चूंकि उनका कार्यकाल कम बचा था, इसलिए उन्हें हटाया नहीं गया मगर पुराने लोगों को याद होगा कि नक्सल सलाहकार केपीएस गिल को लेकर चीफ सिकरेट्री और सरकार के बीच कैसी खटास आ गई थी। दरअसल, केपीएस गिल को बगाई के सुझाव पर सरकार ने एडवाइजर बनाया था मगर गिल के शाही शौक और नित नए डिमांड से सरकार आजिज आ गई थी। उपर से केपीएस के पक्ष में बगाई की वकालत। इसका नतीजा यह हुआ कि सरकार और सीएस के बीच रिश्ते काफी तल्ख हो गए थे। सरकार के तेवर भांप आईएएस एसोसियेशन की बगाई की विदाई देने की हिम्मत नहीं पड़ी। इसके बाद तीसरा नंबर विवेक ढांड का रहा। हालांकि, उनका मामला सार्वजनिक नहीं हो पाया। ढांड का रेरा चेयरमैन में सलेक्शन हो चुका था। समझा जा रहा था कि रिटायर होने के बाद वे नई जिम्मेदारी संभालेंगे। सरकार और उनके रिश्ते में दूरियां तब सामने आई, जब रमन सिंह और उनकी टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से यकबयक ढांड का नाम कट गया। उसके बाद एक रोज अचानक खबर आ गई कि ढांड ने वीआरएस लिया और अजय सिंह को नया मुख्य सचिव बनाया गया। जाहिर है, सीएस के तौर पर ढांड का अंतिम समय अच्छा नहीं रहा। इस मामले में अपने अमिताभ जैन का जवाब नहीं। पिछली सरकार ने सीएस बनाया। सरकार बदली...पांचवा साल चल रहा, मगर ना काहू से दोस्ती, ना काहू से वैर। सबसे अधिक समय तक सीएस की कुर्सी पर रहने का कीर्तिमान बनाने के बाद भी अमिताभ जैन सभी के लिए कंफर्ट...सभी के लिए ठीक रहे।

सीएस और डीजीपी की छुट्टी

छत्तीसगढ के 25 बरसों में सिर्फ तीन बार सरकार बदली है। पहली बार 2003 में। फिर 2018 और 2023 में। 2003 में अजीत जोगी सरकार बदली तो एसके मिश्रा चीफ सिकरेट्री थे। रमन सरकार ने उन्हें रिटायर होते तक कंटिन्यू ही नहीं किया, बल्कि बाद में सीएसईबी चेयरमैन की पोस्टिंग भी दी। 2018 में जब कांग्रेस सरकार बनी तो अजय सिंह मुख्य सचिव थे। अजय को महीने भर में हटा दिया गया। उनकी जगह सुनील कुजूर को नया सीएस बनाया गया। 2023 में जब सरकार बदली तो अमिताभ जैन चीफ सिकरेट्री थे, वे अभी भी कंटिन्यू कर रहे हैं। पोस्टिंग के मामले में बेहद किस्मती रहे अजय सिंह का चीफ सिकरेट्री के तौर पर हार्ड लक रहा। सरकार बदलने पर हटाए जाने वाले एकमात्र सीएस के रूप में उनका नाम दर्ज हो गया। रही बात डीजीपी की तो सरकार बदलने के बाद डीजीपी हमेशा टारगेट पर रहे, सिर्फ अशोक जुनेजा को छोड़। 2003 में बीजेपी की सरकार बनने के थोड़े दिन बाद ही अशोक दरबार को बदल दिया गया। 2018 में एएन उपध्याय को सरकार गठित होने के 24 घंटे के भीतर हटाया गया। सिर्फ जुनेजा ऐसे आईपीएस रहे, जो रमन सिंह सरकार में खुफिया चीफ रहने के बाद भी कांग्रेस सरकार में डीजीपी बने और फिर बीजेपी सरकार में अपना कार्यकाल कंप्लीट किया।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या छत्तीसगढ़ के अगले चीफ सिकरेट्री अमित अग्रवाल होंगे?

2. बोर्ड-निगमों की पोस्टिंग में रायपुर जिले को सबसे अधिक जगह मिलने के बाद क्या नए मंत्रियों में रायपुर की संभावना खतम समझा जाए?

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 5828

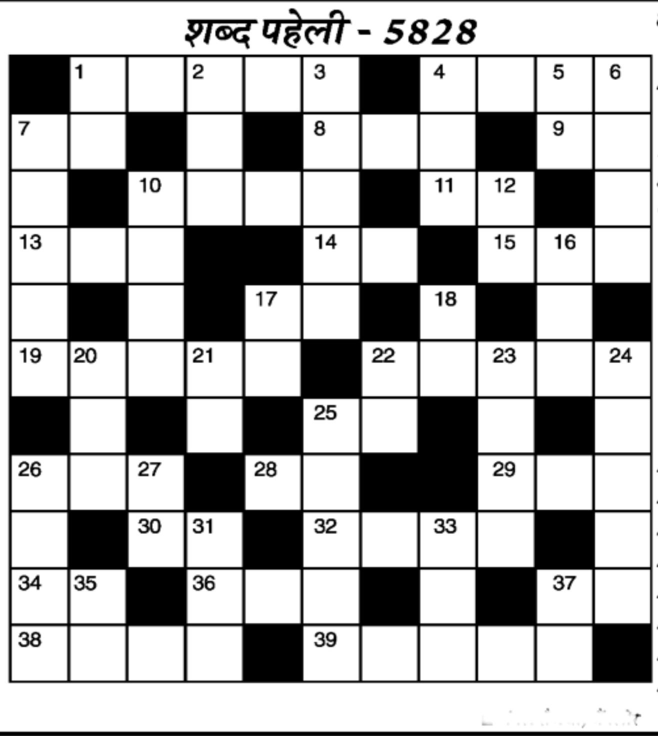

बाएँ से दाए
1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. संघमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रक्षक, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले-3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम-4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 5827 का हल

[illegible]

सूडोकु नवताल- 5838

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8				2		3
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			1
	8		6				4	
6		2		7	5		1	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल- 5837 का हल

[illegible]

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

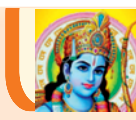

रामनवमी विशेष

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

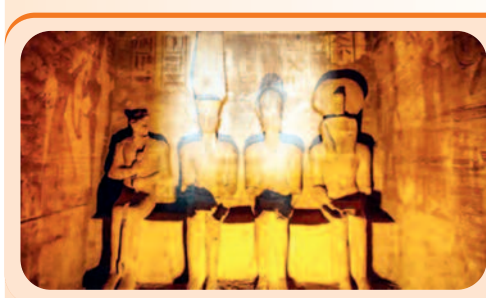

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य
शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

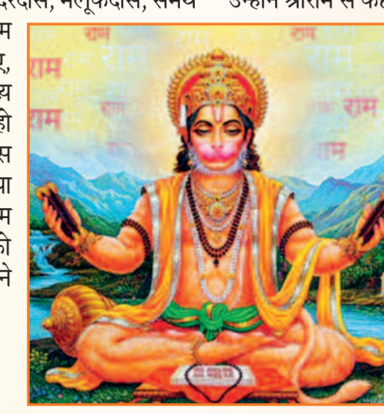

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी कहने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं

लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
टेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य
संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

जुनैद व खुशी की 'लवयापा' ने ओटीटी पर दी दस्तक...

मुंबई। आमिर खान के बेटे जुनैद खान और जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर की फिल्म 'लवयापा' को 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। इस फिल्म से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। जुनैद और खुशी की भी खूब आलोचना हुई। सिनेमाघरों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अब 'लवयापा' ने ओटीटी का रुख कर लिया है। 'लवयापा' का प्रीमियर 4 अप्रैल से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर हो गया है। ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

लाइफ Style

श्रद्धा

'तुम्बाड' के निर्देशक राही से मिलाया हाथ

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की गिनती बॉलीवुड की बेहतरीन और खूबसूरत अभिनेत्रियों में होती हैं। वह पिछली बार फिल्म 'स्त्री 2' में नजर आई थी। कोई शक नहीं कि इससे उनके करियर को रफ्तार मिली, वहीं श्रद्धा की लोकप्रियता में भी जबरदस्त इजाफा हुआ।

प्रशंसक श्रद्धा की आगामी फिल्म की राह देख रहे हैं। अब अभिनेत्री ने पहली बार साल 2018 में आई सुपरहिट फिल्म 'तुम्बाड' के निर्देशक राही अनिल बर्वे से हाथ मिलाया है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, तुम्बाड के निर्देशक राही अनिल बर्वे की अगली फिल्म की श्रद्धा हीरोइन बन गई हैं। एकता कपूर इस फिल्म पर पैसा लगाने के लिए तैयार हैं। वह फिल्म की निर्माता होंगी। फिल्म की कहानी लिखी जा चुकी है और श्रद्धा फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हैं। अप्रैल के मध्य तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी और यह फिल्म अगले साल तक सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

श्रद्धा जल्द ही फिल्म 'नागिन' में भी नजर आने वाली हैं। निर्माता निखिल द्विवेदी की इस फिल्म को लेकर श्रद्धा बेहद उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इसके अलावा श्रद्धा के पास मोहित सूरी की आगामी फिल्म भी है। इस फिल्म में श्रद्धा जाने-माने अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ नजर आएंगी। 'आशिकी 2' के बाद यह दोनों के बीच दूसरा सहयोग होने वाला है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

हॉलीवुड मसाला

'बैटमेन' फेम वैल नहीं रहे

लॉस एंजिलस। हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता और 'बैटमेन' फेम वैल किल्मर का 65 साल की उम्र में निधन हो गया है। अभिनेता की मौत का कारण निमोनिया बताया जा रहा है। उनकी मौत से हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री और उनके फैंस को गहरा दुख पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेता का निधन लॉस एंजेलेस में हुआ। उनकी मौत की वजह निमोनिया बताई जा रही है। बता दें कि किल्मर ने 'टॉप गन', 'बैटमेन फॉरएवर' और 'टॉम्बस्टोन' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है।

कॉमेडियन रसेल ब्रांड पर रेप के आरोप तय

लॉस एंजिलस। ब्रिटेन के कॉमेडियन और अभिनेता रसेल ब्रांड पर बलात्कार, मौखिक बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं। उनके ऊपर ये इल्जाम चैनल चार में कई आरोप सामने आने के बाद लगे हैं। उनके खिलाफ साल 2023 में मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने जांच शुरू की थी। 50 साल के कॉमेडियन ने पहले इन दावों से इंकार किया था। अब उन्हें अदालती कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा। पुलिस ने बताया कि ब्रांड पर बलात्कार के अलावा अभद्र टिप्पणी और मौखिक बलात्कार के एक-एक मामले के साथ-साथ यौन उत्पीड़न के दो मामलों के भी आरोप लगाए गए हैं। रसल एक स्टैंड-अप कॉमेडियन के रूप में अपना करियर बनाने के बाद पॉप स्टार कैटी पेरी के पूर्व पति के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हुए।

22 साल बाद बॉलीवुड में फिर लौट रहीं

मुंबई। दिग्गज अभिनेत्री राखी गुलजार इन दिनों खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों ना, वह लगभग 22 साल बाद अभिनय की दुनिया में जो लौट रही हैं। वह जल्द ही बंगाली फिल्म 'अमर बॉस' में नजर आएंगी। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। हमेशा की तरह राखी की अदाकारी की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। 'अमर बॉस' को 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। राखी इस फिल्म में शिबोप्रसाद मुखर्जी, श्राबंती चटर्जी, सौरसेनी मैत्र, गौरव चटर्जी और शाबित्री चटर्जी जैसे अन्य कलाकार के साथ नजर आएंगी। बता दें कि राखी ने 1967 में बंगाली फिल्म 'बदहू बरण' के जरिए अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।

सैफ की 'ज्वेल थीफ' 25 को ओटीटी पर

मुंबई। काफी समय से अभिनेता सैफ अली खान अपनी आगामी फिल्म 'ज्वेल थीफः द हीस्ट बिगिन्स' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान सिद्धार्थ आनंद ने संभाली है। सैफ के साथ इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'ज्वेल थीफ' का ट्रेलर 14 अप्रैल को रिलीज किया जाएगा। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। बता दें कि अब तक फिल्म का टीजर भी रिलीज नहीं हुआ है। 'ज्वेल थीफ' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है। सैफ और जयदीप के अलावा इस फिल्म में कुणाल कपूर और निकिता दत्ता जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे।

टीवी मसाला

'सीआईडी' से खत्म होगा एसीपी प्रद्युम्न का किरदार

नई दिल्ली। सीआईडी टीवी का लोकप्रिय शो है जो 20 साल से भी ज्यादा समय तक ऑडियंस के दिलों पर राज करता आया है। हालांकि ऑफ एयर होने के 6 साल बाद एक बार फिर शो की वापसी हुई है और इसबार ये ट्रेंडिग बन गया है। अब खबरें हैं कि इस शो की जान एसीपी प्रद्युम्न का किरदार जल्द ही खत्म होने वाला है। सीआईडी में एसीपी प्रद्युम्न का रोल करने वाले मुख्य कलाकार शिवाजी सतम की शो से एग्जिट की खबरें आ रही हैं। आगामी दिनों में उनके किरदार को मार दिया जाएगा जिसके बाद फैंस को उनकी झलक देखने को नहीं मिलेगी। इस खबर से फैंस का दिल टूट गया है। आगामी एपिसोड में मेकर्स कुछ नए ट्विस्ट लेकर आ रहे हैं।

एसीपी प्रद्युम्न की होगी मौत : एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सीआईडी में तिग्मांशु धूलिया वापसी करेंगे। शो के अपकमिंग एपिसोड में दिखाया जाएगा कि दुश्मन बारबुसा (तिग्मांशु धूलिया) पूरी सीआईडी की टीम खत्म करने की प्लानिंग करेगा जिसके लिए वह बॉम्ब प्लांट करता है। इस ब्लास्ट में पूरी टीम की जान बच जाएगी, लेकिन एसीपी प्रद्युमन की मौत हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेकर्स ने टीम के साथ एसीपी प्रद्युमन की मौत वाला सीआईडी का एपिसोड शूट कर लिया है और ये जल्द ही प्रसारित होगा। इसके अलावा शो में बड़ा शॉकिंग ट्विस्ट लाने की भी तैयारी है। हालांकि, शो के पहले के दौर में भी कई किरदारों को मरते हुए देखा गया था, जो कुछ समय बाद वापसी कर लेते हैं।

20 सालों तक चला सीआईडी का जादू

आपको बता दें, शो सीआईडी साल 1998 से टीवी पर प्रसारित रहा है जो 20 साल तक चला। ये सबसे ज्यादा लंबी अवधि वाला इकलौता टीवी शो रहा। 20 साल तक सफलतापूर्वक चलने के बाद सीआईडी का पहला सीजन 27 अक्टूबर, 2018 को बंद हो गया था। इस शो में आदित्य श्रीवास्तव सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत और दयानंद शेट्टी सीनियर इंस्पेक्टर दया के रूप में शामिल थे। वहीं दर्शकों की उम्मीदें पूरी करेत हुए मेकर्स सीआईडी का सीजन 2 लेकर आए जो 21 दिसंबर, 2024 को सोनी टीवी पर प्रसारित हो रहा है। यह शो वर्तमान में नेटफ्लिक्स पर भी स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

हैदराबाद में शूट होगा 'भूत बंगला' का क्लाइमेक्स

मुंबई। काफी समय से अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म 'केसरीः चैप्टर 2' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ आर माधवन और अनन्या पांडे भी नजर आएंगे। यह फिल्म 18 अप्रैल को सिनेमाघरों का रुख करेगी। इसके अलावा अक्षय इन दिनों फिल्म 'भूत बंगला' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म इस साल बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। ताजा खबर यह है कि 'भूत बंगला' का क्लाइमेक्स जल्द ही हैदराबाद में शूट किया जाएगा।

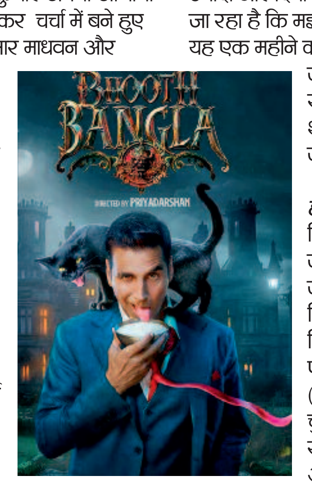

एक महीना का शेड्यूल तैयार : मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, अक्षय और तब्बू के साथ 'भूत बंगला' का क्लाइमेक्स जल्द ही हैदराबाद में शूट होगा। इसमें दोनों कलाकार आमने-सामने होंगे। दरअसल, फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन ने एक महीने का शेड्यूल बनाया है। इस दौरान वह महत्वपूर्ण सीक्वेंस फिल्माएंगे। इसमें क्लाइमेक्स पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। कहा जा रहा है कि मई के मध्य तक यह एक महीने का शेड्यूल पूरा जाएगा। इसी के साथ फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो जाएगी।

वामिका गब्बी भी हैं फिल्म का हिस्सा : फिल्म की कहानी काले जादू पर आधारित बताई जा रही हैं। अक्षय और प्रियदर्शन 14 साल बाद फिर से साथ आए हैं। इससे पहले दोनों 'हेरा फेरी' (2000) में साथ काम कर चुके हैं। 'भूत बंगला' में परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी की तिकड़ी भी दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएगी। वामिका गब्बी भी फिल्म का हिस्सा हैं। 'भूत बंगला' 2 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज टाल दी है।

'पंचायत' के चौथे सीजन का ऐलान रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा...

नई दिल्ली। अमेजन प्राइम वीडियो की चर्चित और लोकप्रिय वेब सीरीज में से एक 'पंचायत' के अब तक 3 सीजन आ चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का खूब प्यार मिला। पिछले कुछ समय से दर्शक 'पंचायत' के चौथे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। दरअसल, निर्माताओं ने 'पंचायत' के चौथे सीजन का ऐलान कर दिया है। सीरीज की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।आइए जानें 'पंचायत 4' कब और कहां रिलीज होगी।

कब देख पाएंगे सीरीज

'पंचायत 4' का प्रीमियर 2 जुलाई, 2025 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मीटिंग मीटिंग कब? अंत तक देखें।' इसके निर्देशन की कमान दीपक कुमार मिश्रा ने संभाली है। 'पंचायत' का पहला सीजन अप्रैल, 2020 में आया था, वहीं इसके दूसरा सीजन ने अप्रैल, 2022 में दस्तक दी थी। 'पंचायत' का तीसरा सीजन 28 मई, 2024 को रिलीज हुआ था।

फुलेरा गांव की कहानी है 'पंचायत'

वेब सीरीज 'पंचायत' जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, चंदन रॉय और फैसल मलिक जैसे दिग्गज सितारों से सजी है। ये सभी कलाकार चौथे सीजन में भी नजर आएंगे। नए सीजन में कुछ नए कलाकार भी शामिल होंगे। 'पंचायत' की कहानी एक इंजीनियर अभिषेक त्रिपाठी (जितेंद्र) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बेहतर नौकरी के विकल्पों की कमी के कारण उत्तर प्रदेश के एक सुदूर गांव फुलेरा में पंचायत सचिव के पद पर नौकरी करता है।

आखिरी तक नहीं करेगा उठने का मन

ओटीटी पर देखिए ये शानदार कोर्टरूम ड्रामा फिल्में

मुंबई। अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। जलियांवाला बाग हत्याकांड के सच को सामने लाने के लिए अक्षय कोर्ट रूम में दहाड़ते दिखाई दे रहे हैं। बॉलीवुड की कई फिल्मों में भी अदालत की कार्यवाही को बहुत अहम स्थान दिया गया है। 'केसरी चैप्टर 2 की रिलीज से पहले आइए बॉलीवुड की कुछ लोकप्रिय कोर्टरूम ड्रामा फिल्मों के बारे में जानें।

'जॉली एलएलबी'

सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी फिल्म 'जॉली एलएलबी एक वकील पर आधारित है। फिल्म में एक ऐसे वकील की कहानी दिखाई गई है, जो सफल होने के लिए संघर्ष करता है। एक दिन वह एक बड़े केस में अपना हाथ डाल देता है, जिसके बाद उसे कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस फिल्म में अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला, बोमन ईरानी और अमृता राव मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म आप जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं।

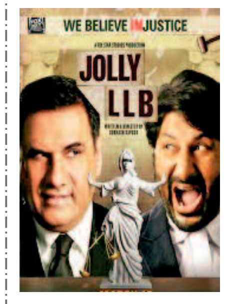

'सिर्फ एक बंदा काफी है'

मनोज बजपेयी अभिनीत फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' को काफी पसंद किया गया था। फिल्म की कहानी एक धर्मगुरु पर आधारित है, जो बच्चियों का यौन उत्पीड़न करता है। ये पीसी सोलंकी की कहानी है। सोलंकी वो वकील हैं, जिन्होंने एक नाबालिग लड़की से रेप के आरोप में आसाराम बापू को जेल भिजवाया था। यह एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है। अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशन में बनी यह फिल्म जी 5 पर देखी जा सकती है।

'पिंक'

अनिरुद्ध रॉय चौधरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'पिंक' महिलाओं से छेड़छाड़ पर आधारित है। फिल्म में दोस्तों के साथ मीनल अरोड़ा (तापसी पन्नू) छेड़छाड़ की शिकार हो जाती है। इसके बाद वह एक मंत्री के भतीजे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराती है। मीनल का केस रिटायर्ड वकील दीपक सहगल (अमिताभ बच्चन) लड़ते हैं और मीनल को न्याय दिलाते हैं। इस फिल्म में कृति कुल्हारी ने भी अहम भूमिका निभाई है। यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर है।

'शाहिद' और 'सेक्शन 375'

फिल्म 'शाहिद' वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता रहे शाहिद आजम की जिंदगी से प्रेरित है। इस फिल्म में राजकुमार राव, केके मेनन, और मोहम्मद जिशान अय्यूब मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। दूसरी ओर फिल्म 'सेक्शन 375' यौन उत्पीड़न एक मामले पर आधारित है, जिसमें न्याय के लिए रेप पीड़िता को कोर्ट में भी काफी शर्मसार किया जाता है। आप इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट से निवेश को रखा जा सकता है सुरक्षित

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट करना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके निवेश को सुरक्षित रखने में मदद करता है। स्टॉक मार्केट एक स्वाभाविक रूप से अस्थिर वातावरण है जहां मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, कंपनी के प्रदर्शन और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसे विभिन्न कारकों से जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी होना आवश्यक है जो संभावित नुकसान को कम करने और रिटर्न को अधिकतम करने में उन्हें मदद कर सकती है। जोखिम प्रबंधन तकनीकों को लागू करके, निवेशक सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस संदर्भ में, इस निबंध का उद्देश्य स्टॉक मार्केट में जोखिम प्रबंधन की अवधारणा, इसके महत्व, और निवेशक जो विभिन्न रणनीतियों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

> संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है, रिटर्न को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जोखिम प्रबंधन तकनीकों से सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं, बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं

जोखिम प्रबंधन क्या है

जोखिम प्रबंधन यानी रिस्क मैनेजमेंट किसी गतिविधि या निवेश से जुड़े जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और कम करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य इसके रिटर्न को अधिकतम करते समय निवेश पोर्टफोलियो पर जोखिमों के संभावित प्रभाव को कम करना है। स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट में एक कॉम्प्रिहेंसिव दृष्टिकोण शामिल है जो एक इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है। इन कारकों में मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक कार्यक्रम और कंपनी के प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं। कई जोखिम प्रबंधन तकनीक हैं, जिनका उपयोग निवेशक जोखिमों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं। एक लोकप्रिय स्ट्रेटेजी विविधता है, जहां इन्वेस्टर अपने पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में अपने इन्वेस्टमेंट को

फैलाते हैं. अन्य तकनीकों में हेजिंग शामिल हैं, जहां इन्वेस्टर संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करते हैं, और ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का उपयोग करते हैं।

जोखिम प्रबंधन ऐसे करता है काम

जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करके, उनकी संभावना और संभावित प्रभाव का आकलन करके और उन जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करके काम करता है। इसमें कई चरण शामिल होते हैं।

1. जोखिम पहचान: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का पहला चरण निवेश पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले संभावित जोखिमों की पहचान करना है। यह ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण, मार्केट रिसर्च या एक्सपर्ट ओपिनियन जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

2. जोखिम मूल्यांकन : संभावित जोखिमों की पहचान होने के बाद, उन्हें निवेश पोर्टफोलियो पर घटना और संभावित प्रभाव की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इस चरण में जोखिम की गंभीरता और इसकी घटना की संभावना का विश्लेषण शामिल है।

3. जोखिम मूल्यांकन: जोखिमों का मूल्यांकन करने के बाद, उनका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकता और महत्व के आधार पर किया जाता है। इस चरण में यह निर्धारित करना शामिल है कि कौन से जोखिम सबसे महत्वपूर्ण हैं और तुरंत ध्यान देना आवश्यक है।

4. जोखिम उपचार: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का अंतिम चरण पहचाने गए जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करना है। यह विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे डाइवर्सिफिकेशन, हेजिंग या ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट।

जोखिम प्रबंधन के प्रकार

1. मार्केट रिस्क मैनेजमेंट : मार्केट रिस्क मार्केट की उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप नुकसान होने की संभावना है, जैसे ब्याज़ दरों, मुद्रास्फीति या करेंसी एक्सचेंज दरों में परिवर्तन। इस जोखिम प्रबंधन में निवेश पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विविधता, हेजिंग और सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है।

2. क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट : क्रेडिट रिस्क का अर्थ उधारकर्ता की लोन का भुगतान करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप नुकसान को समाप्त करने की संभावना है या अन्य फाइनेंशियल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की संभावना है। इस जोखिम प्रबंधन में उधारकर्ताओं की क्रेडिट योग्यता का आकलन करना और डिफॉल्ट के संभावित प्रभाव को कम करने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कोलैटरल या इंश्योरेंस।

3. ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट: इंटरनल प्रोसेस, सिस्टम या लोगों में विफलताओं के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम ऑपरेशनल रिस्क है। इस जोखिम प्रबंधन में संचालन विफलताओं के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है, जैसे आकस्मिक प्लानिंग या आपदा रिकवरी।

छोटे-छोटे निवेश भी बना सकते हैं करोड़पति!

बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ती महंगाई और भविष्य के अनिश्चितताओं को देखते हुए हर कोई बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहता है। अगर आप भी अपने भविष्य के लिए एक बड़ा फाइनेंशियल गोल तय करना चाहते हैं तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। सिर्फ सुझावों के भरोसे न रहें। खुद शेयरों का मूल्यांकन करना सीखें। एसआईपी के जरिए नियमित रूप से छोटा-छोटा अमाउंट निवेश करके आप एक दिन करोड़पति बन सकते हैं।

2,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 2,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 27 साल में 1.05 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 29,06,399 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 75,81,135 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,04,87,533 रुपये

यदि आप 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 21 साल में 1.08 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/जीएम/भटगांव/एसएएम/जगन्ना./24/2238 दिनांक 26.12.2024

सूचना

जगन्नाथपुर खुली खदान परियोजना हेतू भू-अधिग्रहण के एवज में नियमानुसार रोजगार देने की प्रक्रिया में ग्राम जगन्नाथपुर एवं चउरा की भूस्वामी एवं उनके आश्रित द्वारा रोजगार हेतु प्रस्तुत किये गये दस्तावेजों में उनके स्वंय/माता पिता/आश्रितों के नाम में अंतर है तथा दस्तावेजो जैसे- बी-1, पंचशाला, ऋण पुस्तिका, योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पत्रक-5, पत्रक-6 में विभिन्न नाम दर्ज है। तत्सम्बंध में भूस्वामी एवं प्रस्तावित व्यक्ति द्वारा सही नाम का शपथ पत्र कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। अतः जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही है:-

ग्राम-जगन्नाथपुर

क्र.	9(1) के समय भू-स्वामी का नाम एवं प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार सही नाम	भूमि संबंधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा नं.	रकबा (हे.)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजों में नाम
01	9(1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम- अमृत आ. धनसाय, कवलसाय आ. धनसाय, सांझो बेवा धनसाय उरांव अमृत आ. धनसाय एवं सांझो बेवा धनसाय उरांव के फौत हो जाने के कारण वर्तमान भूमि स्वामी का नाम- 1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- धनेश्वरी पत्नी स्व. अमृत लाल 2. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- बृजलाल आ. स्व. अमृत लाल 3. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- सुनील कुजुर आ. स्व. अमृत लाल	अधिग्रहण के समय भूमि स्वामी का नाम राजस्व दस्तावेजों (बी-1) 2007-08 से 2016-17 में नाम- अमृत आ. धनसाय पत्रक-5 में नाम- अमृत आ. धनसाय पत्रक-6 में नाम- अमृत-धनसाय ऋण पुस्तिका में नाम- अमृत आ. धनसाय मृत्यु प्रमाण पत्र में नाम- अमृत आ. धनसाय अधिग्रहण के समय भूमि स्वामी का नाम राजस्व दस्तावेजों (बी-1) 2007-08 से 2016-17 में नाम- सांझो बेवा धनसाय पत्रक-5 में नाम- सांझो बेवा धनसाय पत्रक-6 में नाम- सांझो बेवा धनसाय ऋण पुस्तिका में नाम- संझो बेवा धनसाय मृत्यु प्रमाण पत्र में नाम- सांझो बेवा धनसाय अमृत आ. धनसाय एवं सांझो बेवा धनसाय उरांव के फौत हो जाने के कारण वर्तमान भूमि स्वामी का नाम निम्न है:- 1. नामांकन में नाम- धनेश्वरी पत्नी स्व. अमृत लाल वंश वृक्ष में नाम- धनेश्वरी आधार कार्ड में नाम - धनेश्वरी पत्नी स्व. अमृत वोटर कार्ड में नाम- धनेश्वरी कुजूर पत्नी अमृत कुजूर बैंक पासबुक में नाम- DHANESHWARI W/O AMRIT 2. नामांकन में नाम - बृजलाल आ. स्व. अमृत लाल वंशवृक्ष में नाम- बृजलाल आधार कार्ड में नाम- बृज लाल आ. अमृत लाल वोटर कार्ड में नाम- बृजलाल कुजूर आ. अमृतलाल कुजूर 3. नामांकन में नाम- सुनील कुजुर आ. स्व. अमृत लाल वंशवृक्ष में नाम- सुनील कुजुर आधार कार्ड में नाम- सुनील कुजुर आ. स्व. अमृत कुजुर वोटर कार्ड में नाम- सुनील कुजूर आ. स्व. अमृत लाल कुजूर	1313/1 1314/1 1316/1 1360/1 1384/1 1403/1 1603/1 1683/1 1687/1 1729/1 1351/1 .... कुल 11	0.11 0.13 0.14 0.22 0.05 0.03 0.05 0.16 0.70 0.37 0.09 .... 2.05 हे. 5.07 एकड़	1. शनि कुजुर आ. कवलसाय 2. बृजलाल आ. स्व. अमृत लाल	नामांकन में नाम- शनि कुजूर आ. कवल साय वंश वृक्ष में नाम- शनि कुजूर आधार कार्ड में नाम- शनि कुजूर आ. कवलसाय कुजूर वोटर कार्ड में नाम- शनि कुजूर आ0 कवलसाय कुजूर जाति प्रमाण पत्र में नाम- शनि कुजूर आ. कवल साय निवास प्रमाण पत्र में नाम- शनि कुजूर आ. कवल साय राशन कार्ड में नाम- शनि रोजगार पंजीयन में नाम- SHANI KUJUR S/O KAVALSAY KUJUR नामांकन में नाम- बृजलाल आ. स्व. अमृत लाल वंश वृक्ष में नाम- बृजलाल आधार कार्ड में नाम- बृज लाल आ. अमृत लाल वोटर कार्ड में नाम- बृजलाल कुजूर आ. अमृतलाल कुजूर जाति प्रमाण पत्र में नाम- बृजलाल आ. अमृत लाल निवास प्रमाण पत्र में नाम- बृजलाल आ. अमृत लाल राशन कार्ड में नाम- बृजलाल रोजगार पंजीयन में नाम- BRIJ LAL S/O AMRIT LAL
	4. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- कवल साय आ. स्व. धनसाय	4. राजस्व दस्तावेजों (बी-1) 2007-08 से 2016-17 में नाम- कवलसाय आ. धनसाय नामांकन में नाम- कवल साय आ. स्व. धनसाय वंशवृक्ष में नाम- कवलसाय पत्रक-5 में नाम- कवलसाय आ. धनसाय पत्रक-6 में नाम- कवलसाय-धनसाय आधार कार्ड में नाम- कवल साय आ. धन साय वोटर कार्ड में नाम- कवल साय कुजूर आ. धनसाय कुजूर ऋणपुस्तिका में नाम- कवलसाय आ. धनसाय बैंक पासबुक में नाम- KAVALSAY KUJUR S/O DHANSAY KUJUR				

ग्राम-चउरा

क्र.	9(1) के समय भू-स्वामी का नाम एवं प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार सही नाम	भूमि संबंधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा नं.	रकबा (हे.)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजों में नाम
1	भूमि स्वामी का नाम- संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह 1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- संतोष कुमार यादव आ. बिसाहू राम यादव	1. राजस्व दस्तावेजों (बी-1) 2008-09 में नाम- संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह नामांकन में नाम- संतोष कुमार यादव आ. बिसाहु राम यादव वंशवृक्ष में नाम- संतोष कुमार यादव आ. बिसाहु राम यादव पत्रक-5 में नाम- संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह पत्रक-6 में नाम- संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह ऋण पुस्तिका में नाम- संन्तोष कुमार आ. बेसाहु राम बरगाह आधार कार्ड में नाम- संतोष कुमार यादव आ. बिसाहु राम यादव वोटर कार्ड में नाम- संतोष यादव आ. नेसाहू यादव राशन कार्ड में नाम- संतोष यादव बैंक पासबुक में नाम- SANTOSH KUMAR YADAV S/O BISAHU RAM YADAV	702/64 693/3 699/1 693/7 699/2 702/33 706/2 07	0.031 0.036 0.128 0.073 0.090 0.062 0.121 .... 0.514 हे./1.337 एकड़	सबिया यादव आ. प्रभुराम, पत्नी संतोष कुमार यादव	नामांकन में नाम- सबिया यादव आ. प्रभुराम, पत्नी संतोष कुमार यादव वंश वृक्ष में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार यादव आधार कार्ड में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार यादव मतदाता परिचय पत्र में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष यादव जाति प्रमाण पत्र में नाम- सबिया आ. प्रभु राम निवास प्रमाण पत्र में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार राशन कार्ड में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष यादव 5th की अंकसूची- सबिया आ. प्रभुराम सबिया आ. परभू राम

उपरोक्त दर्शाये गये भूमि खसरा नंबर के सामने दर्शाये गये व्यक्तियों को रोजगार दिया जाना है। जिसमें यदि किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति है, तो समाचार पत्र में प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर निम्न पते पर लिखित शिकायत दर्ज कर सूचित करें :- पता- उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, कार्यालय-जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, एसईसीएल भटगांव क्षेत्र, धरमपुर, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर छ0ग0।

SECL/25-26/04

उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, भटगांव क्षेत्र

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
नकली माल से सावधान

बिजनेस साइट

होंडा ने 2025 सीबी350, हाइनेस और आरएस को नए रंगों में किया लांच

गुरुग्राम। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी मिड साइज प्रीमियम मोटरसाइकिलों की रेंज को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए 2025 सीबी350, सीबी350 हाइनेस और सीबी350आरएस को नए शानदार रंगों में लॉन्च किया है। इन मॉडल्स में आकर्षक डिज़ाइन और आधुनिक स्टाइलिंग का बेहतरीन मिश्रण किया गया है, जो इनके प्रीमियम अपील को बढ़ाता है।

इन तीनों बाइक में रेट्रो लुक और आधुनिक तकनीक का बेहतरीन संयोजन है, जो राइडर्स को एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगा। जहां सीबी350 और सीबी350 हाइनेस अपने क्लासिक और रेट्रो स्टाइल के लिए प्रसिद्ध हैं, वहीं सीबी350आरएस का स्पोर्टी और डायनेमिक लुक इसे एक नई पहचान देता है। इन नई मोटरसाइकिलों की कीमत 2,10,500 रुपये से लेकर 2,18,850 रुपये तक है, जो मॉडल के अनुसार भिन्न है। यह पूरी रेंज अब भारत के सभी बिगविंग डीलरशिप्स पर उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों के लिए इसे खरीदना और भी सुविधाजनक हो गया है।

रोजबे ग्रीन्स एक्सटेंशन को मिल रहा शानदार रिस्पॉन्स, आज अंतिम दिन

रायपुर। कचना रोड, पिरदा चौक के पास स्थित रोजबे ग्रीन्स एक्सटेंशन प्रोजेक्ट को शानदार रिस्पांस मिल रहा है। यह प्रीमियम प्लॉट प्रोजेक्ट, अपनी आधुनिक सुविधाओं और शानदार लोकेशन के कारण घर खरीदारों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नवरात्रि के शुभ अवसर पर श्री स्वास्तिक ग्रुप की ओर से 4-6 अप्रैल तक 'नव महोत्सव' का आयोजन किया गया है, जिसमें ग्राहकों को 2.50 लाख तक की विशेष छूट मिलेगी।

श्री स्वास्तिक ग्रुप के डायरेक्टर सुनील साहू ने बताया कि यह क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और इस क्षेत्र में प्लॉट व मकानों की मांग लगातार बढ़ रही है। रोजबे ग्रीन्स एक्सटेंशन एक 16.50 एकड़ में फैला हुआ रेरा-रजिस्टर्ड आवासीय प्रोजेक्ट है, जिसमें लगभग 310 प्लॉट्स उपलब्ध हैं। प्लॉट्स विभिन्न साइज में उपलब्ध हैं, जिसमें 600, 1300, 1400, 1500, 1600 और 1800 वर्गफुट के प्लॉट शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट में क्लब हाउस जिसमें मल्टीपर्पस हॉल, योगा जोन, जिम, स्वीमिंग पुल, किडस प्ले एरिया, इंडोर गेम्स एरिया, गेस्ट रूम, आदि सुविधाएं है, इसके अलावा एम्पी थियेटर, टेनिस कोर्ट, बेडमिंटन कोर्ट, वॉकिंग/जॉगिंग ट्रेक, मंदिर, लैण्ड स्कैप गार्डन आउटडोर गेम्स जैसी सुविधाएं है।

'एएसके सेरीनिटी' में आयोजित आवास मेला का आज अंतिम दिन

रायपुर। भाठागांव स्थित प्रीमियम लक्जरी अपार्टमेंट प्रोजेक्ट 'एएसके सेरीनिटी' को शानदार रिस्पांस मिल रहा है। 3 से 6 अप्रैल तक आयोजित के तीसरे दिन भी ग्राहकों ने अपने सपनों का घर खरीदने में दिलचस्पी दिखाई और कई ग्राहकों ने साइट विज़िट कर स्पॉट बुकिंग की। यह प्रोजेक्ट अपनी आधुनिक सुविधाओं और बेहतरीन लोकेशन के कारण घर खरीदारों के बीच आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। एएसके ग्रुप ने इस आवास मेले में ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफ़र्स पेश किए हैं। ग्राहकों को स्पॉट बुकिंग पर मॉड्यूलर किचन या फूल्ली एयर कंडिशनर जैसे उपहार मिलेंगे, साथ ही 50,000 तक के होम अप्लायंसेस जीतने का मौका भी है। इसके अलावा, पहले 20 बुकिंग पर सैमसंग टैब गिफ्ट के रूप में मिलेगा। एएसके ग्रुप के डायरेक्टर अनुराग नथानी के अनुसार यह क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और इस क्षेत्र में घर खरीदारों की रुचि लगातार बढ़ रही है। एएसके सेरीनिटी प्रोजेक्ट रेरा से रजिस्टर्ड है और इसमें 176 यूनिट्स लक्जरी अपार्टमेंट उपलब्ध हैं।

रामकृष्ण केयर अस्पताल में निशुल्क बैरिएट्रिक ओपीडी शुरू

रायपुर। रामकृष्ण केयर अस्पताल ने 5 अप्रैल से हर शनिवार को बैरिएट्रिक सर्जरी के लिए निःशुल्क ओपीडी शुरू करने की घोषणा की है। अस्पताल का उद्देश्य मोटापे और बैरिएट्रिक सर्जरी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इसके तहत अस्पताल ने एक बॉडी मास इंडेक्स मशीन भी उपलब्ध कराई है, जो वजन प्रबंधन के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी उपाय प्रदान करती है। अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग में स्थापित इस मशीन को पहले दिन ही शानदार प्रतिक्रिया मिली और 50 से अधिक लोग अपनी बीएमआई जांचने के लिए पहुंचे। इस पहल से मोटापे और रुग्ण मोटापे से जूझ रहे लोगों को बैरिएट्रिक और रोबोटिक सर्जनों की विशेषज्ञ टीम से परामर्श करने का अवसर मिलेगा। वे सर्जरी के लिए अपनी पात्रता का आकलन कर सकते हैं और वजन घटाने की प्रक्रियाओं जैसे स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी और गैस्ट्रिक बाईपास के लाभों के बारे में समझ सकते हैं। रामकृष्ण केयर अस्पताल के रोबोटिक और जनरल सर्जरी विभाग के निदेशक, डॉ. संदीप दवे ने कहा, यह पहल रायपुर को एक स्वस्थ शहर बनाने की दिशा में एक कदम है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर — 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311, Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre — रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर)
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

वर्ल्ड कप : सिफत ने भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाज सिफत कौर समरा ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में चल रहे एफ निशानेबाजी विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन के फाइनल में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके स्वर्ण पदक जीता। यह आईएसएसएफ विश्व कप में उनका पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक है। फरीदकोट की रहने वाली 23 वर्षीय सिफत ने शुक्रवार देर रात टिरो फेडरल अर्जेंटीनो डी ब्यूनस आयर्स शूटिंग रेंज में सत्र के पहले विश्व कप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

ओलंपिक चैंपियन बाहर : स्विट्जरलैंड की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चियारा लियोन और पूर्व ओलंपिक चैंपियन नीना क्रिस्टन शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सकीं। कजाकिस्तान की एलेक्जेंड्रिया ले और अमेरिका की मैरी टकर जैसी ओलंपिक पदक विजेता भी क्वालीफाइंग की बाधा पार नहीं कर सकी।

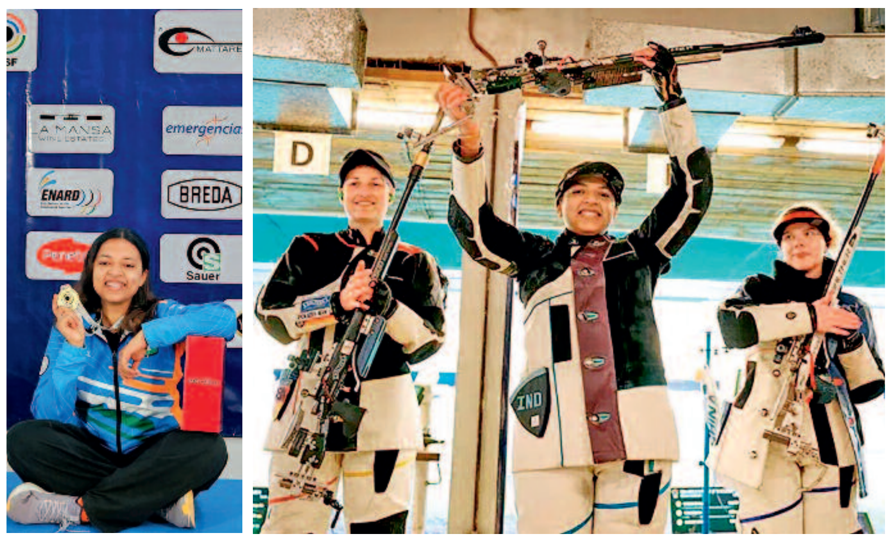

458.6 अंक से पहले स्थान पर

विश्व रिकॉर्ड धारक सिफत नीलिंग पोजीशन में 15 शॉट के बाद जर्मनी की अनीता मैंगोल्ड से 7.2 अंक पीछे थी। उन्होंने हालांकि इसके बाद प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में स्वप्निल वापसी करके पहला स्थान हासिल किया। सिफत 45 शॉट के फाइनल के बाद 458.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रही, जबकि मैंगोल्ड उनसे 3.3 अंक पीछे 455.3 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रही। कजाकिस्तान की जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता अरीना अल्तुखोवा 445.9 के स्कोर के साथ 44वें शॉट के बाद बाहर होकर तीसरे स्थान पर रहीं।

ईशा को मिला रजत पदक

ईशा सिंह ने दूसरा व्यक्तिगत विश्व कप रजत पदक जीता। एयर पिस्टल मिश्रित टीम की विश्व चैंपियन ईशा ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल फाइनल में 35 अंक बनाए और वह चीन की सुन युजी से पीछे रहीं जिन्होंने 10वीं और अंतिम पांच शॉट सीरीज के बाद 38 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता। सुन की हमवतन फेंग सिक्जुआन ने कांस्य पदक जीता। दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने भी फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन वह छठे स्थान पर रहीं।

राजस्थान ने पंजाब को 50 रन से दी मात, यशस्वी का अर्धशतक

मुल्लांपुर। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में पंजाब किंग्स को 50 रन से हरा दिया। चेन्नई सुपर किंग्स को पिछले मैच में हराने वाली राजस्थान रॉयल्स की यह दूसरी जीत है तो वहीं पंजाब किंग्स को तीन मैच में पहली हार का सामना करना पड़ा। यशस्वी जायसवाल (67) अभी तक तीन मैच में एक, 29 और चार रन ही बना सके थे। राजस्थान रॉयल्स ने चार विकेट पर 205 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में पंजाब की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 रन ही बना सकी।

जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन (38 रन) ने पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के गेंदबाजी करने के फैसले के बाद पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके राजस्थान रॉयल्स को इस सत्र की सर्वश्रेष्ठ शुरुआत दिलाई। पंजाब किंग्स की शुरुआत काफी खराब रही जिसने पहले ही ओवर में प्रियांश आर्य और श्रेयस अय्यर के विकेट गंवा दिए। नेहाल वढेरा (62 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (30 रन) पांचवें विकेट के लिए अच्छा खेलते हुए बड़ी साझेदारी की ओर बढ़ रहे थे लेकिन श्रीलंका के दो स्पिनरों ने दोनों के बीच 52 गेंद में 88 रन की साझेदारी का अंत किया।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
दिल्ली	3	3	0	6
बेंगलोर	3	2	1	4
गुजरात	3	2	1	4
पंजाब	3	2	1	4
कोलकाता	4	2	2	4
लखनऊ	4	5	2	4
राजस्थान	4	2	2	4
मुंबई	4	1	3	2
चेन्नई	4	1	3	2
हैदराबाद	4	1	3	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
201 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
10 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : 15 साल बाद चेपॉक स्टेडियम में 25 रन से जीती दिल्ली

चेन्नई की घर में तीसरी हार, राहुल के अर्धशतक से दिल्ली की हैट्रिक जीत

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 25 रन से शिकस्त देकर मौजूदा सत्र में तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दिल्ली ने छह विकेट पर 183 रन बनाने के बाद चेन्नई की पारी को पांच विकेट पर 158 रन पर रोक दिया। चेन्नई की चार मैचों में यह घर में लगातार तीसरी हार है। साल 2010 के बाद दिल्ली ने पहली बार चेपॉक पर जीत दर्ज की है। कैपिटल्स के लिए लोकेश राहुल ने 51 गेंद में 77 रन की शानदार पारी खेली।

चेन्नई ने 11वें ओवर में 74 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद विजय शंकर (नाबाद 69) और दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी (नाबाद 30) ने 57 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी कर हार के अंतर को कम किया। शंकर ने 54 गेंद की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि धोनी ने 26 गेंद की नाबाद पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। दिल्ली के लिए विप्रज निगम ने चार ओवर में 27 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव, मिचेल स्टार्क और मुकेश कुमार को एक-एक सफलता मिली।

84 रनों की साझेदारी बेकार

'इम्पैक्ट सब' के तौर पर उतरे शिवम दुबे ने आक्रामक रवैया अपनाने का प्रयास किया, लेकिन वो 18 रनों के निजी स्कोर पर स्पिनर विपराज का शिकार बन गए। रवींद्र जडेजा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वो 2 रन बनाकर कुलदीप यादव की बॉल पर चलते बने। जडेजा के आउट होने के समय चेन्नई का स्कोर 5 विकेट पर 74 रन था। यहां से चेन्नई को जीत के लिए ताबड़तोड़ बैटिंग की जरूरत थी, लेकिन विजय शंकर और एमएस धोनी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। दोनों के बीच 84 रनों की साझेदारी जरूर हुई।

राहुल की दमदार पारी...

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 6 विकेट पर 183 रन बनाए। अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़कर पारी को संभाला। पोरेल ने 20 बॉल 33 रन बनाए। अक्षर और राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी हुई। अक्षर 21 रन बनाकर नूर अहमद की गेंद पर बोल्ड हुए। अक्षर के आउट होने के बाद समीर रिजवी ने केएल राहुल का बखूबी साथ निभाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी हुई। समीर रिजवी 20 रन बनाकर खलील अहमद का शिकार बने। राहुल ने 51 गेंदों पर 77 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
मैकगुर्क का अश्विन बो खलील	00	05	0	0
राहुल का धोनी बो पथिराना	77	51	6	3
पोरेल का पथिराना बो जडेजा	33	20	4	1
अक्षर पटेल बो नूर	21	14	2	1
रिजवी का जडेजा बो खलील	20	15	1	1
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	24	12	2	1
आशुतोष रन आउट (जडेजा/ धोनी)	01	01	0	0
प्रिंज निगम नाबाद	01	02	0	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 183/6
गेंदबाजी : खलील 4-0-25-2, चौधरी 4-0-50-0, अश्विन 3-0-21-0, जडेजा 2-0-19-1, नूर 3-0-36-1, पथिराना 4-0-31-1.

चेन्नई सुपरकिंग्स	रन	गेंद	4	6
रविंद्र का एवं बो मुकेश कुमार	03	06	0	0
कॉन्वे का अक्षर बो निगम	13	14	1	0
ऋतुराज का मैकगुर्क बो स्टार्क	05	04	1	0
विजय शंकर नाबाद	69	54	5	1
दूबे का स्टब्स बो निगम	18	15	1	1
जडेजा पगबाधा कुलदीप	02	03	0	0
महेंद्र सिंह धोनी नाबाद	30	26	1	1

अतिरिक्त : 18, कुल : 20 ओवर में 158/5
गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-27-1, मुकेश 4-0-36-1, मोहित 3-0-27-0, निगम 4-0-27-2, कुलदीप 4-0-30-1, अक्षर 1-0-5-0.

गुजरात-हैदराबाद में मुकाबला आज

हैदराबाद। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में अपना विशेष स्थान बनाने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उसकी यह आक्रामकता ही हार का कारण बन रही है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी इस शैली पर आत्ममंथन करना होगा। सनराइजर्स ने अपने पहले मैच में 286 रन बनाकर धमाकेदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाजों की आक्रामकता नहीं चल पाई।

धोनी के माता-पिता ने देखा मैच

चेन्नई। दिग्गज एमएस धोनी के माता-पिता पान सिंह और देविका देवी की मौजूदगी ने शनिवार को चेपक में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के आईपीएल मैच को और भी खास बना दिया। धोनी 2008 में आईपीएल के पहले सत्र से चेन्नई की टीम के साथ जुड़े है और यह पहली बार है जब उनके माता-पिता आईपीएल मैच देखने पहुंचे हैं। धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी मौजूद थीं, हालांकि वे अक्सर चेन्नई में आईपीएल मैच देखने जाती हैं।

खबर संक्षेप

तिलक को रिटायर्ड करना अच्छा नहीं था

लखनऊ। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करना अच्छा नहीं था।

जयवर्धने ने कहा, 'क्रिकेट में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। और उसे बाहर करना अच्छा नहीं था लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ा। यह उस समय एक रणनीतिक निर्णय था।' वह जब 23 गेंद पर 25 रन बना कर खेल रहे थे तब मुंबई की टीम ने उन्हें रिटायर्ड आउट करवा दिया और उनकी जगह मिशेल सेंटनर को भेजा गया। मुंबई की यह रणनीति हालांकि कारगर साबित नहीं हुई और उसे 12 रन से हार का सामना करना पड़ा।

कोच द्रविड़ सर का साथ मिलना सौभाग्य की बात

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के मार्गदर्शक राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है।

भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के अहम खिलाड़ी भी हैं। जायसवाल ने कहा, 'वह एक बेहतरीन इंसान हैं। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन 'लीडर' हैं। वह एक शानदार सहायक और देखभाल करने वाले इंसान हमेशा सभी का ख्याल रखने वाले इंसान हैं।'

निशानेबाज नीरज को दिखाया पीला कार्ड

नई दिल्ली। भारत के पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन निशानेबाज नीरज कुमार ब्यूनस आयर्स में आईएसएसएफ विश्व कप के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करते समय एक अजीब स्थिति में पहुंच गए जब प्रतियोगिता में उन्हें पीला कार्ड दिखाया गया।

नीरज के मामले में पीला कार्ड दिखाया जाना हैरानी भरा था क्योंकि वह आकस्मिक विस्फोट को रोकने के लिए अपनी बन्दूक को सुरक्षित करने के लिए 'बोर लॉक' का उपयोग कर रहे थे और यह ऐसी चीज है जो निशानेबाजों द्वारा नियमित रूप से किया जाता है।

जामवाल ने विश्व कप के फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के अभिनाश जामवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली के जियानलुइगी मलंगा को हराकर ब्राजील के फोज डो इगुआकु शहर में चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप के 65 किग्रा वजन वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

इस 22 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने मलंगा की पहुंच से दूर रहने के लिए अपनी लंबाई और गति का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने 5-0 के सर्वसम्मत मतों से जीत हासिल की।

पांच में से चार जजों ने जामवाल को परफेक्ट 30 अंक दिए। जामवाल इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले गुरुवार को हितेश 70 किग्रा भार वर्ग में फ्रांस के ओलंपियन माकन ट्राओरे को हराकर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। फाइनल में हितेश का मुकाबला इंग्लैंड के ओडेल कामारा से जबकि जामवाल का स्थानीय खिलाड़ी यूरी रीस से होगा। भारत के एक अन्य मुक्केबाज मनीष राठौड़ का 55 किग्रा वजन वर्ग में अभियान सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें कजाकिस्तान के नूरसुल्तान अल्टिनबेक से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

कुछ प्रदर्शनों के आधार पर सिराज का आकलन सही नहीं

हैदराबाद। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी का मानना है कि फ्रेंचाइजी में शामिल होने के बाद से मोहम्मद सिराज 'असाधारण' रहे हैं और इस तेज गेंदबाज को कुछ प्रदर्शनों के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए।

सिराज ने अपने पिछले आईपीएल मैच में अपनी पूर्व टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 19 रन देकर तीन विकेट झटके और पांच विकेट के साथ वह आईपीएल 2025 में अब तक गुजरात टाइटन्स के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। सोलंकी ने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही भूमिका निभा रहे हैं, जैसी जरूरत है। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। ऐसी बातें कहना अनुचित होगा कि चीजें उनके लिए ठीक नहीं चल रही हैं। जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कभी-कभी हम बहुत से युवा क्रिकेटरों से काफी उम्मीद करते हैं। सिराज ने काफी कुछ हासिल किया है। कभी-कभी हम एक या दो प्रदर्शनों का आकलन करने में बहुत जल्दबाजी करते हैं, लेकिन जब से वह हमारे साथ जुड़े हैं, तब से वह असाधारण रहे हैं।'

न्यूजीलैंड ने किया पाकिस्तान का सूपड़ा साफ, सियर्स को 5 विकेट

एजेंसी ▶▶ माउंट मोनगानुई

सलामी बल्लेबाज रीस मारियू और कप्तान माइकल ब्रेसवेल के अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज बेन सियर्स के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 43 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

आउटफील्ड गीली होने के कारण यह मैच 42 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 264 रन बनाए। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 40 ओवर में 221 रन बनाकर आउट हो गई।

सियर्स ने 34 रन देकर पांच विकेट हासिल करके पाकिस्तान को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। न्यूजीलैंड की पारी का आकर्षण अपना दूसरा वनडे खेल रहे मारियू (58) और ब्रेसवेल (59) के अर्धशतक रहे। इन दोनों के अलावा डेरिल मिचेल ने 43 रन का योगदान दिया।

इस दौरान उन्होंने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2000 रन भी पूरे किए। पाकिस्तान की तरफ से आकिफ जावेद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 62 रन देकर चार विकेट लिए।

ब्राजील, पुर्तगाल और स्पेन के पूर्व फुटबॉलरों ने दी नसीहत

फुटबॉल में प्रगति के लिए ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान दे भारत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

ब्राजील के 2002 विश्व कप विजेता जोस एडमिल्सन का मानना है कि भारत को फुटबाल में प्रगति के लिए अपने ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए और युवा खिलाड़ियों की महत्वाकांक्षाओं को भी देखना चाहिए। एडमिल्सन रियल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना के उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो रविवार को यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में 'लीजेंड्स फेसऑफ' में खेलेंगे।

मैच में कार्लोस पुयोल, लुइस फिगो, जावी, जेवियर सावियोला, रिवाल्डो, फर्नांडो मोरिएंटेस, माइकल ओवेन और कई अन्य खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। मैच से पहले यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एडमिल्सन ने कहा, 'एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी बनने की तकनीक हासिल करने से पहले कई तरह की चीजों से निपटना होता है। भारत को ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना होगा और बच्चों की महत्वाकांक्षाओं पर भी ध्यान देना होगा। एक अच्छा खिलाड़ी बनाने से पहले उन्हें एक अच्छा इंसान बनाना होगा। और यह बहुत महत्वपूर्ण है। कई जगहों पर बच्चे खिलाड़ी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन इससे पहले समाज की कई समस्याओं का समाधान करना होगा।'

रोनाल्डो टफ डिफेंडर

पेपे ने कहा कि अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी की तुलना में पुर्तगाल टीम के उनके साथी क्रिस्टियानो रोनाल्डो डिफेंडर के रूप में मुश्किल खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'मुझे क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम लेना होगा क्योंकि मैं उनके साथ ट्रेनिंग करता हूं। मुझे पता है कि उनके खिलाफ कितना मुश्किल है। क्रिस्टियानो एक ऐसे फुटबॉलर रहे हैं जिन्होंने संघर्ष किया है और रियल मैड्रिड को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने मैनचेस्टर युनाइटेड, युवेंटस, पुर्तगाली राष्ट्रीय टीम को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने हमेशा बहुत सारे मैच जीते हैं। मुझे पता है कि उनके साथ ट्रेनिंग करना कैसा होता है। उन्होंने बहुत मेहनत की है।'

रियल-बार्सिलोना की दिखेगी प्रतिद्वंद्विता

अर्जेंटीना के सावियोला रियल मैड्रिड और बार्सिलोना दोनों के लिए खेले हैं। उन्होंने कहा कि वह भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के अवसर से उत्साहित हैं। सावियोला ने कहा, 'इस प्रतिद्वंद्विता को भारतीय प्रशंसकों के सामने लाने का मौका बहुत भावनात्मक है। भले ही मैं अब पेशेवर नहीं हूं, लेकिन मैं कभी भी फुटबॉल से दूर नहीं रहता। मुझे उम्मीद है कि यह मैच भारतीय फुटबॉलरों और सपने देखने वालों की एक पूरी नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।'

ऋषभ पंत और दिग्वेश पर लगा भारी जुर्माना

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। किसी भी गेंदबाजी टीम के लिए 20 ओवर पूरे करने का निर्धारित समय 90 मिनट है।

लखनऊ की टीम निर्धारित समय से एक ओवर पीछे चल रही थी। इस कारण उसे अंतिम ओवर में 30 गज के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस बीच लखनऊ के स्पिनर दिग्वेश राठी पर लगातार दूसरी बार उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने मुंबई के बल्लेबाज नमन धीर को आउट करने के बाद फिर से नोटबुक लिखने की शैली में जश्न मनाया। उनके खाते में एक और डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है। इस तरह से उनके नाम पर अब दो डिमेरिट अंक जमा हो गए हैं।'

आरक्षक के घर से एके 47 राइफल और 90 राउंड कारतूस चोरी के मामले में पुलिस का बड़ा खुलासा

नशे का शौक पूरा करने के लिए करते थे चोरी, मां भी देती थी साथ

दो युवक और एक महिला समेत तीन गिरफ्तार, भविष्य में दे सकते थे बड़ी वारदात को अंजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

आरक्षक के घर से एके 47 और 90 राउंड जिंदा कारतूस व जेवर चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। आरोपी अपना शौक पूरा करने के साथ ही नशे की जरूरत पूरी करने के लिए चोरी करने के साथ ही नशे का कारोबार भी करते थे। उनके इस काले कारनामों में एक आरोपी की मां भी साथ देती थी और खुद उन्हें सूने मकानों की जानकारी प्रदान करती थी। पुलिस ने इस मामले में दो युवकों और एक महिला समेत कुल तीन लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही एके 47 राइफल और 90 नग जिंदा कारतूस के साथ ही सोने चांदी के जेवर, नशीला इंजेक्शन व चोरी के रकम से खरीदे गए सामान को बरामद किया गया है। शनिवार को इस चोरी के मामले का खुलासा एसपी योगेश पटेल ने किया है। इसके साथ ही पुलिस ने यह भी माना है कि आरोपी इस हथियार से किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते थे। बता दें कि बलरामपुर जिले में जिला बल में पदस्थ आरक्षक आशीष तिर्की के गांधीनगर स्थित सूने मकान में 1 व 2 अप्रैल की दरमियानी रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। चोर सूने मकान में प्रवेश कर सोने चांदी के जेवर के साथ एके 47 राइफल और 3 मैगजीन में 90 राउंड जिंदा कारतूस भी चोरी कर ले गए थे। इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था।

मां करती थी रेकी, युवक करता था चोरी

पुलिस के अनुसार आरोपी सागर चौहान से दो साल पहले प्रहलाद वासुदेव से जान पहचान हुई थी। इसके बाद दोनों अपना शौक पूरा करने और नशे की जरूरत पूरी करने के लिए चोरी करते थे और नशे का समान बेचते थे। विगत पांच छह माह से आरोपी प्रहलाद वासुदेव सागर चौहान के घर में रहता था। सागर चौहान की मां शांति सिंह क्षेत्र में घूम घूमकर सूने मकानों की रेकी कर उन्हें जानकारी देती थी और उसके बाद दोनों आरोपी मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे और फिर चोरी का सामान बांट लेते थे। आरोपी सागर चोरी में मिले सोने चांदी के जेवर अपनी मां को देता था। चोरी के सामान को बेचकर आने वाली रकम से आरोपियों द्वारा घर में ऐशो आराम के सामान इकट्ठा किया जा रहा था।

चित्रकार देवांगना को ऑक्सफोर्ड बुकस्टोर बुक कवर पुरस्कार

नई दिल्ली। चित्रकार देवांगना दास को चारु निवेदिता की लिखित और नंदिनी कृष्णन द्वारा तमिल से अनुवादित 'कॉन्वरसेशन विद औरंगजेब' के कवर को डिजाइन करने के लिए 'ऑक्सफोर्ड बुकस्टोर बुक कवर' पुरस्कार के 10वें संस्करण का विजेता घोषित किया गया। इंडिया हैबिटेट सेंटर में शनिवार शाम को आयोजित एक समारोह में देवांगना को एक ट्रॉफी, एक प्रमाण पत्र और एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।देवांगना ने कहा, दृश्यों से भरी दुनिया में, जहां एक संकेत से एक छवि उत्पन्न हो सकती है, वहां डिजाइन को मान्यता देना संवाद, बहस, अस्वीकृति और रचनात्मक कार्य को आकार देने के महत्व की पुष्टि करता है। किसी पुस्तक के कवर को अक्सर तुरंत आंक लिया जाता है, लेकिन शायद ही कभी समझा जाता है या उससे जुड़ा जाता है।

देश के कई इलाकों में चलेगी लू, 42 तक पहुंचेगा तापमान

नई दिल्ली। देश भर में तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा है। इसके कारण लोगों को परेशानी होने लगी है। धूप तेज और तेज होती जा रही है, जिसके कारण दोपहर में सड़कों पर कुछ दूरी तक चलना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में आगामी दिनों में गर्मी का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भीषण गर्मी का अनुमान जताया है। इसने आम लोगों को परेशान कर दिया है। दरअसल, मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में देश के अलग-अलग राज्यों के लिए अधिकतम तापमान में इजाफे का अनुमान जताया है। साथ ही दिल्ली सहित कुछ राज्यों में लू का प्रकोप भी देखने को मिल सकता है। विभाग ने अनुमान जताया है कि कुछ जगहों पर अगले कुछ दिनों में तापमान 42 डिग्री तक पहुंच सकता है।

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से निःशुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी 9343079151, 91313 99570
भिलाई: टी.आई. मॉल के पास 7722880844, 0788-2294440

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल

सुयश हॉस्पिटल (NABH से मान्यता प्राप्त)
माता-पिता बनने का अनमोल अहसास
97551 62611
कोटा-गुढ़ियारी रोड, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

ओम हॉस्पिटल
प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक विभाग
रायपुर चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
9302734809
8370008558
9131753200

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
फेस लिफ्ट
बोटाक्स फिलर
थ्रेड लिफ्ट
स्किन पॉलिशिंग
लेज़र फेशियल
पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060

भीषण गर्मी का प्रकोप?
बैद्यनाथ दाड़िमावलेह
भीषण गर्मी में परिवार का सुरक्षा कवच
वैद्यकीय सलाह: 844 844 4935 | www.baidyanath.co

वृन्दा चेस्ट & एलर्जी केयर
रायपुर के प्रसिद्ध एलर्जी एवं अस्थमा के डॉक्टर
डॉ. केदारनाथ देवांगन
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.), फोन: 0771-4916125
+91 8962566221, 7714916125, 7223065604

LAUNCHING MODEL FLAT
Near Brahmavid The Global School, Bhatagaon, Raipur
Awas Mela
In Association with SBI
ASK SERENITY
2 / 3 / 4 BHK LUXURY ABODES
LAST DAY
LAST CHANCE TO GET
ASSURED GIFTS WORTH
₹ 2.5 Lacs*
ON SPOT BOOKING
Sales Partner Real Budget
Project by ASK
CRAFTING EDIFICES, CREATING LIFESTYLES
Pick and drop facility available for site visit
73545-73545
*T & C Apply.
PCGRERA030624001780

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com